

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

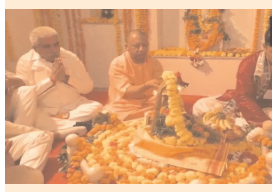
राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 61। पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 27 अक्टूबर 2026(मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

योगी का अखिलेश पर तंज, बोले- विरासत में गद्दी मिल सकती है, बुद्धि नहीं



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिठूर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाने बिठूर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश यादव को जनता विदा कर चुकी है और उन्हें दोबारा सत्ता में आने का सपना छोड़ देना चाहिए। योगी ने तंज कसते हुए कहा कि विरासत में गद्दी मिल सकती है, बुद्धि नहीं। योगी ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का विरोध करने पर सपा-कांग्रेस से सवाल किया। उन्होंने पूछा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित होकर आए पात्र हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन समुदायों को नागरिकता देने वाले कानून का विरोध क्यों किया गया। मुख्यमंत्री ने सपा सरकार पर दंगाइयों और भू-माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया। जवाहर बाग की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में आम नागरिकों के साथ पुलिसकर्मी भी सुरक्षित नहीं थे।

साधु के चोले में छिपा हवसी राक्षस!

जैन साध्वी के साथ वीडियो कॉल पर न्यूड होकर कुकर्म करने वाले कुसाधु सागरचंद्र सागर का पर्दाफाश

करोड़ों की ऐयाशी और काले कारनामों का कच्चा चिट्ठा जल्द खुलेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। धर्म की नगरी उज्जैन और जैन समाज को कलंकित करने वाली एक अत्यंत शर्मनाक, झकझोर देने वाली और सनसनीखेज घटना सामने आई है। साधु के पवित्र वेश की आड़ में मानवता को शर्म करने वाले कुसाधु सागरचंद्र सागर के खिलाफ जैन समाज ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। जैन समाज की साध्वियों के साथ वीडियो कॉल पर न्यूड होकर अशलील हरकतें करने और उनकी मर्यादा तार-तार करने के गंभीर आरोपों से पूरे देश के संत समाज और जैन समुदाय में भारी रोष एवं नफरत की आग सुलग रही है।

साध्वियों के स्क्रीनशॉट बने सबूत, कामलीला का हुआ पर्दाफाश

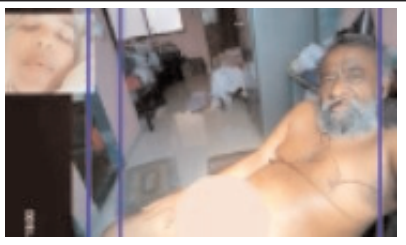
प्राप्त जानकारी और सूत्रों के अनुसार, इस बहरूपिया कुसाधु सागरचंद्र सागर की गंदी और हवसी करतूतों का भंडाफोड़ तब हुआ जब उसने जैन समाज की ही कई साध्वियों को वीडियो कॉल करके अपनी सारी हदें पार कर दीं। कुसाधु की इन घिनौनी हरकतों से आहत और सतर्क साध्वियों ने उसकी इन करतूतों के डिजिटल सबूत यानी स्क्रीनशॉट अपने पास सुरक्षित रख लिए और उसकी इस काली करतूतों का कच्चा चिट्ठा बाहर ले आएं। यह सवाल अब हर किसी के जेहन में उठ रहा है कि आखिर इस ढोंगी ने कितनी भोली-भाली साध्वियों और अन्य महिलाओं को अपनी हवस का शिकार बनाया होगा। साधु के लिबास में छिपा यह व्यक्ति संत कहलाने के लायक नहीं, बल्कि समाज के लिए एक कलंक बन चुका है।

दान के करोड़ों रुपयों से ऐयाशी और प्रॉपर्टी का साम्राज्य

जनता और श्रद्धालुओं द्वारा धर्म और दान के नाम पर दिए गए करोड़ों रुपए की मलाई यह कुसाधु अपनी ऐयाशी पर उड़ा रहा है। दान की रकम का दुरुपयोग करके भारी-भरकम संपत्ति और साम्राज्य खड़ा करने वाले सागरचंद्र सागर की असलियत अब धीरे-धीरे बेनकाब हो रही है। समाज के लोगों का कहना है कि यदि यह कुसाधु वास्तव में दूध का धुला और सच्चा होता, तो मीडिया के सामने आकर इन गंभीर आरोपों का खुलकर जवाब देता और अपनी सफाई पेश करता। लेकिन, अपनी कालिख छिपाने के लिए वह मीडिया के सामने आने से कतरा रहा है, क्योंकि उसे अच्छी तरह पता है कि उसके पापों के घड़े का मुंह पूरी तरह खुल चुका है। मीडिया कन्वीनर अभय चोपड़ा की भूमिका पर भी उठे गंभीर सवाल, क्या वह भी इस पाप में शामिल इस पूरे घटनाक्रम में कुसाधु के बचाव में उतरे मीडिया कन्वीनर अभय चोपड़ा की भूमिका भी बेहद संदग्धि और कटघरे में खड़ी हो गई है। उनका रोज का काम केवल सागरचंद्र के खिलाफ छपने वाली सच और बेबाक खबरों का खंडन करना और सोशल मीडिया पर लीपापोती करने वाले पोस्टर जारी करना रह गया है। कभी भी उस खबर की सच्चाई जानने की जहमत न उठाने वाले अभय चोपड़ा को जैन समाज अब 'अंधभक्त' करार दे रहा है, जिसे इस कुसाधु की काली करतूतें और कामलीलाएं दिखाई नहीं देतीं। अंदरखाने के सूत्रों के हवाले से तो यह भी सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं कि इस करोड़ों रुपए के घोटाले और अवैध उगाही में कहीं न कहीं इनका भी हिस्सा जुड़ा हुआ है।

महानगर मेट्रो की हुंकार: जल्द खुलेगा काला चिट्ठा, उज्जैन में होगा कड़ा विरोध

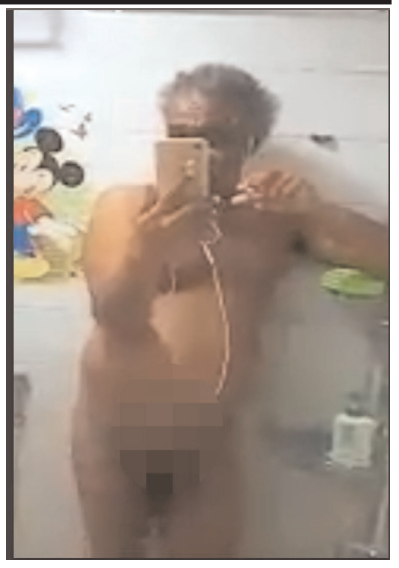
प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बेनकाब करेंगे काले कारनामे: महानगर मेट्रो न्यूज़ आगामी कुछ ही दिनों में उज्जैन में एक भव्य और सनसनीखेज प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन करेगा, जिसमें इस कुसाधु सागरचंद्र सागर की कामलीला और काले कारनामों का एक-एक दस्तावेज लोगों के सामने बेनकाब किया जाएगा। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में जैन समाज के शीर्ष और वरिष्ठ अगुआकार भी विशेष रूप से उपस्थित रहकर अपना कड़ा रोष व्यक्त करेंगे। हर कार्यक्रम का होगा पुरजोर बहिष्कार: उज्जैन या देश के किसी भी कोने में जहां-जहां इस कुसाधु के कार्यक्रम आयोजित होंगे, वहां जैन



समाज और जागरूक नागरिक पूरी ताकत के साथ उसका विरोध करेंगे ताकि उसकी असली और भयानक हकीकत जनता के सामने आ सके। प्रोग्राम के आयोजकों को सख्त चेतावनी: उज्जैन की पावन और पवित्र भूमि पर इस ढोंगी और हवसी कुसाधु का प्रवेश निषेध होना चाहिए। आयोजकों से हाथ जोड़कर और कड़े शब्दों में निवेदन किया जाता है कि वे इस राक्षस रूपी व्यक्ति के किसी भी कार्यक्रम का आयोजन न करें और उसका पूरी तरह बहिष्कार करें।

प्रवचन में आने वाली महिलाओं को किस नजर से देखता है यह हवस का पुजारी?

धार्मिक अनुष्ठानों और प्रवचन पंडालों में सिर झुकाकर आने वाली भोली-भाली महिलाओं और युवतियों को यह हवस का पुजारी किस गंदी और घटिया नजरों से देखता होगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। इसे हर महिला में केवल और केवल अपनी हवस मिटाने का साधन ही



नजर आता है। महानगर मेट्रो न्यूज़ आज इस कुसाधु की कुछ ऐसी शर्मनाक और सनसनीखेज तस्वीरें दुनिया के सामने लाने जा रहा है, जिसे देखकर हर कोई दहल उठेगा और सोचने पर मजबूर हो जाएगा कि यह कोई साधु है या समाज को नोचने वाला कोईशीतान। जैन समाज और आम जनता की हुंकार अब बुलंद हो चुकी है--इस कुसाधु को साधु के पवित्र वेश से बेदखल करके ही दम लिया जाएगा।

करनाल में जमीन विवाद में बुजुर्ग की हत्या, कार पर कुल्हाड़ी-फरसे से हमला; वीडियो सामने आया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

करनाल। हरियाणा के करनाल में जमीन विवाद के चलते बीएसएनएल के सेवानिवृत्त कर्मचारी रामेश्वर (65) की हत्या कर दी गई। हमले में उनका बेटा भी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें नकाब पहने चार हमलावर कार पर कुल्हाड़ियों से वार करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो कार में मौजूद परिजनों ने रिकॉर्ड किया था।परिजनों के मुताबिक, आरोपियों के साथ उनका जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। खेत में खड़ी फसल काटने का विरोध करने पर रामेश्वर और उनके बेटे पर हमला किया गया। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने रामेश्वर को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर कुंजपुरा थाना पुलिस और डीएसपी नायब सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी को लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।



केरल हाईकोर्ट की दोटूक: कोई जज किसी से बड़ा नहीं!

केरल हाईकोर्ट की टिप्पणी: सभी जज समान फैसले में असहमति का मतलब श्रेष्ठता नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि न्यायाधीशों के बीच कानूनी मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन आपसी सम्मान, संयम और न्यायिक शिष्टाचार बनाए रखना जरूरी है। कोई भी बेंच दूसरी बेंच से संस्थागत रूप से श्रेष्ठ नहीं है। जस्टिस देवन रामचंद्रन और जस्टिस बसंत बालाजी की डिवीजन बेंच ने यह टिप्पणी तिरुवनंतपुरम सर्विस को-ऑपरेटिव बैंक के एक कर्मचारी की अपील पर सुनवाई के दौरान की। कोर्ट ने कहा कि अपीलीय बेंच किसी सिंगल जज के फैसले से असहमत होकर उसमें बदलाव या उसे रद्द कर सकती है, लेकिन इससे उस जज पर श्रेष्ठता साबित नहीं होती। मामले में लेबर कोर्ट ने बैंक को अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय दिया था। हाईकोर्ट ने माना कि लेबर कोर्ट को समय बढ़ाने का अधिकार है, लेकिन इस मामले में देरी के कारणों और कर्मचारी की आपत्तियों पर उचित विचार नहीं किया गया। इसलिए आदेश रद्द करते हुए लेबर कोर्ट को दोनों पक्षों को सुनकर दो महीने के भीतर नए सिरे से फैसला करने का निर्देश दिया गया। बेंच ने कहा कि 'पीयर रेस्ट्रेंट' यानी समान दर्जे वाले न्यायाधीशों के बीच संयम न्यायिक अनुशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह सिद्धांत केवल बाध्यकारी न्यायिक नजीरों



तक सीमित नहीं, बल्कि बेंचों के बीच सम्मान और सामंजस्य बनाए रखने से भी जुड़ा है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि चीफ जस्टिस का पद 'प्राइमस इंटर पेरेस' यानी बराबर लोगों में प्रथम के सिद्धांत पर आधारित है।

दुष्यंत चौटाला का आईटीबीपी प्रमुख पर हमला, बोले- बयान से जवानों का मनोबल टूटेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने भारत-चीन सीमा पर दिए गए बयान को लेकर आईटीबीपी महानिदेशक शत्रुजीत कपूर पर निशाना साधा है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर बयान को कायराना बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री से उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विवाद शत्रुजीत कपूर के उस बयान के बाद शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने भारत-चीन सीमा पर सैनिकों के आमने-सामने आने की स्थिति और चीन की सैन्य ताकत का जिक्र किया था। चौटाला ने कहा कि भारत चीन से पारंपरिक युद्ध नहीं लड़ सकता, ऐसा कहना जवानों का मनोबल कमजोर करने वाला है। उन्होंने इसे देश की सुरक्षा के लिहाज से अनुचित बताया।



अनंत सिंह पर जदयू का शिकंजा, पत्नी नीलम देवी को सरकारी आवास खाली करने का नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। मोकामा विधायक अनंत सिंह के खिलाफ जदयू की कार्रवाई के बीच उनकी पत्नी नीलम देवी को भी झटका लगा है। बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग ने पटना के 1, मॉल रोड स्थित सरकारी आवास को 25 नवंबर 2026 तक खाली करने का नोटिस जारी किया है। इससे पहले नीलम देवी को 20 सूत्री समिति के सदस्य पद से हटाने के साथ राज्य मंत्री का दर्जा भी वापस ले लिया गया। आवास खाली करने का नोटिस जारी होने के बाद कांग्रेस की पूर्व विधायक नीतू सिंह अनंत सिंह से मिलने पहुंचीं। वहीं, जदयू के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह तथा संजय झा से दिल्ली में अनंत सिंह पर कार्रवाई को लेकर सवाल पूछे गए, लेकिन दोनों ने स्पष्ट जवाब नहीं दिया।



तमिलनाडु के पूर्व शिक्षा मंत्री अनबिल महेश गिरफ्तार, 100 करोड़ के स्कूल घोटाले का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री और डीएमके नेता अनबिल महेश पोय्यामोझी को निजी स्कूलों से कथित वसूली के मामले में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि 2021 से 2026 के बीच शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने एक हजार से अधिक निजी स्कूलों के प्रबंधन से 'पार्टी फंड' के नाम पर पैसे वसूले। इसके बदले स्थायी मान्यता और अन्य सरकारी मंजूरियां दिलाने का भरोसा दिया गया था। मामले की शुरुआत निजी स्कूल संगठनों से जुड़े डी.सी. इलंगोवन की शिकायत से हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि कुछ पदाधिकारियों ने स्कूलों से सदस्यता शुल्क और अन्य रकम लेकर सरकारी मंजूरियां दिलाने का वादा किया, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। महेश ने मद्रास हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, जिसे सोमवार को खारिज कर दिया गया। इसके कुछ घंटे बाद ग्रेटर चेन्नई पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। महेश ने अदालत में आरोपों का विरोध करते हुए कहा कि उनके खिलाफ अवैध रकम लेने का कोई रिकॉर्ड नहीं



है। उन्होंने यह भी दलील दी कि कुछ लोगों ने उनका नाम इस्तेमाल कर स्कूलों से पैसे वसूले होंगे। मामले में अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं और जांच जारी है। आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

बच्चा चोरी के शक में 5 महिलाओं की पिटाई, वीडियो वायरल पुलिस ने शक की बात नकारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

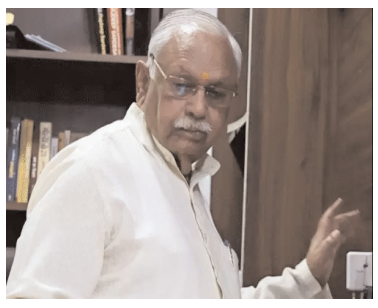
दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के नंदौरी गांव में पांच महिलाओं के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें भीड़ महिलाओं को बाल खींचकर और लात-घूंसों व लाठी-डंडों से पीटती दिखाई दे रही है। ग्रामीणों का दावा है कि महिलाएं ऑटो से गांव पहुंची थीं और बच्चा चोरी के शक में उन्हें पकड़ा गया। उनके साथ आए दो लोगों के भागने की बात भी कही गई है। हालांकि, पुलिस ने बच्चा चोरी की आशंका से इनकार किया है। पुरानी भिलाई थाना प्रभारी विजय यादव के अनुसार, सरपंच ने शिकायत की थी कि कुछ महिलाएं घरों में घुसकर पैसे मांग रही थीं। इसी बात को लेकर ग्रामीणों से उनका विवाद हुआ था। पुलिस ने महिलाओं को थाने लाकर उनके पते और पहचान का सत्यापन शुरू किया है। शिकायतकर्ताओं को भी बुलाया गया है।

दल-बदल के बाद सियासी ठिकाना तलाश रहे दिग्गज, न कांग्रेस में पूछ-परख न भाजपा में पद

मध्य प्रदेश में 'घर वापसी' अभियान के बीच दीपक जोशी और दीपक सक्सेना की सियासी स्थिति चर्चा में, कभी पार्टियों में रहा दबदबा अब पहले जैसा नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूर

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति में विधानसभा चुनाव 2023 और लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कई दिग्गज नेताओं ने दल बदलकर नई सियासी पारी शुरू की थी। अब कांग्रेस के 'घर वापसी' अभियान और भाजपा छोड़कर गए नेताओं की वापसी की चर्चाओं के बीच दल बदलने वाले नेताओं की स्थिति फिर चर्चा में है। कांग्रेस ने दावा किया है कि भाजपा में गए 600 से ज्यादा नेताओं ने वापसी के लिए आवेदन किया है। इस सियासी घटनाक्रम के बीच पूर्व मंत्री दीपक जोशी और दीपक सक्सेना के राजनीतिक सफर की मौजूदा स्थिति भी चर्चा का विषय बनी हुई है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के बेटे और पूर्व मंत्री दीपक जोशी करीब तीन दशक तक भाजपा में रहे। मई 2023 में उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया। उनके इस फैसले के पीछे पिता के स्मारक के लिए जमीन नहीं मिलने और कोरोना काल में पत्नी के निधन के दौरान इलाज के लिए सरकारी मदद नहीं मिलने जैसी वजहें बताई गईं। दूसरी ओर, तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने उनके पिता के स्मारक के लिए जमीन आवंटित की थी। कांग्रेस ने दीपक जोशी को खातेगांव से विधानसभा चुनाव का टिकट दिया, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। जोशी के मुताबिक, चुनाव हारने के बाद कुछ दिनों तक कांग्रेस की बैठकों में उन्हें बुलाया गया, लेकिन बाद में यह सिलसिला बंद हो गया। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की ओर से उनकी भाजपा में वापसी का अनौपचारिक ऐलान भी हुआ, लेकिन तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने पार्टी के नियमों का हवाला देते हुए इस पर रोक लगा दी। अब दीपक जोशी का कहना है कि न कांग्रेस उन्हें बैठकों में बुलाती है और न ही भाजपा उन्हें अपना मानती है। उनका कहना है कि वे किसी पार्टी में नहीं हैं और तटस्थ रहकर ही खुश हैं। दीपक सक्सेना को भी नहीं मिला राजनीतिक पद दूसरी ओर, पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना कभी छिंदवाड़ा में कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ के सबसे करीबी सहयोगियों में गिने जाते थे।

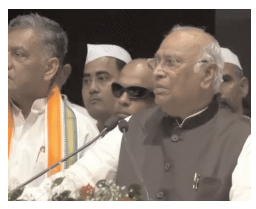


वर्ष 1980 से कमलनाथ के साथ रहे सक्सेना को क्षेत्र में कभी 'छिंदवाड़ा का कमलनाथ' भी कहा जाता था। वे दिग्विजय सिंह सरकार में मंत्री रहे और सात बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। सक्सेना ने 21 मार्च 2024 को कांग्रेस छोड़ दी और 5 अप्रैल को भाजपा में शामिल हो गए। उनके दल बदलने के पीछे वर्ष 2018 में नकुलनाथ के सक्रिय होने के बाद उपेक्षा महसूस करना और उनके बेटे अजय सक्सेना का भाजपा में शामिल होना प्रमुख वजहें बताई गईं।

खड़गे के बयान पर सियासी बवाल, पटना में शिकायत दर्ज; भाजपा ने मांगी माफी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे विवादों में घिर गए हैं। उनके बयान के बाद भाजपा नेताओं ने नाराजगी जताई और माफी की मांग की। रविवार रात पटना के कोतवाली थाने में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्णा कुमार सिंह ने शिकायत देकर जांच और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की। खड़गे ने पटना में कांग्रेस के एक कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ता की टिप्पणी के जवाब में कहा था, 'मोदी क्या, मोदी का बाप भी जाएगा।' शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के परिवार के संबंध में की गई कथित टिप्पणी से वे आहत हुए हैं। उन्होंने पुलिस से बयान के वास्तविक शब्दों और संदर्भ की पुष्टि के लिए वीडियो व अन्य साक्ष्यों की जांच करने का अनुरोध किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खड़गे के बयान की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस लगातार अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रही है। वहीं, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने खड़गे और राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री के परिवार के खिलाफ ऐसी टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।



राहुल गांधी मानहानि केस में बरी, कोर्ट बोला- झूठी वाहवाही के लिए मुकदमे न करें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुल्तानपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भाजपा नेता अमित शाह पर दिए गए बयान से जुड़े मानहानि मामले में 26 अक्टूबर 2026 को बरी कर दिया गया। अदालत ने शिकायतकर्ता विजय मिश्रा को इस मामले में पीड़ित पक्ष नहीं माना और कहा कि ऐसे मुकदमे दायर करने से पहले ठोस आधार होना चाहिए। यह मामला 8 मई 2018 का है, जब राहुल गांधी ने बेंगलुरु में चुनाव प्रचार के दौरान अमित शाह का नाम लिए बिना भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर टिप्पणी की थी। अगस्त 2018 में उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में इस संबंध में मानहानि का मुकदमा दर्ज हुआ था। राहुल सोमवार को अदालत में पेश हुए। उनके वकीलों के अनुसार, अदालत ने राहुल की ओर से दाखिल पूरे बयान की सीडी को महत्वपूर्ण साक्ष्य माना। बचाव पक्ष ने दलील दी कि राहुल का उद्देश्य किसी की मानहानि करना नहीं था। अदालत ने शिकायतकर्ता के आरोपों को भी मानहानि की श्रेणी में नहीं माना। फैसले के दौरान न्यायाधीश ने शिकायतकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि झूठी वाहवाही पाने के लिए मुकदमे दायर नहीं करने चाहिए। ऐसे मामलों से अदालत का कीमती समय बर्बाद होता है और बिना ठोस आधार के कानूनी कार्रवाई से बचना चाहिए



6 महीने से फरार शराबबंदी का बूटलेगर मिनटों में गिरफ्तार, बूटलेगरों में भारी हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सिटी क्राइम ब्रांच ने कल्चरल सिटी वडोदरा में गैर-कानूनी शराब बेचने वाले असामाजिक तत्वों और बूटलेगरों पर नज़र रखी हुई है। क्राइम ब्रांच टीम ने शराबबंदी के एक बदनाम आरोपी को पकड़ने में बड़ी कामयाबी हासिल की है, जो पिछले 6 महीने से पुलिस को चकमा देकर गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार था। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से शहर के लिस्टेड बूटलेगरों और अपराधियों में काफी डर और हंगामा फैल गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, वडोदरा सिटी क्राइम ब्रांच की एक स्पेशल टीम फरार अपराधियों को पकड़ने के लिए एक खास कैंपेन चला रही थी। इसी बीच, खास और सटीक जानकारी के आधार पर पुलिस ने रेड मारकर फिल्मी अंदाज में शराबबंदी के जुर्म में पिछले छह महीने से फरार आरोपी गोविंद सजनभाई भरवाड़ को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी गोविंद भरवाड़ पर पहले भी शराबबंदी एक्ट के तहत गंभीर अपराधों के लिए केस दर्ज है और वह लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था और पुलिस से भाग रहा था। हालांकि, क्राइम ब्रांच की पैनी नज़र ने आखिरकार उसे ट्रैक कर लिया और सलाखों के पीछे डाल दिया। वडोदरा सिटी पुलिस ने साफ चेतावनी दी है कि शहर में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब करने या गैर-कानूनी कामों में शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। क्राइम ब्रांच के इस सफल ऑपरेशन ने शहर के सतर्क नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा और मजबूत किया है।

डभोई में पावर ग्रिड के खिलाफ किसानों का गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। तालुका में पावर ग्रिड कंपनी और सरकार की किसान विरोधी नीतियों और नियमों के खिलाफ प्रभावित किसानों का गुस्सा चरम पर पहुंच गया है। तालुका के पलासवाड़ा, अंगुठान, मानपुरा, रसूलपुरा, भावपुरा, भीलापुर और कुवरवाड़ा समेत कुल 14 गांवों के किसान बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए। डभोई तालुका किसान समाज के बैनर तले सभी किसान एक रैली की शक्ल में आए और राज्य के



अधिकारियों और मामलतदारों को अर्जी दी। किसानों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि अगर उनके पेंडिंग मामलों का सही और संतोषजनक हल नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में गांधी चिंध्या पथ पर हिंसक आंदोलन किया जाएगा। किसानों के बीच बड़े विरोध का मुख्य कारण राज्य सरकार का 4 अगस्त, 2026 को पावर ग्रिड के मुआवज़े को लेकर जारी किया गया नया सर्कुलर है। किसानों का कहना है कि यह सर्कुलर किसानों के हित में नहीं है, बल्कि कंपनियों को फ़ायदा पहुँचाने के लिए बनाया गया है। साथ ही, आज भी किसानों पर ब्रिटिश ज़माने का टेलीग्राफ़ एक्ट 1885 थोपे जाने के ख़िलाफ़ किसान समुदाय में काफ़ी गुस्सा है। इंश्योरेंस कवर का पुरतेरह से ना होना खेतों के बीच से 765 KV जैसी बहुत ज़्यादा हाई-वोल्टेज बिजली की लाइनें गुज़र रही हैं। ऐसी हाई-वोल्टेज लाइनों से किसानों, खेत मज़दूरों और खेतों में काम करने वाले जानवरों को जान-माल के नुकसान का लगातार खतरा बना रहता है। हालाँकि, सरकारी सर्कुलर में सुरक्षा या इंश्योरेंस कवर के बारे में एक भी शब्द नहीं लिखा गया है। 2. 25 साल बाद भी अनिश्चितता पावर ग्रिड लाइन के 25 साल पूरे होने के बाद भी, ज़मीन और लाइन को लेकर क्या कार्रवाई की जाएगी, इस बारे में सर्कुलर में पूरी तरह से कुछ नहीं कहा गया है। इस अनिश्चितता के कारण, किसान अपनी आने वाली पीढ़ी को लेकर चिंतित हैं। हालांकि पूरे गुजरात में पावर ग्रिड प्रोजेक्ट पूरी तरह से प्रोफेशनल और कमर्शियल है, लेकिन सरकार ने सर्कुलर में अपने कमर्शियल मकसद का ज़िक्र करने से परहेज किया है और किसानों को सही मुआवज़े से दूर रखने की कोशिश की है। किसान नेताओं ने आगे कहा कि इस गंभीर मुद्दे पर प्रधानमंत्री कार्यालय मुख्यमंत्री कार्यालय और दिल्ली पावर मिनिस्ट्री को लिखित में ज्ञापन दिया गया है। उन्होंने न्याय की मांग करते हुए वडोदरा कलेक्टरेट में भी कई बार अर्जी दी है, जहां से सिर्फ आश्वासन मिला है, कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। देश भर के किसान लड़ाई के मूड में आ गए हैं और उन्होंने प्रशासन को सीधी चुनौती दी है .

चैतर वसावा की गैर-कानूनी गिरफ्तारी के खिलाफ 'आदिवासी न्याय यात्रा' ने BJP सरकार की नींव हिला दी है!

महानगर मेट्रो ब्यूर

दक्षिण गुजरात के आदिवासी इलाके में राजनीतिक गर्मी अपने चरम पर पहुंच गई है। आम आदमी पार्टी के जुझारू और आक्रामक आदिवासी MLA चैतर वसावा की दमनकारी नीतियों के तहत गिरफ्तारी से अब पूरे आदिवासी समुदाय में उबाल आ गया है। सरकार के अन्याय के खिलाफ आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए निकाली गई 'आदिवासी न्याय यात्रा' जब व्यारा पहुंची, तो वहां हुई सनसनीखेज प्रेस कॉन्फ्रेंस ने सरकार की नींद उड़ा दी है। जल, जंगल और ज़मीन की लड़ाई को दबाने की BJP की साज़िश राजूभाई वलवई का तीखा आरोप इस न्याय मार्च के तीसरे दिन व्यारा में हुई एक ज़रूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में आम आदमी पार्टी के राज्य नेता राजूभाई वलवई ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने साफ़ शब्दों में कहा, 'गुजरात में कानून-व्यवस्था की हालत ऐसी है कि अपराधी, शराब तस्कर और मिनरल माफिया खुलेआम घूम रहे हैं, लेकिन जो नेता सच में गरीबों, पिछड़ों और आदिवासियों के जल, जंगल और ज़मीन के हक़ के लिए लड़ रहा है, उसे राजनीतिक साज़िश रचकर जेल में डाल दिया गया है! ' सरकारी मशीनरी का अंधाधुंध गलत इस्तेमाल करके आदिवासी लीडरशिप को खत्म करने की BJP सरकार की नापाक चालें अब गुजरात की जनता के सामने आ गई हैं। 'यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि आदिवासी पहचान और अधिकारों की है ': वर्षाबेन और शकुंतलाबेन वसावई की जानलेवा दहाड़ इस यात्रा को लीड कर रही चैतर वसाव की पत्नी शकुंतलाबेन वसाव और वर्षाबेन वसाव ने सरकार को सीधे चुनौती दी है। वर्षाबेन वसाव ने बड़े जोश के साथ कहा, 'यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति या परिवार की सीमित लड़ाई नहीं है, बल्कि यह पूरे आदिवासी समुदाय के अस्तित्व, अधिकारों और न्याय के लिए एक बड़ा संघर्ष है। सरकार चाहे कितना भी जुल्म सह ले, वह हमारी आवाज़ नहीं दबा पाएगी। ' डर है कि चैतर वसाव को गैर-कानूनी तरीके से फंसाकर आदिवासी समुदाय को डराने की शासकों की कोशिश का आदिवासी समुदाय करारा जवाब देगा।

महानगर मेट्रो का सीधा सवाल: अन्याय के सामने लोग कब तक चुपचाप देखते रहेंगे?

आदिवासियों के मुद्दों को आवाज़ देने के लिए शुरू की गई इस 'आदिवासी न्याय यात्रा' को मिला जनता का समर्थन यह साबित करता है कि लोगों में शासकों के खिलाफ़ बहुत गुस्सा और नाराज़गी है। 'पाको गुजरात न्यूज़' का साफ़ मानना है कि अगर लोगों की आवाज़ दबाने के लिए पुलिस और पावर का गलत इस्तेमाल जारी रहा, तो इस गुस्से को जंगल की आग का रूप लेने में ज़्यादा समय नहीं लगेगा। 'पाको गुजरात' सच्चाई और न्याय की इस लड़ाई को जनता के सामने लाता रहेगा!

त्योहार आते ही AMC का फ़ूड डिपार्टमेंट नींद से जागा!

यह पूरे साल इनएक्टिव क्यों रहता है?

दिवाली आते ही क्यों जागता है एएमसी का फूड विभाग?

क्या यह दिवाली में 'किश्तें वसूलने' का खेल है या सच में लोगों की हेल्थ की चिंता है?—'महानगर मेट्रो' से एक मुश्किल सवाल!

मिठाई-फरसाण की जांच पर उठे सवाल: सैंपल रिपोर्ट आने तक त्योहार निकल गया तो कार्रवाई का क्या मतलब?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। जैसे ही दिवाली का पवित्र और धार्मिक त्योहार पास आ रहा है, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का फ़ूड डिपार्टमेंट अचानक 'सुपर एक्टिव' मोड में आ गया है। अधिकारी अहमदाबाद शहर में हर जगह मिठाई और फरसाण व्यापारियों के यहां रैपिड टेस्टिंग किट लेकर चेकिंग के लिए रेड मार रहे हैं। AMC की तरफ से चार अलग-अलग जोनल टीम बनाकर सैंपल लैब में भेजने के बड़े-बड़े ऐलान और ड्रामा किया जा रहा है।

लेकिन, सबसे बड़ा और सबसे धमाकेदार सवाल यहीं उठता है: यह फ़ूड डिपार्टमेंट पूरे साल कहां सोता रहा? इन अधिकारियों को लोगों की हेल्थ की याद सिर्फ़ त्योहारों पर ही क्यों आती है?

पूरे साल चुप्पी, और दिवाली आते ही सैंपलिंग का 'ड्रामा'!

आजकल AMC के अधिकारी अहमदाबाद के कोने-कोने में फरसाण और मिठाई के व्यापारियों के पास पहुँच रहे हैं और मिठाई और मावा की क्वालिटी चेक करने के नाम पर सैंपल इकट्ठा कर रहे हैं। अगर फ़ूड डिपार्टमेंट पूरे साल रेगुलर और ईमानदारी से काम करता, तो व्यापारी या मिलावटी माफिया लोगों की ज़िंदगी से खिलवाड़ करने की हिम्मत नहीं करते! इस घटना ने प्रशासन की दरियादिली पर गंभीर शक पैदा कर दिया है

उगाही का खेल: लोकल व्यापारियों और नागरिकों में यह अफवाह चल रही है कि फ़ूड डिपार्टमेंट की टीमों के सिर्फ़ त्योहारों के समय निकलने का असली कारण क्वालिटी चेक करना नहीं, बल्कि त्योहार के दौरान भारी 'किश्तें और दिवाली बोनस' वसूलना है!

सज़ा के नाम पर सेटिंग: ज़्यादातर मामलों में, सैंपल लेने के बाद जब तक रिपोर्ट आती है, तब तक त्योहार खत्म हो चुका होता है और खराब मिठाइयाँ लोगों के पेट में पच चुकी होती हैं! फिर इस जाँच का क्या मतलब है?

जनता की सेहत के साथ 'लाइसेंस्ड' छेड़छाड़!

दिवाली के दौरान लोग मावा, काजू, घारी और कई तरह के फरसाण खाते हैं। ऐसे समय में मिलावटी मावा और केमिकल रंगों का इस्तेमाल करके अनगिनत लोगों के इम्यून सिस्टम और डाइजेस्टिव सिस्टम के साथ छेड़छाड़ की जाती है। लेकिन AMC के अधिकारी सिर्फ़ कैमरे के सामने पोज़ देकर, चार टीमों की फ़ोटो खींचकर अपनी ज़िम्मेदारी से हाथ खड़े कर लेते हैं। अगर पूरे साल सरप्राइज़ चेकिंग की गई होती और मिलावटी व्यापारियों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की गई होती, तो आज दिवाली के समय जनता को ज़हरीला और नकली मावा नहीं खाना पड़ता।

महानगर मेट्रो' का सीधा और बेशर्म सवाल

'महानगर मेट्रो न्यूज़' इस गंभीर मुद्दे पर AMC के बड़े अधिकारियों और हुक्मरानों से सीधे बड़े सवाल पूछता है

1. फ़ूड सेफ्टी ऑफ़िसर पूरे साल कहाँ गायब रहते हैं? क्या अहमदाबाद के लोग आम दिनों में भी मिलावटी खाना खाएं तो प्रशासन को कोई दिक्कत नहीं होती?

2. दिवाली के ठीक समय पर निकलने वाली इन चार टीमों पर 'किश्तों में उगाही' के जो आरोप लग रहे हैं, उस पर कॉर्पोरेशन क्या सफ़ाई देगा?



3. जिन व्यापारियों के सैंपल फ़ेल हो रहे हैं, उनके नाम क्यों नहीं बताए जा रहे और सोसाइटियों में क्यों नहीं बताए जा रहे?

त्योहारों के नाम पर यह ड्रामा और एडमिनिस्ट्रेटिव गड़बड़ बंद होनी चाहिए। समय की मांग है कि एक परमानेंट सिस्टम बनाया जाए ताकि लोगों को पूरे साल शुद्ध और असली खाना मिले!

त्योहारों पर ही क्यों जागता है एएमसी का फूड विभाग?

अहमदाबाद दिवाली नजदीक आते ही अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (एएमसी) का फूड विभाग सक्रिय हो गया है। मिठाई और फरसाण की दुकानों पर जांच के लिए चार जोनल टीमें गठित कर सैंपल लिए जा रहे हैं। हालांकि, इस कार्रवाई ने विभाग की सालभर की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। व्यापारियों और नागरिकों के बीच कथित उगाही को लेकर चर्चाओं के बीच सवाल उठ रहा है कि खाद्य सुरक्षा की जांच केवल त्योहारों तक सीमित क्यों रहती है? सैंपल की रिपोर्ट देर से आने और मिलावट के मामलों में कार्रवाई की पारदर्शिता को लेकर भी जवाबदेही तय करने की मांग उठ रही है। जरूरत है कि त्योहारों के साथ पूरे साल नियमित जांच हो, दोषियों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए और जनता को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए स्थायी व्यवस्था बनाई जाए।

AMC की बुक्स से तेरह साल पुरानी सोसाइटी का 'मैप' गायब! अबजीबापा लेक सोसाइटी के लेआउट प्लान और रिकॉर्ड गायब होने पर विवाद, दोनों गेट पर गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन के गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एडमिनिस्ट्रेशन की गंभीर लापरवाही और करप्शन का एक और खुलासा पूर्वी इलाके से हुआ है। वस्त्राल इलाके से एक बहुत ही चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जो शहर के डेवलपमेंट और टाउन प्लानिंग के दावों की पोल खोलती है। वस्त्राल में करीब 13 साल पहले मौजूद 'अबजीबापा लेक सोसाइटी' का ओरिजिनल लेआउट प्लान और ज़मीन के डॉक्यूमेंट का रिकॉर्ड AMC की अपनी बुक्स से गायब होने की खबर ने बहुत बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया है! सोसाइटी बन गई है, घर बन गए हैं और लोग सालों से उसमें रह रहे हैं, लेकिन सरकारी डॉक्यूमेंट्स में सोसाइटी का मैप न होना एडमिनिस्ट्रेशन की लापरवाही को सामने लाता है। 13 साल पुरानी सोसाइटी और AMC के रिकॉर्ड में 'गलतियां' मिली जानकारी के मुताबिक, वस्त्राल इलाके में अज्जीबापा लेक सोसाइटी को बने हुए करीब 13 साल का लंबा समय बीत चुका है। आमतौर पर जब कोई सोसाइटी या कॉम्प्लेक्स बनता है, तो उसका लेआउट प्लान, पार्किंग की जगह, सड़क की चौड़ाई और एंट्रेंस गेट के नक्शे AMC से मंज़ूर करवाए जाते हैं और इसकी फाइलें नगर निगम के रिकॉर्ड में हमेशा के लिए सुरक्षित रहती हैं। लेकिन जब इस सोसाइटी के बारे में अधिकारियों या नागरिकों ने रिकॉर्ड चेक किए, तो चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई कि इस सोसाइटी का असली लेआउट प्लान और रिकॉर्ड AMC के एस्टेट और TP डिपार्टमेंट के ऑफिस में मौजूद ही नहीं हैं! इस बात का पक्का शक है कि नक्शा गायब होने की इस घटना के पीछे कोई बड़ा घोटाला या भ्रष्टाचार शामिल है। रिकॉर्ड और नक्शे गायब होने का फायदा उठाकर, आरोप है कि सोसाइटी के कुछ हिस्सों में या उसके आसपास बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी गतिविधियां फल-फूल रही हैं। लोकल लेवल से मिली जानकारी के मुताबिक, नियमों के खिलाफ जाकर सोसायटी के दोनों मेन एंट्रेंस (गेट) पर गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को गिराया गया है। अगर AMC में मैप ही अवेलेबल नहीं है, तो ये कंस्ट्रक्शन किस बेसिस पर हुए और एस्टेट डिपार्टमेंट आज तक बिना परमिशन के चल रहे इन प्रेशर पर आंखें क्यों मूंदे हुए है, यह एक बड़ा सवाल है। क्या ये रिकॉर्ड जानबूझकर बिल्डरों और करप्ट अधिकारियों की मिलीभगत से गायब किए गए हैं? ऐसे सवाल अब लोकल अवेयर नागरिक पूछ रहे हैं।

बापूनगर में दुकानों के ताले तोड़कर लाखों का माल और नकदी चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। त्योहारों का मौसम नजदीक आते ही जहां व्यापारी बेहतर कारोबार की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं अहमदाबाद के पूर्वी इलाकों में चोरी की घटनाओं ने व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। बापूनगर क्षेत्र में चोरों ने अन्नपूर्णा सोसायटी और उसके आसपास की सोसायटियों की मुख्य सड़कों पर स्थित दुकानों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये का सामान और नकदी चोरी कर ली। देर रात हुई इन वारदातों के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय व्यापारियों में घटना को लेकर भारी नाराजगी है और वे पुलिस की रात्रि गश्त तथा सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, चोरों ने देर रात अन्नपूर्णा सोसायटी और उसके आसपास के व्यावसायिक क्षेत्र में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने दुकानों के शटर तोड़कर या भीतर घुसकर वहां रखा नकदी और कीमती सामान समेट लिया। इसके बाद वे रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। सुबह जब दुकानदार अपनी-अपनी दुकानों पर पहुंचे, तो कई दुकानों के शटर के ताले टूटे हुए मिले। अंदर सामान बिखरा देखकर व्यापारियों को चोरी का पता चला। घटना सामने आते ही प्रभावित दुकानदारों और आसपास के व्यापारियों में चिंता के साथ गुस्सा भी फैल गया। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारों के दौरान बाजारों में कारोबार बढ़ने की उम्मीद रहती है। ऐसे समय में दुकानों की सुरक्षा को लेकर इस तरह की घटनाएं सामने आना व्यापारियों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। दुकानदारों को अब अपने प्रतिष्ठानों में रखे सामान और नकदी की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ रही है। प्रभावित व्यापारियों के मुताबिक, चोर दुकानों में रखा कीमती सामान और नकदी लेकर फरार हुए हैं। चोरी से हुए नुकसान को लेकर व्यापारियों में नाराजगी है। उनका कहना है कि बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रहनी चाहिए, ताकि दुकानदार बिना किसी भय के अपना कारोबार कर सकें। विशेष रूप से रात के समय दुकानों और बाजारों की सुरक्षा के लिए पुलिस की नियमित गश्त जरूरी है। व्यापारियों का आरोप है कि त्योहारों के दौरान भी रात की पुलिस गश्त प्रभावी ढंग से दिखाई नहीं दे रही है। उनका मानना है .

अहमदाबाद में बड़ी कार्रवाई: रामोल-CTM एक्सप्रेस हाईवे पर हथियार सप्लायर गिरफ्तार, 2 देसी पिस्तौल और जिंदा कारतूस जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पूर्वी इलाके में क्राइम को कंट्रोल करने के लिए पुलिस लगातार एक्टिव है, वहीं रामोल पुलिस स्टेशन की टीम ने एक टिप-ऑफ के आधार पर एक बहुत ही सनसनीखेज और खतरनाक रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक ऐसे युवक को पकड़ा है जो हथियार सप्लायर है और फिल्मी अंदाज में रामोल से CTM एक्सप्रेस हाईवे पर संदिग्ध तरीके से गुजर रहा था। उसके पास से इतनी बड़ी मात्रा में खतरनाक हथियार मिलने के बाद पूरी पुलिस फोर्स में अफरा-तफरी मच गई है।मिली जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में पता चला कि वह महाराष्ट्र के नासिक से गैर-कानूनी हथियारों की तस्करी करने अहमदाबाद आया था। रामोल पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जाकिरबेग मिर्जा (नासिक का रहने वाला) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके सामान और बैग की तलाशी लेने पर उसके पास से 2 देसी पिस्तौल और 2 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इंटरस्टेट हथियार सिंडिकेट का भंडाफोड़: भुज और नासिक से जुड़े तार पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि इस मामले में एक बड़ा इंटरस्टेट नेटवर्क काम कर रहा है। ये खतरनाक हथियार किसके लिए ऑर्डर किए गए थे और इनका इस्तेमाल कहां होना था, इस बारे में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं हथियार किसने ऑर्डर किए?: पुलिस जांच में पता चला कि कच्छ के भुज के रहने वाले साजिद नोड नाम के एक आदमी ने ये हथियार ऑर्डर किए थे।हथियार किसने सप्लाई किए?: ये हथियार नासिक के रहने वाले उबैद अंसारी ने ज़ाकिरबेग मिर्ज़ा को सप्लाई किए थे, जो इन हथियारों को गुजरात पहुंचाने जा रहा था। रामोल पुलिस ने मामले की गहराई से जांच शुरू कर दी है और गिरफ्तार हथियार सप्लायर के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस यह पता लगाने के लिए पूरी जांच कर रही है कि क्या हथियार किसी बड़े गैंग या एंटी-सोशल एलिमेंट को डिलीवर किए जाने थे, और इस सिंडिकेट से और कौन जुड़ा है। भुज के साजिद नोड और नासिक के उबैत अंसारी को पकड़ने के लिए अलग-अलग पुलिस टीमें लगाई गई हैं।

SOG ने अंगड़िया फर्म को लूटने की इंटरस्टेट साजिश को नाकाम किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। त्योहारों के मौसम के बीच सौराष्ट्र की राजधानी राजकोट से एक बहुत ही चौंकाने वाली और सनसनीखेज घटना सामने आई है। राजकोट शहर को दहलाने और करोड़ों रुपये की अंगड़िया फर्मों को निशाना बनाने की कुख्यात इंटरस्टेट लुटेरे गैंग की खतरनाक योजना को राजकोट क्राइम ब्रांच और SOG टीम ने कमाल की पैनी नज़र से नाकाम कर दिया है। पुलिस की समय पर और तेज़ कार्रवाई की वजह से एक बड़ी मुसीबत टल गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, राजकोट SOG टीम को जानकारी मिली थी कि राज्य के बाहर के कुख्यात अपराधियों का एक गैंग लंबे समय से सौराष्ट्र में अंगड़िया फर्मों और करोड़ों का गबन करने वाले सोने-चांदी के व्यापारियों को लूटने की फिराक में है। इस जानकारी के आधार पर एक्टिव हुई पुलिस ने कुवाडवा के पास वांकानेर चौकड़ी के पास फिल्मी स्टाइल में पहरा लगाया और संदिग्ध हालत में गुजर रही एक XUV कार को घेर लिया और पांच खतरनाक लोगों को पकड़ने में बड़ी कामयाबी हासिल की। हालांकि, इस गैंग का एक मुख्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहा, जिसकी तलाश अभी जोरों पर चल रही है गिरफ्तार आरोपियों की शारीरिक हालत और उनकी XUV कार की तलाशी देखकर पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। कार से लूटपाट में इस्तेमाल किए गए भारी मात्रा में जानलेवा हथियार बरामद हुए, जिनमें शामिल हैं बड़ी मात्रा में कैश और जुर्म में इस्तेमाल की गई एक कीमती XUV कार जब्त की गई है। उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र के अपराधियों का हताश सिंडिकेट पुलिस जांच में पता चला है कि यह कोई आम चोरों का गैंग नहीं था, बल्कि उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र जैसे अलग-अलग राज्यों के आदतन अपराधियों का एक इंटर-स्टेट ऑर्गनाइज्ड सिंडिकेट था। ये सभी आरोपी लंबे समय से राजकोट समेत पूरे सौराष्ट्र इलाके के अंगड़िया परिवारों की गहन रेकी कर रहे थे और किस समय कितना कैश ट्रांजेक्शन हुआ, इसकी पूरी जानकारी हासिल कर ली थी।

BJP की भीड़ जुटाने की चाल: पैसे देने के बाद भी लोग नहीं हटे, अब गरीबों और नर्सिंग स्टूडेंट्स को लालच और लालच देकर फंसाया जा रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राज्य में जिस तरह से पॉलिटिकल इक्वेशन बदल रहे हैं, उससे यह साफ हो गया है कि सत्ता के नशे में चूर BJP की ज़मीन अब खिसकने लगी है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि BJP नेताओं को अब पब्लिक मीटिंग और रैलियों में भीड़ जुटाने के लिए बड़े पैमाने पर झूठ का सहारा लेना पड़ रहा है। एक समय था जब सत्ताधारी पार्टी की रैलियों में हंगामा होता था, लेकिन आज हालत यह है कि रैलियों में जाने के लिए पैसे देने के बावजूद आम जनता या नागरिक BJP के मंच पर कदम रखने को बिल्कुल तैयार नहीं हैं। हालात इतने खराब हो गए हैं कि जो पार्टी हमेशा अपनी ताकत का दावा करती थी, वह आज अपने बेसिक नेटवर्क पर निर्भर हो गई है। मौजूदा हालात को देखकर ऐसा लगता है कि अब पार्टी के आम कार्यकर्ता, पेज प्रेसिडेंट और पदाधिकारी भी पब्लिक में ऐसी खाली और शर्मनाक रैलियों में जाने में शर्म महसूस करने लगे हैं। पार्टी के अंदर से ही विरोध और नाराज़गी की आवाज़ें उठने लगी हैं। जब पब्लिक ने सबके सामने मुँह मोड़ लिया, तो गंभीर आरोप लग रहे हैं कि भीड़ दिखाने के लिए सिस्टम और नेताओं ने नया खेल खेला। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रैली में संख्या दिखाने के लिए गरीब परिवारों को घर देने या सरकारी स्कीमों का फ़ायदा देने का लालच दिया गया। इतना ही नहीं, इस बात की चर्चा भी ज़ोर पकड़ चुकी है कि भोले-भाले और मजबूर नर्सिंग स्टूडेंट्स को भी इस पॉलिटिकल खेल में घसीटा गया। वाल उठता है कि इन मासूम नर्सिंग स्टूडेंट्स को रैली में आने के लिए



मजबूर करने के लिए किस तरह के वादे या लॉलीपॉप दिए गए? अगर इन नर्सिंग कॉलेजों की इंटरनल जांच की जाए, तो यह साफ़ हो जाएगा कि इनके कुछ एडमिनिस्ट्रेटर या इंस्टीट्यूशन सीधे या इनडायरेक्टली BJP से जुड़े ताकतवर लोगों से जुड़े हुए हैं, जो अपने पॉलिटिकल आकाओं को खुश करने के लिए स्टूडेंट्स के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

जुहापुरा में तलवार से हमला: वेजलपुर पुलिस ने चार आरोपियों को आँख मारकर गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पश्चिमी इलाके में स्थित जुहापुरा में असामाजिक तत्वों का उत्पात दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। जुहापुरा में नॉवेल्टी पान पार्लर के पास एक युवक पर धारदार तलवार से जानलेवा हमला किया गया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी और डर का माहौल है। घटना की गंभीरता को देखते हुए, वेजलपुर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए गहन जांच के बाद हमले में शामिल सभी चार आरोपियों को



गिरफ्तार कर लिया है और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, जुहापुरा इलाके में मशहूर नॉवेल्टी पान पार्लर के पास चार असामाजिक लोगों ने मामूली बात या पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर तलवार जैसे जानलेवा हथियार से हमला किया था। युवक को पब्लिक रोड पर तलवार से मारकर खून से लथपथ कर दिया गया, जिससे इलाके के लोगों और व्यापारियों में दहशत फैल गई। घटना की खबर मिलते ही वेजलपुर पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने हमलावरों का पीछा किया और CCTV फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर इस घिनौने हमले में शामिल सभी चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

राजकोट कपल की मौत के मामले में सनसनीखेज खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूर

राजकोट। सौराष्ट्र की राजधानी राजकोट शहर में सूदखोरी की बुराई ने एक और हंसते-खेलते परिवार का घोंसला तोड़ दिया है। राजकोट में हाल ही में एक कपल की आत्महत्या/मौत की दुखद घटना में सूदखोरों की राक्षसी और अमानवीय यातना का ऐसा सनसनीखेज खुलासा हुआ है, जिसे सुनकर किसी भी समझदार नागरिक के रोंगटे खड़े हो जाएंगे। पैसे की मजबूरी का फायदा उठाकर कपल से कंपाउंड इंटरेस्ट से भी ज़्यादा भारी ब्याज लिया जा रहा था, जिसकी वजह से कपल को आखिरकार अपनी ज़िंदगी की हसरतें पूरी करनी पड़ीं 'पाको गुजरात' को मिली सच्ची और चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, मरने वाले जोड़े ने बिजनेस या अपनी ज़रूरतों के लिए लोकल साहूकारों से कुछ पैसे उधार लिए थे। लेकिन साहूकारों ने उनकी मजबूरी का फायदा उठाया और पैसे के शोषण की सारी हदें पार कर दीं। इस मामले में जो खुलासे हुए हैं, उनके मुताबिक साहूकार जोड़े से हर दिन 42,000 रुपये का बेहिसाब ब्याज वसूल रहे थे! जैसे कि यह इतना कम था कि अगर इस रोज़ के 42,000 रुपये के ब्याज को चुकाने में एक दिन की भी देर हो जाती या पेमेंट नहीं हो पाता, तो अगले ही दिन से ब्याज की दर बढ़ाकर 70,000 रुपये प्रतिदिन कर दी जाती थी! इस अमानवीय और दिमागी तौर पर नुकसान पहुंचाने वाले ब्याज के चक्कर में फंसा जोड़ा पैसे और दिमागी तौर पर पूरी तरह बर्बाद हो गया। साहूकार इतना ज़्यादा ब्याज वसूलने से नहीं रुके। साहूकारों का रोज़ का काम बन गया था कि वे रोज़ उनके घर या दुकान पर आकर गाली-गलौज करते, जान से मारने की धमकी देते और समाज में बेइज्जत करते। भले ही उन्होंने ब्याज के तौर पर असली रकम से कई गुना ज़्यादा पैसे दे दिए थे, फिर भी साहूकारों का जुर्माना और रोज़ का ब्याज कम नहीं हो रहा था। आत्महत्या के लिए उकसाने जैसी सख्त धाराओं में मामला दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है।

स्टॉक मार्केट में ज़्यादा रिटर्न के नाम पर अहमदाबाद में बड़ा स्कैम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में आम और भोले-भाले इन्वेस्टर्स की मेहनत की कमाई को लूटने वाले इंटरस्टेट और ठग गैंग पर इकोनॉमिक ऑफेंस प्रिवेंशन विंग और क्राइम ब्रांच ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। ने उन बदनाम स्कैमर्स को गिरफ्तार किया है जिन्होंने स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करने और जल्द ही बड़ा रिटर्न देने का बड़ा वादा करके करीब 100 इन्वेस्टर्स से करोड़ों रुपये ठगे थे। इस खुलासे से फाइनेंस और स्टॉक मार्केट के नाम पर ठगी करने वालों में काफी हंगामा मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने 'डिसिप्लिन T&T वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड' नाम से एक फर्जी कंपनी बनाई थी। इस कंपनी के ज़रिए लोगों को लालच दिया गया कि अगर वे शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करेंगे, तो सिर्फ़ दो साल में उनका पैसा तीन गुना हो जाएगा। इतना ही नहीं, इन्वेस्टर्स को अट्रैक्ट करने के लिए 2 से 2.5 परसेंट का आकर्षक मंथली रिटर्न देने का भी वादा किया गया था। इन लुभावने वादों में आकर, करीब 100 इन्वेस्टर्स ने अपनी ज़िंदगी भर की बचत इन जालसाज़ों के अकाउंट में जमा कर दी और कुल 1.27 करोड़ रुपये ज़ब्त कर लिए गए। इस मामले में 'डिसिप्लिन T&T वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड' के मैनेजर विराट परमार, अलकेशपुरी गोस्वामी, भार्गव पंड्या और धर्मेश चौहान के ख़िलाफ़ लीगल क्रिमिनल कंप्लेंट दर्ज की गई थी। जांच तेज़ करते हुए अहमदाबाद EOW क्राइम ब्रांच टीम ने भार्गव पंड्या और अलकेशपुरी गोस्वामी को गिरफ्तार कर लिया है, जो इस क्राइम के मुख्य मास्टरमाइंड हैं। दूसरे फरार आरोपियों को भी पकड़ने की कोशिशें शुरू कर दी गई हैं। फ्रॉड का असली काला निशानः 6 कंपनियाँ, 235 बैंक अकाउंट और एक पूर्व एयर फ़ोर्स कर्मचारी! पुलिस की जांच में इस फ्रॉड नेटवर्क को देखकर जांच अधिकारी भी हैरान रह गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ गांधीनगर के अडालज पुलिस स्टेशन में 3 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की ऐसी ही शिकायत दर्ज है।



LCB ने उपलेटा बॉर्डर पर अरंडी के खेत में जुए के अड्डे पर छापा मारा: 6 गिरफ्तार, 3 फरार, 1.03 लाख रुपये जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट रेंज के IG निर्लिप्ता राय और राजकोट ग्रामीण जिले के पुलिस अधीक्षक विजय सिंह गुर्जर ने शराब और जुए की गतिविधियों का पता लगाने और ऐसी अवैध गतिविधियों को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश और मार्गदर्शन दिए हैं, जिसके तहत राजकोट ग्रामीण लोकल क्राइम ब्रांच टीम को एक बड़ी सफलता मिली है। L.C.B. जब ब्रांच स्टाफ गश्त पर था, तब निजी सूचना के आधार पर उपलेटा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में उपलेटा पाटनवाव रोड, धोरावली पीपल सीम के इलाके में उपलेटा विजडी रोड के विमलभाई राजाभाई कनारा और मयूरभाई मुंजाभाई भराई की जमीन पर अरंडी की फसल की आड़ में खेत के बीच में छापा मारा गया। वहां बाहर से लोगों को बुलाकर तीन पत्ती का जुआ खेला जा रहा था, और बिजली, पानी और जुए के सामान का इंतजाम किया गया था। पुलिस ने मौके पर छापा मारा, उपलेटा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया और आगे की कानूनी कार्रवाई की इस छापे के दौरान, पुलिस ने मौके से कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें (1) विमलभाई राजाभाई कनारा (निवासी उपलेटा विजडी रोड, ता. उपलेटा, जिला राजकोट), (2) रविभाई परबतभाई सुवा (निवासी उपलेटा स्वामीनारायण सोसाइटी, जिला राजकोट), (3) जतिनभाई रसिकभाई वाघेला (निवासी छड़वावदार गांव, ता. धोराजी, जिला राजकोट), (4) मुकेशभाई भोपाभाई कथेचिया (निवासी कोलकी शांतिनगर, ता. उपलेटा, जिला राजकोट), (5) वलीमामद उर्फ लालो जीसाभाई थेबा (निवासी उपलेटा कुंभारवाड़ा क्षेत्र, जिला राजकोट) और (6) मयूरभाई मुंजाभाई भराई (निवासी



उपलेटा अश्विन टोकिज, जिला राजकोट) शामिल हैं। इसके अलावा छापे के दौरान भागने वाले आरोपियों में (1) अजीतभाई अहीर (नि. हड़मतिया गाँव), (2) अफजलभाई कादरी (नि. उपलेटा) और (3) आवेशभाई मेमन (नि. उपलेटा) शामिल हैं, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मौके से कुल 1,03,000/- रुपये मूल्य का कीमती सामान जब्त किया है, जिसमें 38,000/- रुपये नकद, 00/- रुपये मूल्य का बैंक कार्ड नंबर-52 और 65,000/- रुपये के 5 मोबाइल फोन शामिल हैं। एलसीबी पीआई जे.पी. राव और पीएसआई के.एम. चावड़ा, एच.सी. गोहिल, आर.वी. भीमानी, पी.एन. भरवाड़ और एएसआई बालकृष्णभाई त्रिवेदी, मेहुलभाई सुवा, और हैंड.कॉन्स नीलेशभाई डांगर, अरविंदसिंह जडेजा, कौशिकभाई जोशी, शक्तिसिंह जडेजा और डॉ. अब्दुलभाई शेख ने इस ऑपरेशन में भाग लिया।

अहमदाबाद में साइबर फ्रॉड का एक बहुत ही चौंकाने वाला मामला: 86 साल के रिटायर्ड प्रिंसिपल बिना OTP के 10.77 लाख रुपये की ठगी का शिकार हो गए!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में साइबर फ्रॉड का नया और खतरनाक तरीका सामने आ रहा है, जिसमें अब बड़े-बुजुर्ग और सीनियर सिटिज़न भी साइबर क्रिमिनल्स के जाल में फंस रहे हैं। अहमदाबाद से साइबर फ्रॉड का ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक 86 साल के बुजुर्ग और रिटायर्ड प्रिंसिपल बहुत ही मॉडर्न तरीके से साइबर फ्रॉड का शिकार हो गए हैं। चालाक जालसाज़ों ने एक संदिग्ध APK फ़ाइल डाउनलोड करके उनके मोबाइल का रिमोट एक्सेस हासिल कर लिया था और बिना एक भी OTP के उनके बैंक अकाउंट से कई चरणों में 10.77 लाख रुपये निकाल लिए थे। मिली जानकारी के मुताबिक, साइबर जालसाज़ों ने एक 86 साल के रिटायर्ड प्रिंसिपल को टारगेट किया और उनसे फ़ोन या मैसेज के ज़रिए संपर्क किया। साइबर क्रिमिनल्स ने उन्हें किसी सरकारी या बैंक से जुड़ी रिश्वत या कस्टमर सर्विस के नाम पर एक संदिग्ध मोबाइल एप्लीकेशन यानी APK फाइल डाउनलोड करने के लिए झांसा दिया। जैसे ही बुजुर्ग ने अपने स्मार्टफोन में एक अनजान लिंक से यह APK फाइल डाउनलोड की, साइबर फ्रॉड करने वालों ने तुरंत उनके फोन का रिमोट कंट्रोल हासिल कर लिया। इस रिमोट एक्सेस के ज़रिए, फ्रॉड करने वालों ने बुजुर्ग के मोबाइल की सभी प्राइवेसी और बैंकिंग एप्लीकेशन को कंट्रोल कर लिया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ऑनलाइन ट्रांज़ैक्शन के लिए आमतौर पर ज़रूरी वन-टाइम पासवर्ड की ज़रूरत के बिना ही, फ्रॉड करने वालों ने बैंक अकाउंट से कई चरणों में 10.77 लाख रुपये की बड़ी रकम ट्रांसफर कर ली। जब रिटायर्ड प्रिंसिपल को पता चला कि उनके अकाउंट से पैसे निकल गए हैं, तो उनके पैरों तले से ज़मीन खिसक गई। उन्होंने तुरंत इस बारे में अहमदाबाद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में ऑफिशियल कंप्लेंट दर्ज कराई।

कलर डाई और केमिकल ट्रेडर्स को चूना लगाने वाला मोहित साहनी अहमदाबाद EOW के हत्थे चढ़ा!

अहमदाबाद में करोड़ों का बड़ा फ्रॉड:

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के बिजनेस कम्युनिटी को चूना लगाने वाले इंटरस्टेट ठगों और बदनाम माफियाओं के खिलाफ इकोनॉमिक ऑफेंसेज प्रिवेंशन विंगने बहुत सख्त एक्शन लिया है। कलर डाई और केमिकल के बड़े ट्रेडर्स को चूना लगाने के मामले में लंबे समय से वांटेड राजस्थान के जयपुर का मुख्य आरोपी आखिरकार EOW टीम ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। इस बदनाम ठग की गिरफ्तारी से गुजरात और दूसरे राज्यों के कई ट्रेडर्स की आंखें खुल गई हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद शहर के EOW (इकोनॉमिक ऑफेंसेज विंग) पुलिस स्टेशन में कलर डाई और केमिकल के ट्रेड से जुड़े ट्रेडर्स के साथ 22.25 लाख रुपये की धोखाधड़ी और धोखे का ऑफिशियल केस दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर क्राइम



ब्रांच और EOW की स्पेशल टीमों ने काम करना शुरू किया और जयपुर के रहने वाले मोहित साहनी नाम के एक शख्स को पकड़ने में बड़ी कामयाबी हासिल की। धोखाधड़ी का नेटवर्क जयपुर से वापी और अहमदाबाद तक फैला था पुलिस जांच में जो बातें सामने आईं, वे वाकई चौंकाने वाली हैं। गिरफ्तार आरोपी मोहित साहनी जयपुर में 'इकोलॉजिकल केमिकल इंडस्ट्रीज' नाम की कंपनी चला रहा था और इसकी आड़ में वह देश भर के केमिकल व्यापारियों से माल खरीदता था और लाखों-करोड़ों रुपये चुकाए बिना दिवालिया हो गया। आरोपी का बहुत लंबा क्रिमिनल इतिहास है यह आरोपी पिछले 2 साल से केमिकल और डाई कंपनियों के नाम पर गैर-कानूनी धंधा और धोखाधड़ी का नेटवर्क चला रहा था। इससे पहले उसने गुजरात के वापी में एक केमिकल कंपनी खोली थी, जहां से उसने व्यापारियों से करोड़ों रुपये की ठगी की और रातों-रात कंपनी बंद करके फरार हो गया। वापी के बाद उसने अपना रास्ता बदला और अहमदाबाद के नारोल इलाके में एक गोदाम खोला और वहां भी उसने कई व्यापारियों से भरोसे पर माल लिया। धोखाधड़ी का कुल आंकड़ा सोशल और फाइनेंशियल सर्कल में चर्चा का विषय है: आंकड़ा 16 करोड़ तक पहुंच गया है! पुलिस की शुरुआती और गहरी जांच में पता चला है कि मोहित साहनी कोई आम क्रिमिनल नहीं, बल्कि एक प्रोफेशनल ठग है। इससे पहले भी उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में 4.50 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के केस दर्ज हो चुके हैं।

पंचवटी-गोरवा इलाके में नर्मदा नहर में कूदकर युवक ने की आत्महत्या की कोशिश, जनकपुरी सोसायटी के मोहन सिंह ने अज्ञात कारणों से दोपहर 1:30 बजे नहर में छलांग लगाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर के गोरवा इलाके से गुज़रने वाली नर्मदा नहर से एक बहुत ही दिल दहला देने वाली और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। शहर के पंचवटी-गोरवा इलाके में एक युवक ने अज्ञात कारणों से नर्मदा नहर के गहरे पानी में कूदकर आत्महत्या करने की गंभीर कोशिश की है। रात के करीब हुई इस घटना से पूरे इलाके में भारी हंगामा मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, गोरवा इलाके की जानी-मानी जनकपुरी सोसायटी के रहने वाले मोहन सिंह नाम के एक व्यक्ति ने रात करीब 11:30 बजे पंचवटी-गोरवा से गुज़रने वाली नर्मदा नहर के किनारे पहुंचकर अचानक किसी अज्ञात और दिमागी तौर पर उलझे हुए कारण से नहर के तेज़ पानी में छलांग लगा दी। रात के सन्नाटे में नहर में गिरने की आवाज़ सुनकर आस-पास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन मोहन सिंह पानी के बहाव में डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही आस-पास के लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही वडोदरा फायर ब्रिगेड की रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंची और रात के अंधेरे में नहर के पानी में युवक को ढूंढने के लिए जंगी ऑपरेशन शुरू कर दिया। फायरफाइटर्स ने नावों और स्पेशल लाइटों की मदद से नहर के नीचे युवक को ढूंढने की कोशिशें तेज़ कर दी हैं, लेकिन खबर लिखे जाने तक युवक नहीं मिला है और



तलाश अभी भी ज़ोरों पर है। इस हादसे के बाद जनकपुरी सोसायटी और गोरवा इलाके में बहुत दुख और शोक है।

सोया हुआ सिस्टम 100 घंटे में चालू हो गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। जनता के मुद्दों को पब्लिक में उठाने और कुंभकर्ण की नींद सो रहे सरकारी सिस्टम को जगाने वाली 'महानगर मेट्रो न्यूज़' की तीखी रिपोर्ट ने ज़बरदस्त जीत हासिल की है। डभोई तालुका में पार्टिकुई से वेगा तक की बहुत बिज़ी और ज़रूरी सड़क पर सिस्टम द्वारा की गई गंभीर लापरवाही के खिलाफ की रिपोर्ट ने सोए हुए रोड और बिल्डिंग डिपार्टमेंट को जगा दिया है। रिपोर्ट के तीखे रिस्पॉन्स की वजह से सिर्फ़ 100 घंटे के अंदर सड़क पर 'सफ़ेद पट्टियां' (रोड मार्किंग) लगाने का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। दुनिया भर में मशहूर 'स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी' तक जाने वाली इस मेन सड़क का रेनोवेशन हाल ही में पूरा हुआ। साफ़-सुथरी डामर की सड़क तो बन गई, लेकिन सड़क और बिल्डिंग डिपार्टमेंट के ज़िम्मेदार अधिकारी रात में गाड़ी चलाने वालों की सुरक्षा के लिए बहुत ज़रूरी सफ़ेद पट्टियों को पूरी तरह भूल गए! रात के घने अंधेरे और कोहरे में मोड़ न देख पाने की वजह से हर दिन हज़ारों गाड़ी चलाने वालों और टूरिस्ट की जान खतरे में पड़ रही थी। हादसों का बड़ा खतरा लगातार मंडरा रहा था। लोगों की इस गंभीर समस्या और प्रशासन की लापरवाही को ने प्राथमिकता के आधार पर पेश किया। रिपोर्ट छपते ही गांधीनगर से लोकल डिपार्टमेंट के बड़े अधिकारियों में हड़बड़ी मच गई। 4 दिन (100 घंटे) के अंदर, प्रशासन ने तुरंत मॉडर्न मशीनरी और मज़दूरों का एक बेड़ा साइट पर भेज दिया और रोड मार्किंग का काम ज़ोरों पर शुरू कर दिया। यह काम शुरू होने से लोकल लोगों और गाड़ी चलाने वालों में बहुत राहत



और खुशी है, लेकिन साथ ही, जनता के बीच एक बड़ा और कड़वा सवाल भी खड़ा हो गया है: क्या सरकारी अधिकारी जनता की समस्याओं को अपनी आँखों से नहीं देख सकते? सिस्टम तभी क्यों जागता है जब किसी बेगुनाह की जान चली जाती है या मीडिया में कोई रिपोर्ट आती है?

खेड़ा के ठासरा में सरपंच की ज़ुल्मत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। खेड़ा ज़िले के ठासरा तालुका के ओजराला गांव में एक बहुत ही सनसनीखेज और शर्मनाक घटना सामने आई है, जिसने कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी है। गांव की पंचायत के सरपंच और उसके साथियों ने तालिबानी सोच दिखाते हुए गांव में खेती की फसलों के सर्वे के सरकारी काम के लिए गए दो बेगुनाह सरकारी कर्मचारियों (सर्वे करने वालों) को बुरी तरह टॉर्चर किया है। गंभीर आरोप है कि सरकारी कर्मचारियों को पंचायत में ही रस्सियों से बांधकर गाली-गलौज और मारपीट की गई, जिससे पूरी पंचायत में भारी हंगामा हुआ। मिली जानकारी के मुताबिक, ओजराला के सरपंच जयदीप पटेल और सागर पटेल ने सरकारी ड्यूटी के तहत फसल सर्वे का काम पूरा करके लौट रहे कर्मचारियों को रोका और उनसे तीखी बहस की। इसके बाद, घमंडी हो चुके इन लोगों ने दोनों सरकारी कर्मचारियों को पकड़कर ग्राम पंचायत ऑफिस में बंधक बना लिया। वहां उन्हें रस्सियों से बांधकर बुरी तरह पीटा और गालियां दीं। इतना ही नहीं, कर्मचारियों के 24,000 रुपये के मोबाइल फोन भी छीन लिए और उन्हें सीवर में फेंककर तोड़ दिया। यह भी आरोप है कि हमलावरों ने सरकारी कर्मचारियों को साफ-साफ धमकी दी थी कि, 'अगर तुमने दोबारा इस गांव में कदम रखा तो जिंदा वापस नहीं जाओगे!' इस घटना के बाद सरकारी कर्मचारियों की सुरक्षा और कानून के राज पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। डरे हुए कर्मचारी तुरंत ठासरा पुलिस स्टेशन पहुंचे और सरपंच जयदीप पटेल और सागर पटेल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए कानूनी कार्रवाई कर रही है। ऑफिसर का बयान विक्रम सोलंकी 'ओजराला गांव में ड्यूटी पर गए सरकारी कर्मचारियों के साथ बदसलूकी, मारपीट और ड्यूटी में रुकावट डालने के मामले में ठासरा पुलिस स्टेशन में एक गंभीर शिकायत दर्ज की गई है। सरकारी कर्मचारियों पर इस तरह की बदमाशी या हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और जांच जारी है।'

सौराष्ट्र और कच्छ के किसानों के लिए CM भूपेंद्र पटेल का बड़ा ऐलान



महानगर मेट्रो ब्यूर

पोरबंदर. राज्य में इस साल देर से और कम बारिश के कारण पैदा हुए गंभीर हालात के बीच, गुजरात सरकार ने किसानों और पशुपालकों के हित में एक बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके राज्य के सौराष्ट्र और कच्छ ज़ोन के 4 ज़रूरी जिलों को ऑफिशियली 'सूखा प्रभावित' घोषित किया है। इस फैसले से पानी की कमी और फसल खराब होने का सामना कर रहे हज़ारों किसान परिवारों और पशुपालकों के परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी राज्य सरकार के सर्वे और बारिश की कमी को ध्यान में रखते हुए, इन 4 जिलों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है:सरकार द्वारा घोषित राहत और मदद जैसे ही जिलों को सूखाग्रस्त घोषित किया जाएगा, प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर राहत कार्य शुरू कर दिया जाएगा। सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुसार, प्रभावितों के लिए ये कदम उठाए जाएंगे फसल नुकसान का मुआवजाः खेती को हुए बड़े नुकसान के लिए प्रति हेक्टेयर एक तय रकम की मदद दी जाएगी। जानवरों के लिए चाराः पशुपालन के लिए 2 रुपये प्रति द्यद् की रियायती दर पर चारे का इंतज़ाम किया जाएगा और खास घास डिपो शुरू किए जाएंगे। पीने का पानीः नर्मदा नहरों और टैंकरों के ज़रिए गांवों में पीने के पानी की सीधी पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। रोज़गार और रेवेन्यू में राहत MGN-REGA के तहत ग्रामीण इलाकों में 150 दिन तक का एक्स्ट्रा रोज़गार दिया जाएगा, साथ ही बिजली के बिल और लैंड रेवेन्यू में भी खास राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा, 'इस मुश्किल समय में, राज्य सरकार किसानों और पशुपालन के साथ मजबूती से खड़ी है। किसी भी इलाके में पानी या चारे की कमी नहीं होने दी जाएगी। सरकार के इस फैसले का विपक्ष और किसान संगठनों ने स्वागत किया है, और उन्होंने यह भी मांग की है कि कम बारिश वाले दूसरे तालुकाओं को भी जल्द ही इस लिस्ट में जोड़ा जाए।

BJP सरकार के इशारे पर चल रही पुलिस तानाशाही के खिलाफ कांग्रेस का पुलिस भवन में हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। BJP सरकार की पॉलिटिकल बदले की कार्रवाई, दबाने वाली नीतियों और पुलिस सिस्टम के कथित गलत इस्तेमाल के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने राजधानी गांधीनगर के पुलिस भवन (मोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर, MLA जिग्नेश मेवाणी और विपक्षी पार्टी के दूसरे बड़े नेता और कार्यकर्ता इकट्ठा हुए और BJP सरकार के इशारे पर चल रही 'पुलिस तानाशाही' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। गांधीनगर के खोराज गांव में करोड़ों रुपये की ज़मीन के विवाद और अडालज पुलिस स्टेशन में दर्ज FIR को लेकर पॉलिटिक्स गरमा गई है। कांग्रेस के आरोपों के मुताबिक, इस मामले में राजनीतिक द्वेष और बड़े पुलिस अधिकारियों के इशारे पर कांग्रेस नेता जगदीश ठाकोर का नाम FIR में शामिल करके उन्हें बदनाम करने और किसानों के हक की आवाज़ को दबाने की कोशिश की जा रही है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर ने अधिकारियों पर जमकर निशाना साधा था और उन्हें सीधे चुनौती देते हुए कहा था, 'सत्ता के बल पर सच की आवाज़ दबाने की मानसिकता अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। BJP सरकार चाहे जितना भी दमन करे या गिरफ्तार करे, कांग्रेस अन्याय और तानाशाही के आगे न कभी झुकी है और न कभी झुकेगी! कांग्रेस नेताओं ने गंभीर आरोप लगाए थे कि लोगों की सुरक्षा के लिए बनाया गया पुलिस सिस्टम आज सत्ताधारी पार्टी का मोहरा बनकर काम कर रहा है और विपक्षी नेताओं और गरीब किसानों को धमका रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस और विरोध दर्शन में यह भी सनसनीखेज आरोप लगाए गए हैं कि इस मामले में गांधीनगर के सीनियर पुलिस अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है और 11 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। गांधीनगर पुलिस भवन पर इस ज़बरदस्त विरोध प्रदर्शन के बाद, कड़ी पुलिस सिक्योरिटी लगा दी गई।



लाइव ट्रैकिंग वाले कचरा संग्रहण वाहन और 4 नई इलेक्ट्रिक बसें शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। दीपावली से पहले सोमवार को जोधपुर शहर को स्वच्छता और सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में दो बड़ी सौगातें मिलीं। नगर निगम की ओर से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नए वाहन शुरू किए जा रहे हैं। इन वाहनों की खासियत यह होगी कि इनकी लाइव ट्रैकिंग की जा सकेगी। इसके साथ ही शहर में चार नई इलेक्ट्रिक बस सेवाओं की शुरुआत भी की गई है। इससे



स्वच्छता व्यवस्था को व्यवस्थित करने के साथ सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। सोमवार को महापौर प्रसन्नचंद मेहता, शहर विधायक अतुल भंसाली, उपमहापौर विजय सिंह पंवार और नगर निगम आयुक्त राहुल जैन ने चार नई इलेक्ट्रिक बस सेवाओं का शुभारंभ किया। ये बसें मंडोर से सांगरिया फाटा तक संचालित होंगी। इस मार्ग पर आने-जाने वाले यात्रियों को बस सेवा का लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से शहर में सार्वजनिक परिवहन की सुविधा का विस्तार होगा। नगर निगम की डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए नए वाहनों का संचालन किया जाएगा। महापौर प्रसन्नचंद मेहता ने बताया कि वार्डों की जनसंख्या और क्षेत्रफल के आधार पर वाहनों का आवंटन किया जाएगा, ताकि प्रत्येक क्षेत्र में जरूरत के अनुसार कचरा संग्रहण की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि पूरी व्यवस्था को मैपिंग प्रणाली के तहत विकसित किया गया है। इसके माध्यम से यह जानकारी मिल सकेगी कि कचरा संग्रहण वाहन किस क्षेत्र में पहुंचा, कितने घरों तक गया, कितने घरों से कचरा एकत्र किया और कुल कितना कचरा संग्रहित हुआ।

जयपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइटों के समय में बदलाव, मुंबई की उड़ान 2 घंटे देरी से होगी रवाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली एयर इंडिया और अकासा एयर की फ्लाइटों के समय में बदलाव किया गया है। एयर इंडिया की जयपुर से मुंबई जाने वाली फ्लाइट निर्धारित समय से करीब दो घंटे देरी से रवाना होगी। वहीं, अकासा एयर की जयपुर से बेंगलुरु जाने वाली फ्लाइट के प्रस्थान समय में भी बदलाव किया गया है। ऐसे में संबंधित उड़ानों से यात्रा करने वाले



यात्रियों के लिए नया शेड्यूल जानना जरूरी है। एयरपोर्ट से जारी शेड्यूल के अनुसार, एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या आईएक्स-1359 आज सुबह 11:15 बजे जयपुर से रवाना होगी। सामान्य दिनों में यह फ्लाइट सुबह 9:05 बजे उड़ान भरती है। लेकिन संचालन संबंधी कारणों के चलते आज इसके समय में बदलाव किया गया है। इसके कारण यात्रियों को निर्धारित समय से अधिक इंतजार करना पड़ सकता है। अकासा एयर की जयपुर-बेंगलुरु फ्लाइट के समय में भी बदलाव किया गया है। इस रूट पर विमान पहले बेंगलुरु से जयपुर पहुंचता है। फ्लाइट संख्या क्यूपी-1529 सुबह 10:50 बजे बेंगलुरु से जयपुर पहुंचती है। इसके बाद वापसी में फ्लाइट संख्या क्यूपी-1530 बनकर जयपुर से बेंगलुरु के लिए रवाना होती है। नए शेड्यूल के अनुसार, अकासा एयर की फ्लाइट संख्या क्यूपी-1530 कल से सुबह 11:30 बजे के बजाय दोपहर 12:10 बजे जयपुर से उड़ान भरेगी। यानी इसके प्रस्थान समय में 40 मिनट का बदलाव किया गया है। दोनों एयरलाइंस की उड़ानों के समय में बदलाव के चलते यात्रियों को एयरपोर्ट पहुंचने से पहले अपनी फ्लाइट का ताजा शेड्यूल जांच लेना चाहिए। खासकर मुंबई और बेंगलुरु जाने वाले यात्रियों को यात्रा की योजना नए समय के अनुसार बनानी चाहिए, ताकि एयरपोर्ट पर अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके।

कांग्रेस कार्यालय कूच करने निकले कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका

महानगर मेट्रो ब्यूर

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी के विरोध में सोमवार को जयपुर में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। भाजपा प्रदेश मुख्यालय से चौमूं हाउस सर्किल तक निकाले गए मार्च के दौरान कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शन में भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ युवा मोर्चा, महिला मोर्चा और एससी मोर्चा के कार्यकर्ता शामिल हुए।



भाजपा कार्यकर्ताओं ने खड़गे के बयान पर नाराजगी जताते हुए उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। भाजपा ने पहले कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने का ऐलान किया था, लेकिन पुलिस ने इसकी अनुमति नहीं दी। इसके बाद पार्टी की ओर से प्रदेश मुख्यालय से चौमूं हाउस सर्किल तक मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। सोमवार शाम करीब चार बजे महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय से कांग्रेस कार्यालय की ओर रवाना हुए। कार्यकर्ताओं का उद्देश्य कांग्रेस अध्यक्ष के बयान के विरोध में प्रदर्शन करना था। डुभाजपा कार्यकर्ताओं के कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़ने के दौरान पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग कर उन्हें चौमूं हाउस सर्किल पर रोक दिया। कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने की अनुमति नहीं मिलने के कारण प्रदर्शन का केंद्र चौमूं हाउस सर्किल बन गया। यहां भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना विरोध जताया। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को बैरिकेडिंग पार कर आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। प्रदर्शन के दौरान उस समय स्थिति और सक्रिय हो गई, जब युवा मोर्चा के कुछ कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़कर दूसरी तरफ जाने का प्रयास करने लगे। पुलिसकर्मियों ने उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की। इस दौरान कार्यकर्ता बैरिकेडिंग के पास जुटे रहे और नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी के विरोध में केंद्रित रहा। दरअसल, मल्लिकार्जुन खड़गे ने पटना में कांग्रेस के एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर टिप्पणी की थी। उनके बयान के बाद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। जयपुर में भी इसी मुद्दे को लेकर पार्टी ने प्रदर्शन किया और कांग्रेस अध्यक्ष से माफी मांगने की मांग उठाई।ह भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष शंकर गोरा ने खड़गे के बयान पर आपत्ति जताते हुए उनसे माफी मांगने की मांग की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी इस मुद्दे पर कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यालय के घेराव की अनुमति नहीं मिलने के बाद भाजपा ने प्रदेश मुख्यालय से चौमूं हाउस सर्किल तक मार्च निकालकर विरोध दर्ज कराया।

दीपावली और शादी के सीजन में व्यापारियों को सता रहा मंदी का डर, शिवगंज में मेगा ट्रेड फेयर का विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। दीपावली और शादी के सीजन में बेहतर कारोबार की उम्मीद लगाए बैठे शिवगंज के व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है। शहर के महाराजा मैदान में प्रस्तावित मेगा ट्रेड फेयर को लेकर स्थानीय व्यापारियों ने विरोध जताया है। रेडिमेड और कटलरी एसोसिएशन ने इस संबंध में एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर मेले की अनुमति रद्द करने और आयोजन पर रोक लगाने की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारों और शादियों के सीजन के लिए उन्होंने पहले से ही बड़ी मात्रा में सामान का स्टॉक कर रखा है। ऐसे में शहर में मेले के आयोजन से उनके कारोबार पर असर पड़ने और आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। व्यापारियों के अनुसार दीपावली और शादी-ब्याह का सीजन उनके लिए साल के महत्वपूर्ण व्यावसायिक अवसरों में शामिल है। इस अवधि में बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने और बिक्री में



सुधार की उम्मीद रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों में रेडिमेड कपड़ों, कटलरी और अन्य सामान का स्टॉक तैयार किया है। हालांकि, व्यापारियों का कहना है कि पिछले समय से बाजार में मंदी और ऑनलाइन खरीदारी के बढ़ते चलन के कारण उनका कारोबार पहले ही प्रभावित हो रहा है। ऐसे में महाराजा मैदान में मेगा ट्रेड फेयर आयोजित होने से स्थानीय दुकानदारों की बिक्री और कम होने की आशंका है। उन्हें डर है कि मेले में सामान की बिक्री शुरू होने से त्योहारों के लिए किया गया स्टॉक दुकानों में ही रह सकता है, जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। रेडिमेड व्यापारियों ने विशेष रूप से मेले में सर्दियों के कपड़ों की दुकानें लगने की आशंका पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि सर्दियों का सीजन शुरू होने के साथ ही कपड़ों की मांग बढ़ने की उम्मीद रहती है। ऐसे समय में यदि मेले में कपड़ों की दुकानें लगती हैं, तो इसका सीधा असर स्थानीय रेडिमेड कारोबार पर पड़ सकता है। व्यापारियों के मुताबिक स्थानीय दुकानदार दुकान का किराया, कर्मचारियों का खर्च और अन्य व्यावसायिक जिम्मेदारियां निभाते हैं। इसके बावजूद उन्हें ऑनलाइन खरीदारी और बाजार में मंदी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मेले के आयोजन से प्रतिस्पर्धा और बढ़ने की आशंका है। इसी आधार पर एसोसिएशन ने प्रशासन से मामले पर विचार कर आयोजन रोकने की मांग की है। एसोसिएशन ने ज्ञापन में महाराजा मैदान की जमीन को कृषि भूमि बताते हुए मेले के आयोजन से संबंधित अनुमति की जांच कराने की मांग भी की है। व्यापारियों का कहना है कि प्रशासन को भूमि की स्थिति और आयोजन की मंजूरी से जुड़े पहलुओं की जांच करनी चाहिए। उन्होंने मेले की अनुमति रद्द करने के साथ आयोजन पर रोक लगाने की मांग उठाई है। व्यापारियों ने बताया कि करीब दो साल पहले भी इसी स्थान पर मेला आयोजित किया गया था। उस समय भी स्थानीय व्यापारियों ने विरोध जताया था, जिसके बाद प्रशासन ने आयोजन की मंजूरी रद्द कर दी थी। अब एक बार फिर इसी स्थान पर मेले की अनुमति दिए जाने को लेकर व्यापारी सवाल उठा रहे हैं। एसोसिएशन का कहना है कि जब पहले भी इस आयोजन को लेकर विरोध सामने आ चुका है, तो वर्तमान में मंजूरी देने से पहले स्थानीय व्यापारियों की चिंताओं और भूमि से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

मेकोन फार्मा को भुगतान नहीं करने पर चैंबर पर लगाया ताला, डिक्रीदार को सौंपी चाबी; सीएमएचओ बोले–ब्याज के दावे पर कोर्ट में रखेंगे पक्ष

कोर्ट के आदेश पर पाली सीएमएचओ का चैंबर कुर्क, 22.09 लाख के बकाया भुगतान मामले में कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। पाली में सोमवार को न्यायालय के आदेश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) के चैंबर को कुर्क कर दिया गया। मेकोन फार्मा के बकाया 22 लाख 9 हजार 117 रुपये का भुगतान नहीं करने पर यह कार्रवाई की गई। चैंबर पर ताला लगाकर उसकी चाबी डिक्रीदार जयकुमार शर्मा को सौंप दी गई। साथ ही चैंबर पर न्यायालय का नोटिस भी चस्पा किया गया। कार्रवाई के दौरान पाली जिला एवं सेशन न्यायालय के सेल अमीन रवि कुमार और सवार देवेंद्रसिंह मौके पर पहुंचे। न्यायालय के आदेश की पालना में सीएमएचओ कार्यालय के चैंबर को कुर्क किया गया। इस कार्रवाई के



बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय में मामला चर्चा का विषय बन गया। जानकारी के अनुसार, इस मामले में जोधपुर महानगर की कॉमर्शियल कोर्ट संख्या-2 में पाली सीएमएचओ के खिलाफ वाद दायर किया गया था। मैसर्स मेकोन फार्मा के प्रोपराइटर जयकुमार शर्मा ने कंपनी की बकाया राशि 22 लाख 9 हजार 117 रुपये का भुगतान करवाने की मांग की थी। मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने फार्मा कंपनी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बकाया राशि का भुगतान करने के आदेश दिए थे। इसके बावजूद भुगतान नहीं होने पर न्यायालय के आदेश के तहत कुर्की की कार्रवाई की गई। इसके अंतर्गत सीएमएचओ कार्यालय के चैंबर पर ताला लगाया गया और उसकी चाबी डिक्रीदार को सौंप दी गई। सीएमएचओ विकास मारवाल ने मामले में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि सामने वाली पार्टी ने ब्याज के लिए न्यायालय में क्लेम किया है। वे भी इस मामले में कोर्ट के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे। न्यायालय के आदेश के बावजूद बकाया भुगतान नहीं होने पर हुई इस कार्रवाई से मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। अब आगे की प्रक्रिया और ब्याज से जुड़े दावे पर न्यायालय में होने वाली सुनवाई महत्वपूर्ण रहेगी।

गायों को चारा डालने पर 1000 रुपये जुर्माने का बोर्ड लगाने से विवाद, जालोर में हिंदू समाज ने जताया विरोध

भक्त प्रहलाद चौक का बोर्ड हटाने और भूमि की पैमाइश कराने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। शहर के भक्त प्रहलाद चौक पर गायों को चारा डालने पर 1000 रुपये जुर्माना लगाने की चेतावनी वाला बोर्ड लगाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। नगर परिषद की इस कार्रवाई के विरोध में सर्व हिंदू समाज ने मोर्चा खोलते हुए बोर्ड तत्काल हटाने की मांग की है। समाज के प्रतिनिधियों ने नगर परिषद आयुक्त, सभापति और जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर चौक की भूमि की पैमाइश कराने, सीमांकन करने और अतिक्रमण मिलने पर उसे हटाने की मांग उठाई है। अपनी मांगों को लेकर गौभक्त और हिंदू समाज के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां उन्होंने कलेक्ट्रेट के सामने नारेबाजी करते हुए ज्ञापन सौंपा। समाज के लोगों का कहना है कि भक्त प्रहलाद चौक लंबे समय से गायों के चरने और आमजन की ओर से उन्हें चारा डालने का परंपरागत स्थान रहा है। अमावस्या, पूर्णिमा, श्राद्ध पक्ष और हिंदू त्योहारों के दौरान लोग यहां गायों को चारा डालने आते हैं। ऐसे में चारा डालने पर रोक लगाने और जुर्माने की चेतावनी देने से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। नगर परिषद की ओर से 22 अक्टूबर 2026 को भक्त प्रहलाद चौक पर बोर्ड लगाया गया था। इस पर गायों को चारा डालने पर रोक के साथ ऐसा करते पाए जाने पर 1000 रुपये जुर्माना वसूलने की



चेतावनी दी गई है। बोर्ड सामने आने के बाद इस व्यवस्था को लेकर समाज के लोगों ने आपत्ति जताई और प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें रखीं। ज्ञापन में समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में चौक की भूमि पर कच्चे और पक्के अतिक्रमण हो गए हैं, जिससे इसका क्षेत्रफल कम हुआ है। उन्होंने मांग की कि पूरी भूमि की सरकारी स्तर पर पैमाइश करवाई जाए। इसके बाद भूमि का सीमांकन कर पत्थरगढ़ी कराई जाए, ताकि उसके वास्तविक क्षेत्रफल और सीमाओं का निर्धारण हो सके। समाज ने तहसीलदार और नगर परिषद से पुलिस सहायता लेकर अतिक्रमण हटाने तथा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करने की मांग भी की है। उनका कहना है कि चौक की भूमि को उसके पारंपरिक गोचर स्वरूप में सुरक्षित रखा जाना चाहिए, ताकि भविष्य में उसका स्वरूप नहीं बदले। व्यावसायिक और आवासीय उपयोग पर रोक लगाने की मांग ज्ञापन में चौक की भूमि का व्यावसायिक या आवासीय उपयोग नहीं करने देने की मांग भी उठाई गई है। समाज के लोगों ने आशंका जताई कि भविष्य में इस भूमि का इस्तेमाल हाथ-लॉरी संचालकों या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। उन्होंने प्रशासन से भूमि को सुरक्षित रखने और किसी भी तरह के अतिक्रमण पर रोक लगाने की मांग की। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि किसी कारणवश भक्त प्रहलाद चौक पर गायों को चारा डालने पर रोक लगाना आवश्यक है, तो शहर के आसपास ऐसा वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए, जहां आमजन आसानी से पहुंचकर गायों को चारा डाल सकें। इससे लोगों की धार्मिक परंपरा भी जारी रह सकेगी और व्यवस्था को लेकर होने वाली परेशानी का समाधान भी निकल सकेगा। ज्ञापन के माध्यम से सर्व हिंदू समाज ने नगर परिषद और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। समाज की प्रमुख मांगों में बोर्ड हटाना, भूमि की पैमाइश और सीमांकन कराना, अतिक्रमण हटाना तथा चौक की भूमि को सुरक्षित रखना शामिल है। अब इस मामले में प्रशासन की ओर से की जाने वाली कार्रवाई पर लोगों की नजरें टिकी हैं।

जोधपुर में ऑटो पार्ट्स दुकान से 14 तोला सोना और 20 हजार रुपये चोरी, दुकानदार का रिश्तेदार समेत दो गिरफ्तार

सरस के केबिन से बीड़ी-सिगरेट चोरी के मामले में पूछताछ के दौरान खुला राज

महानगर मेट्रो ब्यूर

जोधपुर। शहर के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में ऑटो पार्ट्स की दुकान से सोने के गहने और नकदी चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक दुकानदार का रिश्तेदार भी शामिल है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 14 तोला सोना बरामद किया है। इस चोरी का खुलासा चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना क्षेत्र में सरस के केबिन से बीड़ी, सिगरेट और गुटखा चोरी करने वाली गैंग से पूछताछ के दौरान हुआ।



दुकान बंद कर घर गए, अगले दिन बिखरा मिला सामान

पुलिस के अनुसार, चौखा नयापुरा निवासी अमित गहलोत की तिलवाड़िया फांटा पर गहलोत ऑटो पार्ट्स के नाम से दुकान है। 12 अक्टूबर को अमित दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन 13 अक्टूबर को जब वह दुकान पर पहुंचे तो अंदर सामान बिखरा हुआ मिला। जांच करने पर दुकान में रखे मजदूरी के 20 हजार रुपये और उनकी पत्नी के सोने के गहने गायब मिले। अमित गहलोत का मकान निर्माणाधीन होने के कारण उन्होंने अपनी पत्नी के गहने दुकान में रखे हुए थे। दुकान से नकदी और गहने गायब मिलने पर उन्होंने राजीव गांधी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। राजीव गांधी नगर थाने के एएसआई निंबसिंह ने बताया कि मामले में गोविन्द नायक (18) पुत्र श्यामलाल भील निवासी गली नंबर चंदाला बेरा, नयापुरा चोखा और दिनेश (24) पुत्र हुक्माराम परिहार माली निवासी काली घाटी, हनुमान सागर, नयापुरा चोखा को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में दिनेश पीड़ित दुकानदार का रिश्तेदार है। दोनों से पूछताछ के दौरान ऑटो पार्ट्स की दुकान में चोरी करने की बात सामने आई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 14 तोला सोना बरामद किया है। इस मामले का खुलासा चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना क्षेत्र में सरस के केबिन में हुई चोरी की जांच के दौरान हुआ। दो दिन पहले चोरों ने केबिन की छत काटकर वहां से गुटखा, बीड़ी और सिगरेट चुरा लिए थे। स्थानीय लोगों ने संदिग्धों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की तो चोरी की अन्य वारदातों की जानकारी सामने आई इसी पूछताछ में राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र की ऑटो पार्ट्स दुकान में चोरी का मामला भी उजागर हुआ। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से पूछताछ के लिए एक दिन का रिमांड मिला। पुलिस मामले में आरोपियों से पूछताछ कर चोरी से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

माउंट आबू में भाजपा ने ओरिया के नवनिर्वाचित सरपंच, उप सरपंच और वार्ड पंचों का किया अभिनंदन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल माउंट आबू की ओर से रविवार शाम ओरिया ग्राम पंचायत के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित सरपंच प्रकाश राणा, उप सरपंच तरुण सिंह और सभी वार्ड पंचों का सम्मान किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य सहित भाजपा पदाधिकारियों ने



जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन करते हुए पंचायत और आबू क्षेत्र के विकास को लेकर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उनके लाभ आमजन तक पहुंचाने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति देने और ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उप सरपंच तरुण सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। इन योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर नवनिर्वाचित सदस्यों ने भाजपा को समर्थन दिया है। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि ट्रिपल इंजन सरकार ओरिया ग्राम पंचायत और आबू क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को आगे बढ़ाने और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया।

पाली में धूमधाम से मनाई महाराजा अजमीढ़ महाराज की जयंती, प्रतिभावान विद्यार्थियों का किया सम्मान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। श्री मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज की ओर से रविवार को महाराजा अजमीढ़ महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई गई। अग्रसेन भवन में आयोजित जयंती महोत्सव में समाज के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। समारोह में प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा बच्चों को शिक्षा सामग्री की किट वितरित की गई। समाज के विकास और

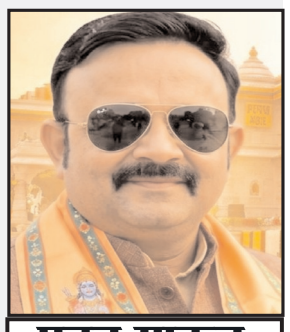


उत्थान में सहयोग देने वाले भामाशाहों का भी सम्मान किया गया। आयोजन के माध्यम से शिक्षा, संस्कार और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। जयंती महोत्सव के अवसर पर शहर में गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा अग्रसेन भवन से रवाना हुई और पानी दरवाजा, सर्राफा बाजार, उदयपुरिया बाजार, चूड़ीगर मोहल्ला, रूई कटला, धानमंडी, सोमनाथ और भैरूघाट होते हुए वापस अग्रसेन भवन पहुंची। यात्रा के दौरान युवाओं और महिलाओं ने उत्साह के साथ नृत्य किया। मार्ग में समाज के लोगों ने भागीदारी निभाकर जयंती महोत्सव की खुशियां साझा कीं। ग्रसेन भवन में आयोजित समारोह में प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। बच्चों को शिक्षा सामग्री की किट देकर पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही समाज के विकास में आर्थिक और सामाजिक सहयोग देने वाले भामाशाहों का अभिनंदन किया गया। समिति अध्यक्ष देवीलाल अडाणिया ने कहा कि इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी को समाज की गौरवशाली परंपराओं और संस्कृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से नई पीढ़ी के युवाओं को अपनी विरासत से परिचित कराने के साथ शिक्षा, संस्कार और सामाजिक एकता को मजबूत करना आवश्यक है।

घर के लड़के घंटी चाटते हैं और बाहर वाले आटा खाते हैं

गुजरात में बिजली की भरपूर सप्लाई के बावजूद, लोगों को पावर कट का सामना करना पड़ रहा है

'घर के लड़के घंटी चाटते हैं और बाहर वाले आटा खाते हैं '– यह पुरानी गुजराती कहावत आज गुजरात सरकार के पावर एडमिनिस्ट्रेशन और एनर्जी पॉलिसी पर एकदम सच साबित हो रही है। जो राज्य अपने भरपूर रिसोर्स के दम पर, पूरे देश में 'पावर सरप्लस' वाले राज्य के तौर पर अपनी बड़ी पहचान बनाता है, आज उसे भीषण गर्मी और बिना इजाज़त के पावर कट की वजह से गुजरात के आम नागरिकों, किसानों और लोकल इंडस्ट्रियलिस्ट की भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

जब गुजरात की मिट्टी से पैदा होने वाली ज़बरदस्त बिजली का फ़ायदा राज्य के अपने नागरिकों तक पहुँचने के बजाय बाहरी राज्यों और पावर कंपनियों को ऊँची कीमत पर दिया जा रहा है, तो सवाल उठता है: क्या ये हुक्मरान सिस्टम बदलेंगे या लोगों को सरकार बदलनी पड़ेगी?

आंकड़ों का जादू और कड़वी सच्चाई

अगर हम एनर्जी सेक्टर के आंकड़ों पर नज़र डालें, तो तस्वीर बहुत चौंकाने वाली और गुस्सा दिलाने वाली है:

जेनरेशन कैपेसिटी: गुजरात में लगभग 77,000 MW की बहुत बड़ी बिजली जेनरेशन कैपेसिटी है, जिसमें विंडमिल, सोलर पावर प्लांट, थर्मल पावर और नर्मदा सरदार सरोवर डैम जैसे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट शामिल हैं।

राज्य की असल ज़रूरत: इसकी तुलना में, पूरे गुजरात राज्य की रोज़ाना या पीक बिजली की डिमांड लगभग सिर्फ़ 29,822 MW है।

गणित बहुत आसान है: राज्य के पास अपनी ज़रूरत से दोगुने से ज़्यादा बिजली बनाने के रिसोर्स हैं। लेकिन, भावनगर, अमरेली, कच्छ, राजकोट से लेकर अहमदाबाद और गांधीनगर तक, जिन्हें पतंग और सोलर हब माना जाता है, वहां बार-बार बिजली क्यों जाती है? किसानों को सिंचाई के लिए काफ़ी घंटे बिजली पाने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ता है और लोकल छोटी इंडस्ट्रीज़ को बिजली कटौती के कारण करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ता है।

बाहर महंगे दामों पर बेचना और जनता पर टैरिफ का बोझ!

राज्य में बिजली की भरमार होने के बावजूद, बची हुई ज़्यादा बिजली सिस्टम दूसरे राज्यों को या नेशनल ग्रिड को महंगे दामों पर बेच देता है। बिजली कंपनियाँ और एडमिनिस्ट्रेटर अपना सरप्लस मार्जिन और प्रॉफ़िट कमाने में लगे हैं, जबकि दूसरी तरफ़, लोकल कंज्यूमर्स पर 'फ्यूल सरचार्ज' और अलग-अलग टैक्स के नाम पर भारी-भरकम बिजली बिल का बोझ डाला जा रहा है।

गुजरात का एक नागरिक जिसने अपनी ज़मीन पर विंडमिल और सोलर पैनल प्लांट लगाने के लिए ज़मीन दी थी, आज उसे महंगी बिजली खरीदने पर मजबूर होना पड़ रहा है। जनता के टैक्स के पैसे और राज्य के नेचुरल रिसोर्स से बनी बिजली को बाहरी राज्यों में भेजकर 'चमकता चेहरा' दिखाने का यह खेल अब लोगों की बर्दाश्त से बाहर होता जा रहा है।

सिस्टम बदलेगा या पावर? 'महानगर मेट्रो' के मुँह पर सीधा तमाचा।

डेमोक्रेसी में सरकार लोगों की भलाई और सेवा के लिए होती है, न कि कमर्शियल सोच से लोगों के अधिकारों का फ़ायदा उठाने के लिए। जब किसान सड़कों पर बिजली के लिए आंदोलन कर रहे हों और आम नागरिक गर्मी में तप रहा हो, तो अधिकारियों का 'ग्लोबल गुजरात' का गुणगान करना कितना सही है?

'महानगर मेट्रो न्यूज़' अपने एडिटोरियल के ज़रिए प्रशासन और राज्य के मालिकों से साफ़ शब्दों में सवाल करता है:

1. अगर गुजरात में 77,000 MW बिजली बनाने की क्षमता है, तो स्थानीय नागरिकों और किसानों को 24 घंटे, बिना रुकावट और सस्ती दरों पर बिजली क्यों नहीं मिलती?
2. अपने ही राज्य के लोगों को अंधेरे में रखकर बाहरी राज्यों को बिजली बेचने की इस भ्रष्ट और दिशाहीन नीति के पीछे कौन है?
3. अगर मौजूदा शासकों ने तुरंत अपने जनविरोधी सिस्टम और एनर्जी पॉलिसी में सुधार नहीं किया, तो आने वाले समय में लोग अपनी आवाज़ उठाने और सत्ता का कंट्रोल बदलने में हिचकिचाएंगे नहीं।

लोगों का गुस्सा अब हद पार कर रहा है। राज्य के हित में यही है कि सिस्टम जल्द से जल्द जागे और अपनी नीतियों में सुधार करे और स्थानीय नागरिकों को पहली प्राथमिकता दे!

पहले दर्द फिर प्यार: जहरीले रिश्तों और सैंडविच इफेक्ट के जाल को पहचानें

घाव देकर मरहम लगाने वाला इंसान कभी आपका शुभचिंतक नहीं हो सकता

बार-बार चोट पहुँचाकर पैरों में पड़ने वाला व्यक्ति प्यार नहीं करता, वह केवल आपकी सहनशक्ति की सीमा मापता है। जहाँ माफ़ी गलती सुधारने का ज़रिया न होकर फिर से घाव देने का लाइसेंस बन जाए, वहाँ से दूर हट जाना ही सच्चा आत्मसम्मान है।

मानवीय रिश्तों की असली नींव आपसी विश्वास, सम्मान और समानता पर टिकी होती है। लेकिन आज के समय में कई रिश्ते भावनाओं के नाम पर केवल 'मानसिक नियंत्रण का खेल' बनकर रह गए हैं। इसे 'सैंडविच इफेक्ट' कहते हैं, जहाँ अपमान और दर्द को मीठे शब्दों या प्यार की परतों के बीच सैंडविच की तरह परोसा जाता है। यह कोई क्षणिक क्रोध नहीं, बल्कि आपके दिमाग पर काबू पाने की सोची-समझी रणनीति है।

शोषण का यह जहरीला चक्र तीन चरणों में चलता है:

दर्द और घाव: छोटी गलती पर बड़ा हंगामा करना, आपकी कमजोरियों पर वार करना और यह डर पैदा करना कि आपके अस्तित्व की कोई कीमत नहीं है।

अपराधबोध और दबाव: ऐसी स्थिति पैदा करना कि आपको खुद लगने लगे कि गलती सामने वाले की नहीं, बल्कि आपकी ही थी।

मरहम और प्यार: जब उन्हें लगे कि आप दूर जा रहे हैं या विरोध कर रहे हैं, तो अचानक रोकर माफ़ी माँगना, तोहफे देना और कहना कि 'मैं तुम्हारे बिना जी नहीं सकता। '

लगातार दर्द के बाद जब अचानक यह 'राहत' मिलती है, तो दिमाग में डोपामाइन रिलीज होता है और इंसान इस राहत को ही सच्चा प्यार समझने की भयंकर भूल कर बैठता है।

दांपत्य जीवन, प्रेम संबंध, ऑफ़िस में बॉस का रवैया या दोस्तों के बीच चार लोगों के सामने अपमान करके अकेले में गले लगाना–यह सब सम्मान नहीं, बल्कि धोखे और मानसिक गुलामी का प्रतीक है।



इस मानसिक गुलामी से मुक्त होने के नियम:

सामने वाले का पैटर्न पहचानें: जो गलती बार-बार दोहराई जाए, वह गलती नहीं, व्यक्ति का असली चरित्र होता है।

शब्दों को नहीं, व्यवहार को देखें: 'मैं अब बदल जाऊंगा' जैसे वादों या आँसुओं पर पिघलने के बजाय देखें कि क्या व्यक्ति के स्थायी व्यवहार में कोई सच्चा सुधार है।

मजबूत सीमाएं तय करें: यह स्पष्ट कर लें कि आत्मसम्मान का बलिदान देकर कोई भी रिश्ता नहीं टिक सकता।

जीवन का कड़वा नियम है कि जो पेड़ फल देने के साथ लगातार जहरीले कांटे चुभोता हो, उसकी छाया में कभी नहीं बैठना चाहिए। सच्चे रिश्तों में कभी घाव और मरहम का खेल नहीं होता। भावनाओं की भीख मांगकर रिश्ता बचाने से लाख गुना बेहतर अकेले स्वाभिमान से चलना है।

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर

1 नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित विपक्षी रैली टालने की मांग, व्यापारिक संगठनों ने दिवाली सीजन में 10 हजार करोड़ रुपये के नुकसान की जताई आशंका

कांग्रेस की दिल्ली रैली पर व्यापारियों की आपत्ति, खड़गे बोले- सहयोगियों से चर्चा के बाद लेंगे फैसला

पटना कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को कहा कि दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को होने वाली विपक्ष की रैली पर अंतिम फैसला पार्टी और गठबंधन के सहयोगियों से चर्चा के बाद लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुछ व्यापारियों ने उन्हें ज्ञापन सौंपा है। इस पर विचार करने के बाद ही रैली को लेकर अगला कदम तय किया जाएगा।

दरअसल, चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने एक दिन पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से अपील की थी कि दिवाली के त्योहारी सीजन को देखते हुए इंडिया गठबंधन की रैली टाल दी जाए। संगठन ने आशंका जताई है कि रैली के कारण दिल्ली के व्यापार को करीब 10 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। व्यापारियों का कहना है कि त्योहार के समय बाजारों में बड़ी संख्या में ग्राहक खरीदारी के लिए पहुंचते हैं और किसी बड़े आयोजन से यातायात तथा कारोबार प्रभावित हो सकता है।

राहुल गांधी बोले- वोट चोरी बर्दाश्त नहीं करेंगे

राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि लोगों के वोट चुराए जा रहे हैं और इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं



किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सवाल पूछने वालों पर लाठियां चलाई गई हैं। राहुल ने 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली में छात्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों से शामिल होने की अपील की।

हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त और प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने शनिवार को दावा किया था कि रैली में 10 लाख से ज्यादा लोग शामिल होंगे। ऐसे में रैली के संभावित आकार और दिवाली के दौरान बाजारों पर पड़ने वाले असर को लेकर बहस तेज हो गई है। हालांकि, रैली को लेकर अंतिम निर्णय कांग्रेस अध्यक्ष और गठबंधन के सहयोगियों की चर्चा के बाद ही सामने आएगा।

दिवाली कारोबार को लेकर व्यापारियों की चिंता

दिल्ली के रामलीला मैदान के पांच किलोमीटर के दायरे में चांदनी चौक और कनॉट प्लेस समेत आठ बड़े बाजार स्थित हैं। व्यापारियों की चिंता की एक वजह इन बाजारों में दिवाली के दौरान होने वाला भारी कारोबार भी है। व्यापारी संगठन कैट के मुताबिक, वर्ष 2025 के दिवाली सीजन में इन बाजारों में त्योहारी बिक्री करीब 75 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी।

व्यापारियों को आशंका है कि रैली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रतिबंध और लोगों की आवाजाही में बदलाव से बाजारों तक ग्राहकों की पहुंच प्रभावित हो सकती है। सीटीआई ने इसी आधार पर संभावित आर्थिक नुकसान का मुद्दा उठाते हुए रैली की तारीख बदलने की मांग की है। दूसरी ओर, कांग्रेस इस आयोजन को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े सवालों को उठाने के लिए महत्वपूर्ण बता रही है।

एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त के मुद्दे पर भी प्रदर्शन

इंडिया गठबंधन के नेताओं ने एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 6 से 13 अक्टूबर के बीच कई बैठकें और प्रदर्शन किए। दिए गए विवरण के मुताबिक, इस अवधि में आठ बार प्रदर्शन हुए। वहीं, कॉकरोच जनता पार्टी और वामपंथी दलों ने भी 10 अक्टूबर को इसी मुद्दे पर प्रदर्शन का आह्वान किया था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने इसकी अनुमति नहीं दी। उस दौरान शहर में बैरिकेडिंग की गई थी, 45 मेट्रो स्टेशन बंद रहे और सात हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने की जानकारी दी गई। इन घटनाओं के बाद दिल्ली में राजनीतिक प्रदर्शनों और सार्वजनिक व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे। अब 1 नवंबर की रैली को लेकर कांग्रेस के सामने दो अहम पहलू हैं–एक ओर मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष का आंदोलन, तो दूसरी ओर दिवाली के दौरान व्यापार प्रभावित होने की आशंका। खड़गे के बयान के बाद रैली के भविष्य पर फैसला पार्टी और गठबंधन के सहयोगियों के साथ होने वाली चर्चा पर निर्भर करेगा।

BJP हटाओ, डेमोक्रेसी बचाओ! सत्ता के मद में अंधी सरकार के खिलाफ जनता का गुस्सा चरम पर

आज गुजरात समेत पूरे देश में डेमोक्रेसी की नींव हिल गई है। संवैधानिक मूल्यों का खुलेआम अपमान हो रहा है। जब भी विपक्षी पार्टियों के साथ-साथ जागरूक नागरिकों द्वारा 'वोट चोरी', EVM में गड़बड़ी या चुनाव प्रक्रिया में सरकारी मशीनरी के गलत इस्तेमाल के गंभीर आरोप लगाए जाते हैं, तो यह सवाल सिर्फ किसी एक राजनीतिक पार्टी या चुनाव जीतने या हारने का नहीं होता। यह सीधा सवाल हमारी कीमती डेमोक्रेसी की ईमानदारी, संविधान की पवित्रता और नागरिकों के वोटिंग अधिकार के अस्तित्व पर उठता है।

जो BJP नेता अपने राजनीतिक हितों के लिए डेमोक्रेसी की संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं, वही आज मुंह फुलाकर 'डेमोक्रेसी बचाओ' का नाटक और दिखावा कर रहे हैं। सच तो यह है कि अगर इस देश में डेमोक्रेसी और संविधान को कोई सबसे बड़ा खतरा है, तो वह खुद BJP सरकार की तानाशाही नीतियां हैं। गांवों से लेकर शहरों तक, BJP राज में लोग परेशान हैं

गुजरात के गांवों से लेकर बड़े शहरों तक, किसान, युवा, छात्र और आम व्यापारी आज BJP सरकार की नीतियों से परेशान हैं। सत्ता के नशे में चूर सरकार के खिलाफ समाज का हर वर्ग मैदान में उतरने को मजबूर हो गया है

1. किसानों की आह और गुस्सा: मेहनत-मजदूरी करके देश का पेट भरने वाले अन्नदाता आज अपने ही खेतों में कर्जदार बन रहे हैं। सपोर्ट प्राइस सिर्फ कागजों पर रह गए हैं, फसलों को सही दाम नहीं मिल रहे हैं। दूसरी तरफ, खेती की लागत दोगुनी हो गई है, खाद, बीज, डीजल और कीटनाशकों के दाम आसमान पर पहुंच गए हैं। प्राकृतिक आपदाओं या सूखे के समय मुआवजा देने के नाम पर सरकारी अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं।

2. युवाओं का अंधेरा भविष्य: पढ़े-लिखे युवा जो ऊंची डिग्री लेने के बाद भी बेरोजगार हैं, आज रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकारी भर्तियों के नाम पर सिर्फ बड़े-बड़े विज्ञापन देकर युवाओं के भविष्य के साथ क्रूर मजाक किया जा रहा है। रोजगार के नए मौके बनाने के बजाय, BJP सरकार सिर्फ आंकड़ों का भ्रम पैदा कर रही है। 3. पेपर लीक स्कैम से स्टूडेंट्स बर्बाद: पेपर लीक लैंड माफिया उन होनहार स्टूडेंट्स की मेहनत बर्बाद कर रहा है जो अपने माता-पिता के सपनों को पूरा करने के लिए दिन-रात कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं। एक के बाद एक रिक्रूटमेंट एग्जाम के पेपर लीक होने के बावजूद, मेन आइडिया वाले खुलेआम घूम रहे हैं। भविष्य बनाने की उम्र में, राज्य के युवाओं को सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

4. महंगाई से आम लोग टूट चुके हैं: गैस सिलेंडर हों, दूध-सब्जी हो या पेट्रोल-डीजल–अब आम आदमी के लिए किचन चलाना नामुमकिन हो गया है। मिडिल क्लास और गरीब परिवार महंगाई के असहनीय बोझ तले दबे जा रहे हैं, जबकि सरकार सिर्फ चुनावों के दौरान झूठे वादे और नारे देकर जनता को गुमराह करने की कोशिश करती है।

अब लड़ाई खत्म: आंदोलन की आवाज हर गांव में गूंजेगी

अब बर्दाश्त की हदें पार हो चुकी हैं। तानाशाही और तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने का समय आ गया है। यह लड़ाई सिर्फ एक रैली या मीटिंग तक सीमित नहीं रहेगी। लोकतंत्र और संविधान बचाने का यह बड़ा आंदोलन अब गुजरात के कोने-कोने, हर तालुका, गांव और घर-घर तक ले जाया जाएगा।

जब तक आम लोग, किसान और युवा जागरूक होकर अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए मैदान में नहीं उतरेंगे, तब तक यह अन्यायपूर्ण और भ्रष्ट सिस्टम नहीं बदलेगा। 'महानगर मेट्रो न्यूज़' के ज़रिए राज्य की जनता अब एक आवाज़ और एक गुस्से से चिल्ला रही है:

गूंजते नारों से सरकार हिल रही है:
वोटचोरी नहीं चलेगी, लोकतंत्र नहीं झुकेगा!
किसानों को बचाओ, युवाओं को बचाओ, देश को बचाओ!
पेपर लीक माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करो - पेपर लीक बंद करो!
जनता की एक ही पुकार BJP भगाओ, लोकतंत्र बचाओ! BJP भगाओ, लोकतंत्र बचाओ! सत्ता के नशे में अंधी सरकार के खिलाफ जनता का गुस्सा चरम पर है।

आज गुजरात समेत पूरे देश में लोकतंत्र की नींव हिल गई है। संवैधानिक मूल्यों का खुलेआम अपमान हो रहा है। जब भी विपक्षी पार्टियों और जागरूक नागरिकों की तरफ से 'वोट चोरी', EVM में गड़बड़ी या चुनाव प्रक्रिया में सरकारी मशीनरी के गलत इस्तेमाल के गंभीर आरोप लगते हैं, तो सवाल सिर्फ किसी एक राजनीतिक पार्टी या चुनाव जीतने या हारने का नहीं होता। यह सीधा सवाल हमारी कीमती डेमोक्रेसी की ईमानदारी, संविधान की पवित्रता और नागरिकों के वोटिंग अधिकार के वजूद पर उठता है।

वही BJP नेता जो अपने राजनीतिक फायदे के लिए डेमोक्रेसी की संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं, आज आंखें मूंदकर 'डेमोक्रेसी बचाओ' का नाटक और दिखावा कर रहे हैं। सच तो यह है कि अगर इस देश में डेमोक्रेसी और संविधान को कोई सबसे बड़ा खतरा है, तो वह खुद BJP सरकार की तानाशाही नीतियां हैं।

गांवों से लेकर शहरों तक, BJP राज में लोग परेशान हैं

गुजरात के गांवों से लेकर बड़े शहरों तक, आज किसान, युवा, छात्र और आम व्यापारी-नागरिक BJP सरकार की नीतियों से परेशान हैं। सत्ता के मद में चूर सरकार के खिलाफ समाज का हर वर्ग मैदान में उतरने को मजबूर हो गया है:

1. किसानों की आहें और गुस्सा: मेहनत-मजदूरी करके देश का पेट भरने वाला किसान आज अपने ही खेत में कर्जदार बनता जा रहा है। सपोर्ट प्राइस सिर्फ कागजों पर रह गए हैं, फसलों के सही दाम नहीं मिल रहे हैं। दूसरी तरफ, खेती की लागत दोगुनी हो गई है क्योंकि खाद, बीज, डीजल और पेस्टीसाइड के दाम आसमान पर पहुंच गए हैं। प्राकृतिक आपदाओं या सूखे के समय मुआवजा देने के नाम पर सरकारी अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं।
2. युवाओं का अंधकारमय भविष्य: पढ़े-लिखे युवा, जिन्होंने ऊंची डिग्री हासिल की है लेकिन बेरोजगार हैं, आज रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकारी भर्तियांड्ड

आज का राशिफल

(मंगलवार)27 अक्टूबर 2026



आसमान से ज़मीन तक सिक्योरिटी में बड़ी चूक? विपक्षी नेता राहुल गांधी के काफ़िले के साथ लगातार हो रही घटनाओं पर गंभीर सवाल!

देश के सबसे सुरक्षित VVIP नेताओं में से एक और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की यात्रा और सिक्योरिटी व्यवस्था पर अचानक गंभीर सवाल उठ गए हैं। सितंबर और अक्टूबर 2026 के महीनों में विपक्षी नेता राहुल गांधी के साथ दो अलग-अलग घटनाएं हुई हैं, जो सिक्योरिटी प्रोटोकॉल और सिस्टम की लापरवाही पर बड़े सवाल खड़े करती हैं। एक घटना हवा में हुई जबकि दूसरी घटना हाईवे पर ज़मीन पर हुई। खुशकिस्मती से, राहुल गांधी दोनों बार पूरी तरह से सुरक्षित बच गए, लेकिन अब आवाज़ उठ रही है कि VVIP सिक्योरिटी को किस्मत के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

1. आसमान में खतरा: लखनऊ एयरपोर्ट पर फ्लाइट ने इमरजेंसी 'गो-अराउंड' किया

यह घटना 8 सितंबर, 2026 को शुरू हुई, जब राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दो दिन के दौरे के लिए दिल्ली से निकले थे। वह एयर इंडिया की फ़्लाइट में सवार थे। जब प्लेन लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड कर रहा था, तो मौसम अचानक खराब होने और तेज़ हवाओं की वजह से पायलट को आखिरी मिनट में पहली लैंडिंग कैंसिल करनी पड़ी। प्लेन को तुरंत 'गो-अराउंड' करके वापस ऊंचाई पर ले जाना पड़ा। बहुत एक्साइटमेंट और पैसेंजर्स की जान खतरे में होने के बाद, किस्मत से दूसरी कोशिश में प्लेन को सेफ़ लैंड करा लिया गया। प्लेन तय समय 3:30 pmके बजाय 3:55 pm पर लैंड कर पाया। एविएशन एक्सपर्ट गो-अराउंड को प्रोटोकॉल मान सकते हैं, लेकिन जब प्लेन में कोई VVIP जैसे अपोज़िशन लीडर हों, तो मौसम की पहले से प्लानिंग और फ़्लाइट प्लानिंग पर बड़ा सवाल उठता है। 2. ज़मीन पर हादसा: पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर काफिले की गाड़ियों की टक्कर

आसमानी हादसा अभी खत्म भी नहीं हुआ था कि 26 अक्टूबर 2026 को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक और भयानक हादसा हुआ। राहुल गांधी 2018 के एक मानहानि केस की सुनवाई में शामिल होने के लिए लखनऊ से सुल्तानपुर कोर्ट जा रहे थे। उस समय पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हलियापुर थाना इलाके में 91वें माइलस्टोन के पास अचानक ब्रेक लगाने की वजह से VVIP काफिले की 4 से 5 गाड़ियां और प्रोटोकॉल एम्बुलेंस आपस में टकरा गईं।

इस हादसे में काफिले में शामिल कुछ सुरक्षाकर्मी और कार्यकर्ता घायल हो गए। किस्मत से राहुल गांधी की मुख्य गाड़ी सुरक्षित दूरी पर थी, इसलिए वह हादसे से बच गए। घटना के बाद काफिला सुल्तानपुर के लिए निकल गया और वह कोर्ट में पेश हुए। सिस्टम की पोल खोलने वाले खास सवाल काफिले के अनुशासन और नियमों का उल्लंघन एक्सप्रेसवे पर VVIP काफिले के लिए गाड़ियों के बीच एक तय सुरक्षित दूरी बनाए रखना ज़रूरी है। एक गाड़ी के ब्रेक लगाने की वजह से 4-5 गाड़ियों और एम्बुलेंस का एक लाइन में टकराना, काफिले की गंभीर मिसमैनेजमेंट और बढ़ती गलती का सबूत है।

हादसे में एम्बुलेंस की भूमिका: सिक्योरिटी प्रोटोकॉल के हिसाब से इमरजेंसी के लिए रखी गई एम्बुलेंस का खुद हादसे का शिकार होना सिस्टम की लापरवाही दिखाता है।

SIT जांच की मांग: अब इस काफिले के हादसे की गहराई से जांच के लिए SIT बनाने का प्रस्ताव है। विपक्ष के नेता की सुरक्षा कोई निजी मामला नहीं बल्कि लोकतंत्र की सुरक्षा का मामला है। दो महीने में आसमान और ज़मीन पर हुई ये घटनाएं सिर्फ़ इत्तेफ़ाक नहीं हो सकतीं। मौसम की सही प्लानिंग से लेकर सड़क पर गाड़ी के डिसिप्लिन तक, कड़े प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। अगर सिस्टम ऐसी ही लापरवाही करता रहा, तो एक दिन कोई बड़ी मुसीबत आने में ज़्यादा देर नहीं लगेगी!

डंपर की टक्कर से सिर बुरी तरह कुचला: कौशांबी में छात्र की दर्दनाक मौत के बाद हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कौशांबी। जिले में सोमवार सुबह तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला. ननिहाल में रहकर पढ़ाई कर रहे 15 वर्षीय कृष्णा की डंपर से कुचलकर दर्दनाक मौत हो गई.



हादसे के बाद उग्र भीड़ ने सड़क जाम की, जिसके बाद पुलिस व प्रशासन ने परिजनों को समझाकर स्थिति को संभाला.कौशांबी जिले के मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र में एमबी स्कूल के पास सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया. मॉर्निंग वॉक से घर लौट रहे 15 वर्षीय छात्र कृष्णा केसरवानी को पीछे से आए तेज रफ्तार डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर के बाद कृष्णा डंपर के पहिए में फंस गया और डंपर चालक उसे करीब 50 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया. सिर बुरी तरह कुचल जाने के कारण कृष्णा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डंपर और चालक को हिरासत में ले लिया है.

ननिहाल में रहकर पढ़ाई कर रहा था इकलौता बेटा

मृतक कृष्णा केसरवानी ओसा चौराहा स्थित अपने नाना शीतल केसरवानी के घर पर पिछले दो वर्षों से रहकर पढ़ाई कर रहा था. वह अपने परिवार का इकलौता बेटा था और उसकी एक बहन भी है. सोमवार सुबह वह अपने दोस्तों के साथ टहलने निकला था. घर लौटते समय यह दर्दनाक हादसा हो गया. इकलौते बेटे की अचानक हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों और परिजनों की भारी भीड़ जमा हो गई. गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया. सूचना मिलते ही सदर सीओ सौरभ और एसडीएम पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे अधिकारियों ने परिजनों को समझा-बुझाकर सड़क से जाम हटवाया और स्थिति को नियंत्रित किया.

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जांच जारी

सदर सीओ सौरभ ने बताया कि सुबह सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची थी. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू की. आरोपी डंपर चालक और वाहन को हिरासत में ले लिया गया है और थाने लाकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

'भाई, बचा लो... डिजायर से मुझे उठा ले गए', मर्डर से ठीक पहले दो निकाह करने वाली आशिया का आखिरी मैसेज, झाड़ियों में मिली लाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। दुबग्गा थाना क्षेत्र में आउटर रिंग रोड के पास झाड़ियों में उन्नाव की 25 वर्षीय आशिया का शव मिला. मरने से पहले उसने भाई को मैसेज कर मझली बहन शाहीन पर अपहरण और हत्या का आरोप लगाया था. पुलिस ने पति व अन्य संदिग्धों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है.लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब आउटर रिंग रोड की सर्विस लेन के किनारे झाड़ियों में एक युवती की लाश बरामद हुई. मृतका की पहचान उन्नाव के सफीपुर निवासी 25 वर्षीय आशिया उर्फ नरगिस उर्फ टीना के रूप में हुई है. कातिलों ने कहीं और कत्ल करने के बाद सबूत मिटाने के इरादे से शव को सैदपुर गांव के पास झाड़ियों में फेंक दिया था. मरने से ठीक पहले आशिया ने अपने भाई और बहन को व्हाट्सएप मैसेज भेजकर अपहरण होने और



जान बचाने की गुहार लगाई थी.परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक, आशिया की निजी जिंदगी काफी उतार-चढ़ाव भरी रही है. करीब सात साल पहले वह गांव के ही एक हिंदू युवक के साथ प्रेम विवाह कर दिल्ली चली गई थी. दोनों की एक चार साल की बेटी भी है. दो साल बाद पहले पति से विवाद होने पर वह वापस लौट आई. इसके बाद पिता कमरुद्दीन ने 21 फरवरी 2021 को उन्नाव के माखी क्षेत्र के रुपऊ गांव निवासी नासिर से उसका दूसरा निकाह करा दिया. लेकिन अनबन के चलते वह ससुराल में सिर्फ एक रात रुककर वापस आ गई. इससे नाराज होकर पिता ने भी उसे घर से बेदखल कर दिया था. तब से वह सफीपुर में किराये के मकान में अपनी बेटी के साथ रहती थी और पिछले एक महीने से नवाबगंज में अपनी बहन नसरीन के पास रुकी हुई थी.पुलिस ने मौके से मिले दस्तावेजों के आधार पर आशिया की शिनाख्त कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. रविवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि हत्यारों ने पहले आशिया के सिर पर भारी वार किया और फिर गला घोंटकर उसकी जान ले ली. मौत की मुख्य वजह गला दबाना बताई गई है. पुलिस ने आगे की जांच के लिए विसरा सुरक्षित कर लिया है. इस हत्याकांड में सबसे चौंकाने वाला मोड़ आशिया के आखिरी मैसेज से आया है. शनिवार को जब वह नवाबगंज स्थित अपनी बड़ी बहन नसरीन के घर से उन्नाव जाने के लिए निकली, तो रास्ते में उसका अपहरण कर लिया गया. मौत से कुछ देर पहले आशिया के फोन से उसके बड़े भाई और बहन नसरीन को मैसेज भेजे गए. इसमें उसने अपनी मझली बहन शाहीन पर ही अपहरण कराने का गंभीर आरोप लगाया. मैसेज में लिखा था, सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार से कुछ लोग मुझे उठा ले गए हैं. शाहीन ने हमको पकड़वा दिया है, भाई हमें बचा लीजिए, इन लोगों ने मेरे रुपये भी छीन लिए हैं. हमला करने वालों के नाम अरसलान, कल्लू और मुदब्बिर हैं. मैंने इनके नाम एक पर्ची पर लिखकर अपने बैग में रख दिए हैं. बड़ी बहन नसरीन की तहरीर पर दुबग्गा पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या और साक्ष्य छुपाने की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है. एसीपी काकोरी शकील अहमद ने बताया हत्याकांड का पर्दाफाश किया जाएगा.

राहुल गांधी को राहत मिलने से कांग्रेस में जश्न, अमित शाह केस में सुल्तानपुर कोर्ट ने किया बरी

सुल्तानपुर कोर्ट ने अमित शाह पर विवादित टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बरी कर दिया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुल्तानपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी को सुल्तानपुर एमपी-एमएलए कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। अमित शाह पर विवादित टिप्पणी मामले में दायर मानहानि केस में कोर्ट ने राहुल गांधी को बरी कर दिया है।भाजपा के तत्कालीन उपाध्यक्ष विजय मिश्र ने 4 अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि परिवाद दायर किया था। उनका आरोप था कि राहुल गांधी ने वर्ष 2018 में बेंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे उनकी भावनाओं को ठेस पहुंची।

2024 में राहुल को मिली थी जमानत

इस मामले में राहुल गांधी पहली बार 20 फरवरी 2024 को सुल्तानपुर कोर्ट में हाजिर



हुए थे। इस दौरान कोर्ट ने उनको जमानत दे दिया था। 13 अक्टूबर, 2026 को एमपी-एमएलए कोर्ट में दोनों पक्षों के वकीलों अंतिम बहस पूरी हो गई थी। इसके बाद फैसले के लिए 26 अक?टूबर का दिन रखा गया था।

कांग्रेस ने किया फैसले का स्वागत

सुल्तानपुर कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस नेताओं ने खुशी जताई है। यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा था। सत्य की विजय हुई है। हम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल

एमपी-एमएलए कोर्ट के फैसले के बाद राहुल गांधी कोर्ट से रवाना हो गए हैं। उन्होंने इस मौके पर मीडिया से बातचीत नहीं की। राहुल गांधी के बरी होने पर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है। वे मिठाई बांटकर और पटाखे छुड़ाकर अपनी खुशी का इजहार कर रहे हैं।

6 जगहों पर काफिले का हुआ स्वागत

इससे पहले लखनऊ से सुल्तानपुर आने के क्रम में रास्ते में जगह-जगह कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का काफिला रुकवाकर स्वागत किया

'उठक-बैठक, उल्टा लटकाया और टॉयलेट की सफाई करवाई', रेस्क्यू के बाद बच्चियों ने बयां की मदरसे में यातना की कहानी



महानगर मेट्रो ब्यूर

ग्वालियर। स्थित दारुल कुरआन मदरसे पर कार्रवाई की गई है। इसका संचालन बिना पंजीयन के हो रहा था। इसके बाद बाल संरक्षण आयोग की टीम ने वहां से रेस्क्यू की गई, बच्चियों से पूछताछ की है। पूछताछ के दौरान बच्चियों ने मदरसे के अंदर उनके साथ होने वाली क्रूरता को बयां की हैं।बाल संरक्षण आयोग की टीम ने बच्चियों और बच्चों से कई घंटे तक पूछताछ की है। इस दौरान चौंकाने वाली अहम जानकारी सामने आई है। बच्चियों ने बताया कि उनसे मदरसे में 500-500 बार उठक-बैठक करवाई जाती थी। इससे भी मन नहीं भरता था तो उन्हें उल्टा लटका दिया जाता था। बच्चियां ये सब कुछ बताते हुए कांप रही थीं।बच्चियों ने पूछताछ में ऐसी प्रताड़ना के लिए दो लोगों के नाम लिए हैं। इमें इस्लाम की शिक्षा देने वाली नजमा बाजी और साबिर खान है। बच्चियों ने यह भी आरोप लगाया है कि हमसे टॉयलेट की सफाई भी करवाई जाती थी। इन्हें हमेशा चारदीवारी में कैद करके रखा जाता था।प्रशासन ने इस अवैध मदरसे को सील कर दिया है। साथ ही आगे की जांच की जा रही है। बच्चियों के साथ हुई अमानवीयता को कागजों में दर्ज किया गया है।

लखनऊ में बाप-बेटे और भाई की गोली मारकर हत्या

ताबड़तोड़ फायरिंग से दहला सआदतगंज का नौबस्ता



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। सआदतगंज में आपसी विवाद को लेकर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. अस्पताल में इलाज के दौरान तीनों की मौत हो गई. मृतक एक ही परिवार के हैं. फिलहाल, पुलिस ने मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया है. लखनऊ के सआदतगंज थाना क्षेत्र के नौबस्ता इलाके में आपसी विवाद में खूनी संघर्ष हो गया. दबंगों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. आनन-फानन में सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान तीनों की मौत हो गई. मृतक एक ही परिवार के हैं. इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, बरगद के आगे चबूतरा बनाने को लेकर विवाद हुआ था. इसमें शिवाजी तिवारी, उनके भाई शंभू तिवारी और शिवा के बेटे सुयश तिवारी को दूसरे पक्ष ने गोली मार दी. जिसमें तीनों की मौत हो गई. फिलहाल, मौके पर भारी पुलिस बल मौजूद है. आला अधिकारी भी पहुंच गए हैं. मृतकों के परिवार में कोहराम मचा हुआ है. सीएमएस ट्रॉमा सेंटर के डॉक्टर प्रेमराज सिंह ने बताया कि एक लोग के सीने में गोली लगी है. जबकि दो के सिर में बुलेट इंजरी है. फिलहाल, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. प्रेस नोट के मुताबिक, सआदतगंज के नौबस्ता क्षेत्र में कार पार्किंग को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया, जिसमें ऋषभ शुक्ला नामक व्यक्ति ने अवैध पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग कर दी. गोली लगने से घायल शिवाजी तिवारी (62), शिवेन्द्र तिवारी (55) और सुयश तिवारी (30) को तत्काल केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान तीनों की मृत्यु हो गई.

मध्य प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला, जंगली हाथियों से उजड़े परिवारों को मिलेंगे पक्के मकान, सीएम मोहन यादव ने किया ऐलान

शहडोल में सीएम मोहन यादव ने 462 करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शहडोलः मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शहडोल जिले में एक भव्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य के जंगली हाथियों से प्रभावित परिवारों और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए कई बड़े और महत्वपूर्ण ऐलान किए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वन्यजीवों के हमलों से बेघर हुए लोगों को अब पक्के मकान और सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी।मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जिन परिवारों के घर जंगली हाथियों की वजह से क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें वन विभाग की तरफ से पक्के मकान बनाकर दिए जाएंगे। इसके साथ ही फसलों और घरों की सुरक्षा के लिए खेतों के चारों तरफ फेंसिंग की व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल सकेगी।

बांधवगढ़ के पास बनेगा रेस्क्यू सेंटर

पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पास एक नया फॉरेस्ट जू और रेस्क्यू सेंटर



स्थापित करने की योजना बनाई है। इसके अलावा, स्थानीय स्तर पर पर्यटन और आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से होमस्टे स्थापित करने के लिए दो लाख रुपये की ु देने की भी घोषणा की गई है।

तेंदूपत्ता संग्राहकों को मिला 22.89 करोड़ का बोनस

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य के मजदूरों और किसानों के हित में बड़ा कदम उठाते हुए वर्ष 2024 के लिए 9.77 लाख पात्र तेंदूपत्ता संग्राहकों के खातों में कुल 22.89 करोड़ रुपये के बोनस का वितरण किया। साथ ही, क्षेत्र के विकास के लिए लगभग 462 करोड़ रुपये की लागत वाली 134 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया।

शिक्षा, खेल और रोजगार से जुड़े अन्य प्रमुख ऐलान

शहडोल और आसपास के क्षेत्रों के विकास को गति देने के लिए सरकार ने कई अन्य घोषणाएं भी की हैं:शिक्षा और छात्रवृत्तिः आगामी शैक्षणिक सत्र से शहडोल में एक नए निजी विश्वविद्यालय की शुरुआत की जाएगी। इसके अलावा, पात्र आदिवासी छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति अब 10 महीने के बजाय पूरे 12 महीने दी जाएगी।खेल और बुनियादी ढांचाः क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए एक इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और विचारपुर में 5.10 करोड़ रुपये की लागत से खेल बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा। कार्य होगा।

धार में भीषण हादसा, सांवरिया सेठ के दर्शन कर लौट रहे 4 दोस्तों की कार में जलकर मौत, एक गंभीर



महानगर मेट्रो ब्यूर

धार। जिले में रविवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की जिंदा जलने से मौत हो गई। पांचों दोस्त सांवरिया सेठ के दर्शन करने के बाद कार से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सादलपुर थाना क्षेत्र में महू-नीमच फोरलेन पर उनकी स्विफ्ट डिजायर कार हादसे का शिकार हो गई। कार पुलिया के नीचे जा गिरी और उसमें आग लग गई। हादसे में चार युवक कार के अंदर ही फंस गए और बाहर नहीं निकल सके। वहीं एक युवक किसी तरह कार से बाहर निकलने में सफल रहा।

पुलिया के नीचे खाई में गिरी कार

गंभीर रूप से घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है। पुलिस के मुताबिक, हादसा 25 अक्टूबर की रात करीब 11:30 बजे सादलपुर के पास हीराश्री ढाबे के सामने हुआ। यहां फोरलेन पर बनी पुलिया से गुजरते समय कार के ड्राइवर साइड के पहिए में खराबी आई। इसके बाद कार अनियंत्रित हो गई और पुलिया के नीचे खाई में जा गिरी। कार में आग लगने के कारण अंदर बैठे युवकों को संभलने और बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका।

कार में फंस गए थे चार युवक

हादसे के समय कार में पांच युवक सवार थे। इनमें तुषार मंडलोई कार से बाहर निकलने में सफल रहा लेकिन बाकी चार युवक अंदर ही फंस गए। आग तेजी से फैलने के कारण चारों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर सादलपुर पुलिस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की मदद से कार में लगी आग बुझाई गई। हालांकि तब तक कार बुरी तरह जल चुकी थी। पुलिस ने चारों मृतकों के शव बाहर निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए धार जिला अस्पताल भिजवाए। घायल युवक को पहले प्राथमिक उपचार दिया गया। हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए इंदौर भेजा गया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

सागौर के रहने वाले थे चारों मृतक

हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान अंकुश उर्फ भीम धाकड़, चेतन धाकड़, आदित्य उर्फ अनमोल तिवारी और अभिषेक सोलंकी के रूप में हुई है। सभी धार जिले के सागौर क्षेत्र के रहने वाले थे। वहीं हादसे में घायल युवक की पहचान तुषार मंडलोई (20) पिता मुकेश मंडलोई निवासी माधोपुर, सागौर के रूप में हुई है

ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने सौंपी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी, 31 दिसंबर 2027 तक रहेगा कार्यकाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन (आईजा), मध्यप्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी में नागदा जंक्शन के वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी जीवनलाल जैन को प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति 26 अक्टूबर 2026 से 31 दिसंबर 2027 तक के लिए की गई है। इस नियुक्ति से नागदा के पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। आईजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया की सहमति तथा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप बाफना के मार्गदर्शन में जीवनलाल जैन को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्ति के माध्यम से उन्हें संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाने, प्रदेशभर के जैन पत्रकारों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करने तथा समाजहित से जुड़े कार्यों के प्रचार-प्रसार का दायित्व दिया गया है। जीवनलाल जैन लंबे समय से पत्रकारिता एवं सामाजिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। प्रदेश मीडिया प्रभारी के रूप में उनकी भूमिका संगठन के उद्देश्यों, नीतियों और कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर प्रचारित करने के साथ ही पत्रकारों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण रहेगी। संगठन का उद्देश्य जैन पत्रकारों को एक मंच पर लाना, उनके सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा करना तथा समाज में सकारात्मक पत्रकारिता को प्रोत्साहित करना है। जीवनलाल जैन की नियुक्ति पर पत्रकार साथियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जैन अपनी नई जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत बनाने तथा पत्रकारिता और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देंगे। नागदा जंक्शन के पत्रकार जीवनलाल जैन को प्रदेश स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना नगर के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। उनकी नियुक्ति से संगठन की गतिविधियों को नई गति मिलने तथा प्रदेशभर के पत्रकारों के बीच आपसी सहयोग और सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

मध्यप्रदेश में नर्मदा किनारे मिरों वोटर कार्ड, ज्यादातर इंदौर की राऊ विधानसभा के; कांग्रेस ने की FIR की मांग

खरगोन जिले के मंडलेले हजाश्वर में नर्मदा किनारे हजारों वोटर ID कार्ड मिले.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। मंडलेश्वर में नर्मदा नदी के किनारे हजारों वोटर ID कार्ड मिलने से हड़कंप मच गया. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये कार्ड इंदौर जिले की राऊ विधानसभा क्षेत्र के हैं. मामला सामने आने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंडलेश्वर थाने के सामने प्रदर्शन किया और FIR दर्ज करने की मांग की. प्रशासन ने कार्ड जब्त कर जांच शुरू कर दी है. दरअसल, रविवार सुबह मंडलेश्वर में नर्मदा घाट पर निस्वार्थ सेवा समिति की ओर से सफाई अभियान चलाया जा रहा था. इसी दौरान नदी किनारे लावारिस हालत में वोटर ID कार्ड दिखाई दिए. इसकी सूचना प्रशासन को दी गई. मामले की जानकारी मिलने पर राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची. अधिकारियों ने वोटर ढ्ढष्ठ कार्ड एकत्रित किए और पंचनामा तैयार किया. कार्डों की संख्या और उनके राऊ विधानसभा क्षेत्र से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है, हालांकि पूरे मामले की जांच अभी जारी है.

कांग्रेस ने थाने के सामने किया प्रदर्शन

वोटर ID कार्ड मिलने के मामले को लेकर



जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नायक के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता मंडलेश्वर थाने पहुंचे. कांग्रेस ने पुलिस को आवेदन सौंपकर FIR दर्ज करने और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की.रवि नायक ने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी संख्या में वोटर ID कार्ड नदी किनारे कैसे पहुंचे. उन्होंने मामले में जिम्मेदार लोगों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की. कांग्रेस की ओर से नदी में भी तलाशी अभियान चलाने की मांग की गई, ताकि पता लगाया जा सके कि वहां और मतदाता पहचान पत्र तो नहीं पड़े हैं. हालांकि, वोटर ID कार्ड वहां कैसे पहुंचे और इसके पीछे किसी की लापरवाही या अन्य कारण की भूमिका है या नहीं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा.

प्रशासन ने कार्ड जब्त कर जांच शुरू की

महेश्वर की एसडीएम पूर्वा मंडलोई ने बताया कि मामले की जांच के लिए तहसीलदार और अन्य अधिकारियों को मौके पर भेजा गया है. वहां पंचनामा बनाया गया है. उन्होंने कहा कि अभी कार्डों की संख्या के बारे में पूरी जानकारी नहीं है और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी. मामले में जो भी जिम्मेदार पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.मंडलेश्वर की SDOP श्वेता शुक्ला के मुताबिक, नर्मदा घाट पर सफाई के दौरान वोटर ID कार्ड मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी. इसके बाद राजस्व विभाग की टीम ने कार्ड जब्त किए. पुलिस को कांग्रेस की ओर से भी आवेदन मिला है और थाना प्रभारी को जांच सौंपी गई है. जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. नर्मदा किनारे वोटर ID कार्ड मिलने के मामले ने चुनावी प्रक्रिया और मतदाता पहचान पत्रों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं. फिलहाल प्रशासन और पुलिस मामले की जांच कर रहे हैं. कार्ड किसके हैं, वे वहां कैसे पहुंचे और इसके लिए कौन जिम्मेदार है, इन सवालों के जवाब जांच पूरी होने के बाद ही मिल सकेंगे.

दिल्ली: नॉर्थ ब्लॉक में धुआं उठने की सूचना, मौके पर भेजी गईं 6 दमकल गाड़ियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। नॉर्थ ब्लॉक में धुआं उठने की सूचना मिली है. ब्रिटिशकाल में बनी इस प्रमुख सरकारी इमारत में धुआं उठता दिखाई दिया. सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची. फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है.दमकल विभाग को सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर इसकी सूचना मिली थी. दमकल विभाग ने तुरंत



छह गाड़ियां मौके पर भेजकर स्थिति को नियंत्रित किया. फिलहाल धुआं उठने के कारणों की जांच की जा रही है. दमकल विभाग का कहना है कि उन्हें नॉर्थ ब्लॉक में धुआं उठने की सूचना मिली थी. जिसके बाद उन्होंने छह गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा. फिलहाल धुएं पर काबू कर लिया गया है. अब तक किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है. पुलिस के मुताबिक, इमारत की छत पर मरम्मत का काम चल रहा था, जहां कुछ मजदूर मौजूद थे. छत पर रखे एक पुराने प्लास्टिक के पानी के टैंक में आग लगी थी, लेकिन मजदूरों ने आग को बुझा दिया.दिल्ली अग्निशमन सेवा ने कहा, 'आग बुझा दी गई है, अंदर कुछ तोड़-फोड़ का काम चल रहा था. आग छोटी थी, कोई हताहत नहीं हुआ है.'राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा ने बताया कि संसद जाते समय उन्होंने धुआं देखा था. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, 'संसद जाते समय मैंने नॉर्थ ब्लॉक के पीछे से घना धुआं उठता देखा. ऐसा लगता है कि वहां आग लगी.'

एक साथ दुनिया छोड़ गए पिता-बेटे, दिल्ली में इमारत हादसे से पसरा मातम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। हर्ष विहार के मिलन गार्डन इलाके में रविवार निर्माणाधीन इमारत के ढहने से दो लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों के मुताबिक, रात भर चले बचाव अभियान के



बाद मिलन गार्डन इलाके में निर्माणाधीन मकान के मलबे से दो शव निकाले गए हैं. फिलहाल मलबे में फंसे एक अन्य व्यक्ति को निकालने के लिए बचाव अभियान जारी है.पुलिस को रविवार शाम 6 बजकर 46 मिनट पर इमारत ढहने की सूचना मिली थी. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस पुरानी इमारत का ग्राउंड फ्लोर और उसके ऊपर बना फर्स्ट फ्लोर ढह गया. बताया जा रहा है कि ग्राउंड फ्लोर पर एक गोदाम था. यह प्रॉपर्टी भोपाल सिंह नामक व्यक्ति के बेटे मनोज कुमार की बताई जा रही है. रविवार को घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां, एंबुलेंस और क्रेन भेजी गई. बचाव अभियान में मदद के लिए सिविल डिफेंस के स्वयंसेवक और NDRF की एक टीम भी तैनात की गई. रात भर चले इस ऑपरेशन में मलबे के नीचे से दो लोगों को निकाला गया. उन्हें GTB अस्पताल भर्ती कराया गया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया. मृतकों की पहचान 60 वर्षीय चंद्रपाल और उनके बेटे 33 वर्षीय विजय कुमार के रूप में हुई है. फिलहाल मलबे में फंसे एक अन्य व्यक्ति को बचाने की कोशिशें जारी हैं. NDRF, DDMA और दिल्ली फायर सर्विस की टीमें बचाव अभियान में लगी हुई हैं.

दिल्ली वालों की बल्ले-बल्ले, यमुना किनारे बनेगा 52 किमी लंबा साइकिल ट्रैक; 2 खास इलाकों को मिलेगी सौगात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के निवासियों के लिए बहुत ही अच्छी खबर है। दरअसल, दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) द्वारा यमुना के खादर (फ्लडप्लेन) के किनारे 52



किलोमीटर लंबा साइकिलिंग ट्रैक विकसित करने की बहुप्रतीक्षित परियोजना अब आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। प्राधिकरण ने पहले चरण के लिए निविदाएं (टेंडर्स) आमंत्रित की हैं, जो यमुना के पश्चिमी तट के साथ 24 किलोमीटर लंबे हिस्से को कवर करेगा। यह ओल्ड रेलवे ब्रिज से नेशनल हाईवे 9 तक होगा। इसके निर्माण की अनुमानित लागत 16.4 करोड़ रुपये तय की गई है। वजीराबाद से सराय काले खां तक मार्ग विकसित किया जाएगा इस योजना के अंतर्गत वजीराबाद के पास पुराने रेलवे पुल से सराय काले खां के नजदीक राष्ट्रीय राजमार्ग-24 तक साइकिल ट्रैक बनाया जाएगा। इसके अलावा पैदल चलने वालों के लिए अलग रास्ते और यमुना किनारे हरित क्षेत्र विकसित किया जाएगा। नदी के पश्चिमी किनारे पर 75 से 100 मीटर तक चौड़ा सार्वजनिक हरित गलियारा बनाने का प्रस्ताव है।

6 से 7 महीने में बनकर होगा पूरा

नदी के दोनों ओर विकसित किए जाने वाले इस ट्रैक को पूरा होने में लगभग छह से सात महीने का समय लगने की उम्मीद है। इस परियोजना में ट्रैक का निर्माण, सोलर पैनल और एलईडी बोलार्ड्स व लाइट्स लगाना, अन्य लाइटिंग कार्य और बागवानी विकास (हॉर्टिकल्चर डेवलपमेंट) के जरिए रूट के किनारे बड़े पैमाने पर हरियाली विकसित करना शामिल है।साइकिलिंग कॉरिडोर में पारगम्य सामग्रियों का उपयोग किया जाएगा और इसमें डॉकिंग स्टेशन, पार्किंग क्षेत्र, छायादार विश्राम स्थल, व्यूइंग डेक और वे-फाइंडिंग (दिशा-सूचक) सिस्टम शामिल होंगे। अधिकारियों ने बताया, 'ये सभी तत्व खादर के पारिस्थितिक (पारिस्थितिकी संबंधी) स्वरूप को नुकसान पहुंचाए बिना आसपास के परिदृश्य के साथ प्राकृतिक रूप से घुल-मिल जाएंगे। '

पूरा होने के बाद, यह ट्रैक रिवरफ्रंट के साथ एक निरंतर मनोरंजक मार्ग प्रदान करने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह गैर-मोटर चालित आवाजाही (Non-motorised mobility) को बढ़ावा देगा और खादर तक नियंत्रित सार्वजनिक पहुंच की अनुमति देगा।

दिल्ली मास्टर प्लान 2047 के तहत हो रहा काम

दिल्ली मास्टर प्लान 2047, जिसे इस वर्ष 20 अगस्त को अधिसूचित किया गया था, में यमुना खादर के किनारे समर्पित 52 किलोमीटर लंबे साइकिलिंग और वॉकिंग ट्रैक का प्रस्ताव है। तीन चरणों में विकसित किए जाने के लिए नियोजित, यह ट्रैक वजीराबाद यमुना पुल से NH-9 तक और आगे कालिंदी कुंज बायोडायवर्सिटी पार्क तक फैला होगा। इस योजना का उद्देश्य ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देना और राजधानी के कई पार्कों को आपस में जोड़ना है।इस साल अप्रैल में, प्रस्तावित रूट में बदलाव के बाद परियोजना को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की प्रमुख समिति से थी।

दिल्ली में यमुना पर चलेगा क्रूज, 500 में मिलेगी रिवर सफारी की सैर, जानें रूट और टाइमिंग...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। यमुना नदी के किनारे पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'नमो यमुना-रिवर सफारी' क्रूज सेवा शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है. इस सेवा का ट्रायल शुरू हो चुका है और छठ से पहले इसका उद्घाटन किए जाने की योजना है. दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने इस पहल को राजधानी में पर्यटन की नई संभावनाओं से जोड़ते हुए क्रूज सेवा के ट्रायल की शुरुआत की. जानकारी के मुताबिक, 4 या 5 नवंबर को इसका उद्घाटन हो सकता है. इस सेवा के शुरू होने से दिल्लीवासियों और पर्यटकों को यमुना नदी में क्रूज की सवारी का नया अनुभव मिलने की उम्मीद है.'नमो यमुना-रिवर सफारी' के तहत क्रूज सोनिया विहार से जगतपुर के बीच संचालित किया जाएगा. इसकी यात्रा करीब 30 से 40 मिनट की होगी. प्रति व्यक्ति किराया 500 रुपये तय किया गया है. क्रूज सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक चलाने की योजना है, एक बार में इसमें



अधिकतम 30 से 40 यात्री सफर कर सकेंगे.

दिल्ली वालों को मिलेगा क्रूज का नया मजा

यात्रियों की सुविधा के लिए सोनिया विहार और जगतपुर, दोनों जगहों पर टिकट काउंटर बनाए गए हैं. इस सेवा के जरिए लोग यमुना नदी के प्राकृतिक वातावरण का आनंद ले सकेंगे. साथ ही, परिवार के साथ समय बिताने और राजधानी में घूमने के लिए एक नया विकल्प भी मिलेगा.

छठ से पहले उद्घाटन की तैयारी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार की योजना छठ पर्व से पहले यमुना सफारी का उद्घाटन करने की है. उन्होंने कहा कि दूसरे शहरों में नदियों पर नाव की सवारी करने से लोगों को सुकून मिलता है. इसी तरह दिल्ली में भी यमुना सफारी के जरिए लोग मां यमुना के दर्शन कर सकेंगे और नदी के आसपास के प्राकृतिक वातावरण का आनंद उठा सकेंगे.मुख्यमंत्री के मुताबिक, इस परियोजना को एक अच्छे पिकनिक स्थल के रूप में विकसित करने की योजना है, जहां परिवार आकर समय बिता सकेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि इस पहल में प्रकृति और यमुना नदी की सफाई का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि पर्यटन गतिविधियों के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जा सके.

पर्यटन को मिलेगा नया विकल्प

रेखा गुप्ता ने इस परियोजना को दिल्ली के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार, पर्यटन विभाग और दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) के योगदान की सराहना की. उन्होंने कहा कि इन सभी के सहयोग से यह योजना संभव हो सकी है.

दिल्ली के छात्रों के लिए अच्छी खबर, 1086 सरकारी स्कूलों में बनेंगे मेडिकल रूम; सालाना 48.87 करोड़ रुपये होंगे खर्च



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी की दिल्ली सरकार ने दिल्ली के सभी 1086 सरकारी स्कूलों में फर्स्ट एड मेडिकल सुविधा शुरू करेगी। हर स्कूल में एक ट्रेंड हेल्थ वर्कर तैनात किया जाएगा, जो स्कूल टाइम पर स्टूडेंट्स को चोट लगने, तबीयत खराब होने, चक्कर आने और दूसरी छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्याओं में तुरंत मदद देगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस योजना का मकसद स्कूलों में स्टूडेंट्स को सुरक्षित माहौल देना और जरूरत पड़ने पर उन्हें फौरन प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराना हैयोजना पर सालाना 48.87 करोड़ रुपये खर्च होंगे।शिक्षा निदेशालय के तहत आने वाले सभी सरकारी स्कूलों में यह सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। सरकार के अनुसार, स्टूडेंट्स अपने दिन का बड़ा हिस्सा स्कूल में बिताते हैं। इस दौरान छोटी-मोटी चोट, अचानक बीमारी, थकान और चक्कर आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। फिलहाल कई स्कूलों में प्राथमिक उपचार के लिए अलग जगह या जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। इससे स्टूडेंट्स को समय पर मदद मिलने में देरी होती है। सरकार के अनुमान के मुताबिक, सभी 1086 स्कूलों में यह सुविधा उपलब्ध कराने पर सालाना 48.87 करोड़ रुपये खर्च होंगे। योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। पहले उन स्कूलों में मेडिकल रूम बनाए जाएंगे, जहां अलग कमरा उपलब्ध है। इसके बाद वैकल्पिक कमरों और पोटा केबिन के जरिए बाकी स्कूलों में सुविधा शुरू की जाएगी। मेडिकल रूम में रेस्ट कर सकेंगे स्टूडेंट्सराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप इस योजना का मकसद स्कूलों को सुरक्षित, समावेशी और स्टूडेंट्स के लिए मददगार बनाना है।

मेडिकल रूम में प्राथमिक उपचार की सुविधा मिलेगी

मेडिकल रूम में घाव पर पट्टी करने, ORS देने और आराम करने की सुविधा मिलेगी। ये सुविधाएं ट्रेंड हेल्थ वर्कर की देखरेख में दी जाएंगी। स्कूलों में जांच की सुविधा या डॉक्टर के पर्चे वाली दवाएं नहीं दी जाएंगी। एएनएम को भी लगाया जाएगा हर स्कूल में,.हरू या मल्टीपर्पज हेल्थ वर्कर जैसे ट्रेंड कर्मचारी को लगाया जाएगा।ये कर्मचारी स्टूडेंट्स की तत्काल स्वास्थ्य जरूरतों के साथ किशोरावस्था से जुड़ी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों में भी मदद करेंगे। छात्राओं के लिए पीरियड्स के दौरान आराम करने और जरूरी देखरेख के लिए सुरक्षित और निजी जगह उपलब्ध कराई जाएगी।मंत्री जी ने कहा कि सरकारी स्कूलों के हर बच्चे को सुरक्षित और देखभाल वाला माहौल मिलना चाहिए। स्कूल में किसी छात्र की तबीयत खराब होने या चोट लगने पर पेरेंट्स और टीचर्स को भरोसा होना चाहिए कि उसे कैंपस में ही फौरन प्राथमिक उपचार और जरूरी देखभाल मिल सकेगी।

नवी मुंबई के पास 'तीसरी मुंबई' बसाने की तैयारी तेज, सीएम फडणवीस ने NAINA विकास कार्यों का किया शुभारंभ; सरकार का दावा- 15 लाख रोजगार के अवसर होंगे पैदा

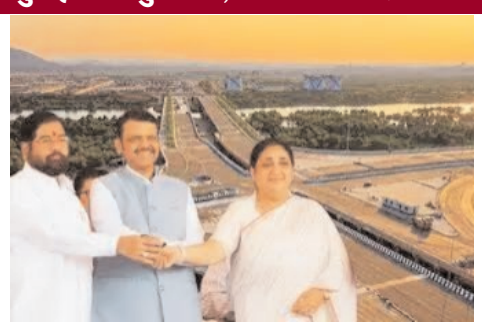
'नैना' से फडणवीस ने की 'तीसरी मुंबई' की शुरुआत, सरकार का दावा 15 लाख नौकरियां निकलेंगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से दबाव घटाने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने तीसरी मुंबई के लिए कदम बढ़ा दिए हैं। रविवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दोनों उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार की मौजूदगी में पनवेल तालुका के शिरढोण में नैना (नवी मुंबई एयरपोर्ट इन्फ्लुएन्स नोटिफाइड एरिया) के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस मौके पर सीएम फडणवीस ने कहा कि थर्ड मुंबई यानी नैना क्षेत्र महाराष्ट्र के विकास का नया ग्रोथ इंजन बनने जा रही है। यह मुंबई पर बढ़ते बोझ को कम करने में मदद करेगी। सीएम ने कहा कि यहां करीब 15 लाख रोजगार पैदा करने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि इसमें पांच लाख नौकरियां ऊंचे वेतन वाली होंगी।

नवी मुंबई है दूसरी मुंबई

सीएम ने इस मौके पर चार महत्वपूर्ण पुलों का लोकार्पण भी किया और भूधारकों को संपत्ति



पत्रक बांटे। महाराष्ट्र में पहली मुंबई के बाद, नवी मुंबई दूसरी और नैना क्षेत्र को तीसरी मुंबई के रूप में साकार किया जा रहा है। सरकार ने इसकी जिम्मेदारी सिडको को सौंपी है। वह विशेष नियोजन प्राधिकरण के रूप में करीब 225 वर्ग किलोमीटर में फैले 94 गांवों के विकास की जिम्मेदारी संभाल रही है। सरकार की योजना है कि यहां एजुसिटी, मेडिसिटी, स्पोर्ट्स सिटी, एरोसिटी और नॉलेज सिटी को साकार किया जाए। थर्ड मुंबई की परिकल्पना अगले 25 से 50 सालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर की गई है।

फडणवीस के मुताबिक पुणे, छत्रपति संभाजीनगर और नागपुर की तरह ठाणे, नवी मुंबई, रायगड और पालघर भी विकास के प्रमुख केंद्र होंगे। सरकार मुंबई, नवी मुंबई और तीसरी मुंबई को सड़क और मेट्रो से जोड़ने पर भी जोर दे रही है।

'नैना' से 'थर्ड मुंबई' की शुरुआत

सरकार का मुख्य फोकस किसानों की उन चिंताओं को दूर करने पर है, जो 'लैंड-पूलिंग' योजना को लेकर हैं। इस योजना के तहत, जमीन मालिक अपनी 60' जमीन सरकार को सौंपते हैं, जिसके बदले में उन्हें 40' जमीन विकसित प्लॉट के रूप में वापस मिलती है। नवी मुंबई और मुंबई के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए इस पूरे नैना प्रोजेक्ट को ही 'थर्ड मुंबई' या 'मुंबई 3.0' कहा गया था। इसमें पनवेल, कर्जत, खालापुर, उरण और पेण जैसे रायगढ़ जिले के इलाके शामिल हैं।

पति से कुछ दूर बैठी पत्नी को खींच ले गया बाघ, चीखने तक का नही मिला मौका

24 घंटे में बाघ के हमले से 2 लोगों की मौत, पति से कुछ दूरी पर खेत में काम कर रही आंगनवाड़ी सेविका को खींच ले गया बाघ;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंद्रपुर। चंद्रपुर जिले के सिंदेवाही क्षेत्र में बाघ के हमलों का सिलसिला लगातार जारी है। महज 24 घंटे के भीतर 2 लोगों की मौत से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। बाघ के हमले में पहले पळसगाव के किसान नानाजी नारायण कामडी की मौत हुई और इसके बाद भेंडारा गांव की आंगनवाड़ी सेविका प्रमिला महाडोरे भी बाघ का शिकार बन गईं। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं से ग्रामीणों में भय बढ़ता जा रहा है। लोग अपनी जान की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और अब वन विभाग की कार्रवाई पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।भेंडारा गांव निवासी प्रमिला महाडोरे गांव की आंगनवाड़ी में कार्यरत थीं। रविवार को छुट्टी होने के कारण वह अपने पति के साथ खेत में तिल और सब्जियों की कटाई करने गई थीं। खेत में दोनों अपने-अपने काम में लगे हुए थे। प्रमिला के पति खेत के दूसरे हिस्से में फसल को पानी दे रहे थे, जबकि प्रमिला खेत में कटाई का काम कर रही थीं। इसी दौरान आसपास घात लगाकर मौजूद बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले के बाद बाघ



उन्हें खेत की ओर खींच ले गया। घटना इतनी अचानक हुई कि उनके पति को संभलने या कुछ समझ पाने का मौका तक नहीं मिला।कुछ समय बाद जब प्रमिला दिखाई नहीं दीं तो उनके पति को चिंता होने लगी। उन्होंने आसपास आवाज लगाकर पत्नी को तलाशना शुरू किया। काफी देर तक कोई जानकारी नहीं मिलने पर उन्होंने खेत में खोजबीन तेज कर दी। उनकी आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद सभी ने मिलकर प्रमिला की तलाश शुरू की। खेत में अलग-अलग जगह खोजबीन के दौरान धान की फसल के बीच उनका शव मिला। यह दृश्य देखकर मौके पर मौजूद लोगों में शोक और दहशत फैल गई। घटना की जानकारी गांव में पहुंचते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए।सूचना मिलने पर वन विभाग के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वन विभाग की टीम ने संबंधित क्षेत्र में बाघ की गतिविधियों पर नजर रखना शुरू कर दिया है। अधिकारियों की ओर से इलाके में बाघ की मौजूदगी और उसके आवागमन पर निगरानी की जा रही है, ताकि आगे होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें। प्रमिला महाडोरे की मौत से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बताया जा रहा है कि उनकी एक बेटी है। परिवार के लिए यह घटना बेहद दुखद है, वहीं गांव के लोग भी इस हादसे से गहरे सदमे में हैं। आंगनवाड़ी में सेवाएं देने वाली प्रमिला की अचानक मौत से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।ग्रामीणों के अनुसार, पिछले 3 से 4 दिनों से पळसगाव जाट, भेंडारा और खातगांव क्षेत्र में बाघ की गतिविधियां देखी जा रही थीं।

नसीरुद्दीन शाह जिहादी और कट्टरपंथी मुसलमान, जामिया मिल्लिया इस्लामिया मिनी पाकिस्तान :संजय निरुपम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई: शिवसेना प्रवक्ता संजय निरूपम ने अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की हालिया राजनीतिक टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने नसीरुद्दीन शाह पर भाजपा विरोध के बहाने देशविरोधी माहौल बनाने का आरोप लगाया और उन्हें एक कलाकार की गरिमा बनाए रखने की नसीहत दी। इसके साथ ही निरूपम ने कांग्रेस की 1 नवंबर को प्रस्तावित रामलीला मैदान रैली, 1984 के सिख विरोधी



दंगों और जामिया मिल्लिया इस्लामिया में भारत विरोधी गतिविधियों को लेकर भी सवाल खड़े किए।शिवसेना के प्रवक्ता संजय निरूपम ने कहा कि नसीरुद्दीन शाह को बतौर फिल्म अभिनेता इस देश के करोड़ों लोग पसंद करते हैं। लेकिन अचानक बुढ़ापे में उनके अंदर का अभिनेता बाहर निकल गया है। उसमें एक सियासी आदमी, एक जिहादी और कट्टरपंथी मुसलमान पैदा हो गया है।

'मुझे डर है देशद्रोही न हो जाएं नसीरुद्दीन शाह'

संजय निरूपम ने कहा कि जिस तरीके से भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ और भाजपा की आड़ में भारत के खिलाफ, देश की एकता और अखंडता के खिलाफ वह अभियान चला रहे हैं, वीडियो बनाकर जारी कर रहे हैं, वह सठिया गए हैं, लेकिन सठियाने के साथ-साथ वह भारत-विरोधी न हो जाएं, भारत-द्रोही न हो जाएं। अपने राजनीतिक विचारों के प्रभाव में आकर, कम्युनिस्टों के प्रभाव में आकर, वह भाजपा का विरोध करते-करते भारत देश के खिलाफ न चले जाएं। मुझे इस बात का डर लग रहा है।

'गरिमा और प्रतिष्ठा बनाए रखा कलाकार की जिम्मेदारी'

संजय निरुपम ने कहा कि उनसे मेरा निवेदन होगा कि वह एक कलाकार हैं। कलाकार की एक गरिमा होती है। कलाकार की एक प्रतिष्ठा होती है। उस गरिमा और प्रतिष्ठा की रक्षा करने की जिम्मेदारी उस कलाकार की भी होती है।

PM मोदी के विकास कार्य ही कांग्रेस को हराने के लिए काफी, मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर शायना एनसी का पलटवार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना की राष्ट्रीय प्रवक्ता शायना एनसी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा पीएम मोदी को लेकर की गई टिप्पणी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे का पीएम मोदी के दिवंगत माता-पिता को लेकर इस तरह की बात कहना बेहद निंदनीय है। इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। शायना एनसी ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा किए गए विकास कार्य ही आपको हराने के लिए काफी है। आप पीएम मोदी के पिता का नाम लेते हैं, लेकिन देश में जो काम हुआ है, उसे याद नहीं करते। इसलिए जनता ने हमें चुना है और आपको नहीं। जनता किसके साथ है, यह आपको तब पता चलेगा जब आप चौथी बार हारेंगे।

'पीएम मोदी के पास 140 करोड़ जनता का आशीर्वाद'

उन्होंने आगे कहा कि खरगे यह भूल गए हैं कि पीएम मोदी के पास 140 करोड़ जनता का आशीर्वाद है। कोई उन्हें बेटा मानता है तो कोई देवता। कांग्रेस पार्टी सिर्फ गाली-गलौज की राजनीति पर उतर आई है। उन्होंने मांग की कि खरगे को अपने बयान के लिए पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। वहीं एनसीपी द्वारा वित्त मंत्री पद की मांग को लेकर पूछे गए सवाल पर शायना एनसी ने कहा कि यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है और यह महायुति का अंदरूनी मामला है। इस पर उन्हें कोई टिप्पणी नहीं करनी है। उन्होंने कहा कि जो लोग महायुति में दरार की बात कर रहे हैं, वे सिर्फ अफवाहें फैला रहे हैं। महायुति पूरी तरह से एकजुट है और महाराष्ट्र की प्रगति के लिए एक साथ मिलकर काम करती रहेगी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की तैयारियों और राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे पर शायना एनसी ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि अगर 2014 से अब तक के आंकड़े देखे जाएं तो कांग्रेस पार्टी 99 बार चुनाव हार चुकी है। पंजाब में हार के साथ ही कांग्रेस हार का शतक पूरा कर लेगी। शायद इसी शतक को पूरा करने के लिए राहुल गांधी पंजाब जा रहे हैं। वहीं, पंजाब चुनाव में शिवसेना के चुनाव लड़ने की संभावनाओं पर उन्होंने कहा कि उनके नेता एकनाथ शिंदे एक जनप्रिय नेता हैं और शिवसेना एक राष्ट्रीय पार्टी है। स्वाभाविक रूप से कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी अन्य राज्यों में भी चुनाव लड़े। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे की लोकप्रियता सभी ने देखी है, कई चुनावों में जहां वे सिर्फ प्रचार करने गए हैं, वहां भी पार्टी को फायदा हुआ है। इसलिए शिवसेना उम्मीद पर कायम है और कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

गुणवत्ता उल्लंघन पर बीआईएस का शिकंजा, कई कंपनियों पर जुर्माना

मुंबई ।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की देशव्यापी मुहिम के तहत महाराष्ट्र, केरल और ओडिशा की अदालतों ने अनिवार्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करने वाली कई कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई घटिया उत्पादों के निर्माण और गुणवत्ता प्रमाणन में धोखाधड़ी रोकने के लिए की गई है। बीआईएस अधिनियम, 2016 के तहत इन कंपनियों पर लाखों रुपये के जुर्माने के साथ उत्पाद भी जब्त किए गए। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र में एक आयातक कंपनी पर 34 लाख रुपए, केरल में नकली आईएसआई मार्क वाले इस्पात के लिए 6 लाख रुपए का जुर्माना लगा। पैकेटबंद पेयजल पर अनधिकृत आईएसआई चिह्न और बिना हॉलमार्क वाले सोने के आभूषण बेचने पर भी दो से तीन लाख रुपये तक के जुर्माने किए गए। बीआईएस ने सभी विनिर्माताओं, आयातकों और खुदरा विक्रेताओं से गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) और हॉलमार्किंग नियमों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया है। उल्लंघन पर भारी जुर्माना, सामान की जब्ती और कारावास तक की कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

एलएंडटी टेक्नोलॉजी ने भारत में नोकिया के साथ किया पांच साल का अनुबंध

नई दिल्ली ।

एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज ने भारत में इंजीनियरिंग तथा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों में सहयोग के लिए नोकिया के साथ पांच साल का अनुबंध करने की सोमवार को घोषणा की। बताया जा रहा है कि इस अनुबंध के तहत एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज (एलटीटीएस) की इंजीनियरिंग क्षमताओं और नोकिया के दूरसंचार प्रौद्योगिकी संबंधी कार्यों को एक साथ लाया जाएगा। हालांकि अनुबंध के आकार या वित्तीय विवरणों का खुलासा नहीं किया गया। समझौते के तहत, एलटीटीएस उत्पाद इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन तथा उत्पाद सहायता सहित विभिन्न क्षेत्रों में नोकिया के अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों में सहयोग करेगी। एलटीटीएस नोकिया की इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास पहलों में सहयोग के लिए भारत में एक समर्पित ऑफशोर डेवलपमेंट सेंटर (ओडीसी) स्थापित करेगी। इस सहयोग में अनुसंधान एवं विकास, उत्पाद इंजीनियरिंग, नए उत्पादों का विकास, एम्बेडेड सिस्टम, सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन और निरंतर सहायता शामिल होगी।

नेपाल ने भारत को 3.9 करोड़ डॉलर की बिजली का निर्यात किया

काठमांडू ।

नेपाल ने मध्य सितंबर से मध्य अक्टूबर के बीच भारत को 3.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य की बिजली का निर्यात किया। एक स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के एक अ धिकारी ने कहा कि अगस्त में अचानक बाढ़ के कारण आई मामूली बाधा के बाद इस अवधि के दौरान बिजली का निर्यात फिर से पटरी पर आ गया है। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास ऊपरी हिमालय में 26 अगस्त को बर्फ और चट्टान के खिसकने से आई अचानक बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल में कस्बों और गांवों को तहस-नहस कर दिया था। इस आपदा में लगभग 1,400 लोग मारे गए, जबकि 5,000 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।बाढ़ के दौरान घर, वाहन, सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने कहा कि सीमा पार बिजली आपूर्ति का लगभग दो-तिहाई हिस्सा द्विपक्षीय समझौतों के तहत भारत को निर्यात किया गया।

महंगे मेवों ने बिगाड़ी दिवाली की मिठास, पिस्ता 60 फीसदी तक उछला

- अंतर्राष्ट्रीय तनाव से आपूर्ति बाधित; कारोबारियों और आम लोगों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली । दिवाली की दस्तक के साथ ही सूखे मेवों की बढ़ती कीमतों ने उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों की चिंता बढ़ा दी है। दिल्ली के खारी बावली थोक बाजार में पिस्ता और बादाम जैसे प्रमुख मेवों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिसका सीधा असर त्योहार के गिफ्ट पैक्स पर पड़ रहा है। इस महंगाई ने पहले से तय बजट को हिला दिया है। इस बार दिवाली के मौके पर सूखे मेवों की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया है। थोक बाजार में पिस्ता करीब 40 फीसदी और खुदरा में 60 फीसदी तक महंगा हो गया है, जबकि बादाम के दाम भी 30 से 40 फीसदी बढ़ गए हैं। नतीजतन, दुकानदार बजट में गिफ्ट पैक तैयार करने के लिए पिस्ता को थाली से हटाने या उसकी मात्रा कम करने पर मजबूर हैं। कारोबारियों का कहना है कि त्योहारों के पीक सीजन में भी बिक्री प्रभावित हो रही है और ग्राहक कम मात्रा में खरीदारी कर रहे हैं, जिससे बाजार की रौनक फीकी पड़ रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 482, निफ्टी 153 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले-जुले संकतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज इक्विटी बाजार में जोरदार बढ़त रही जिसके कारण प्रमुख सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स मजबूती के साथ बंद हुए। लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी का रुख अपनाया, जिससे बाजार में रौनक लौटी।इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई का सेंसेक्स 482.92 अंक की बढ़त के साथ ही 73,606.75 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 153.20 अंक उछलकर 22,753.20 पर पहुंच गया। इस उछाल के कारण पिछले हफ्ते की गिरावट से निवेशकों कुछ हद तक उबर गये हैं। आज निफ्टी में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने वाले शेयरों में डॉ रेड्डीज लैब्स, बीएसई लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील, मैक्स हेल्थकेयर और एटरनल शामिल रहे1 दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस, टाटा कंज्यूमर, एचडीएफसी लाइफ, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट रही। सेक्टोरल मोर्चे पर भी सकारात्मक माहौल रहा। एफएमसीजी, मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को छोड़कर अन्य सभी सेक्टोरल सूचकांक तेजी पर बंद हुए। फार्मा, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर में मजबूत तेजी दर्ज की गई, जबकि इंफ्रा, आईटी, प्राइवेट बैंक, एनर्जी



और रियल्टी सेक्टर में भी बढ़त रही। व्यापक बाजारों में भी तेजी का रुझान रहा, जिसमें निफ्टी मिडकैप सूचकांक और स्मॉलकैप सूचकांक में बढ़त रही। आज बाजार की इस तेजी का कारण कच्चे तेल की कीमतों में नरमी भी रही जिससे बाजार में उत्साह का माहौल रहा। इसके अलावा इसके अतिरिक्त, विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी ने भी बाजार ऊपर आया है। शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 887.65 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जो अक्टूबर के शुरुआती दिनों में भारतीय शेयरों से भारी निकासी कुल 48,056 करोड़ रुपये के बाद एक सकारात्मक संकेत था। वहीं इससे पहले आज सुबह अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार कमजोर खुला। महंगे कच्चे तेल और ग्लोबल मार्केट में बिकवाली का दबाव देखने को मिल रहा है।

ग्लांस को एल कैटरटन से मिला निवेश, एजेंटिक कॉमर्स में नया मुकाम

- जियो समर्थित स्वदेशी एआई प्लेटफॉर्म ने उपभोक्ता केंद्रित निवेश कंपनी से जुटाई पूंजी

नई दिल्ली । जियो प्लेटफॉर्म्स समर्थित स्वदेशी एआई एजेंटिक कॉमर्स मंच ग्लांस ने उपभोक्ता क्षेत्र पर केंद्रित वैश्विक निवेश कंपनी एल कैटरटन से नई इक्विटी शेयर जारी कर अघोषित राशि जुटाई है। सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए कंपनी ने इस निवेश को अपने अभिनव एजेंटिक शॉपिंग मॉडल की पुष्टि बताया, जो वाणिज्य के भविष्य को आकार देने पर केंद्रित है। इनमोबी और ग्लांस के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा, एल कैटरटन उपभोक्ता क्षेत्र की सबसे प्रतिष्ठित निवेश कंपनियों में से एक है। ग्लांस में उसका निवेश हमारे बनाए खरीदारी मॉडल की पुष्टि करता है। हमारा मानना है कि वाणिज्य का भविष्य खोज के दायरे से आगे बढ़कर एजेंटिक शॉपिंग की ओर जाएगा। एल कैटरटन के एक अ धिकारी ने कहा कि एजेंटिक कॉमर्स उपभोक्ताओं के उत्पादों को खोजने और खरीदने के तरीके में बुनियादी बदलाव ला रहा है, जिससे उन ब्रांडों के लिए बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं जो खरीदारी की प्रक्रिया को अधिक व्यक्तिगत, सहज और आकर्षक बना सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ग्लांस इस बदलाव का लाभ उठाने के लिए विशिष्ट स्थिति में है। ग्लांस ने काफी समय बाद यह नई पूंजी जुटाई है। कंपनी ने इससे पहले फरवरी 2022 में जियो प्लेटफॉर्म्स से 20 करोड़ डॉलर और दिसंबर 2020 में गूगल तथा मिथ्रिल कैपिटल से 14.5 करोड़ डॉलर का निवेश प्राप्त किया था। एजेंटिक कॉमर्स से तात्पर्य कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित एजेंटों द्वारा उपभोक्ता की जरूरत के अनुसार खरीदारी में मदद करने से है।

एलटीटीएस-नोकिया में पांच साल का रणनीतिक गठबंधन

नवाचार और उत्पाद विकास पर होगा जोर

नई दिल्ली (ईएमएस)। एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज (एलटीटीएस) ने सोमवार को दूरसंचार दिग्गज नोकिया के साथ पांच साल के एक रणनीतिक अनुबंध की घोषणा की। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत में नोकिया की इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को मजबूत करना है, जिससे नवाचार और उत्पाद विकास को गति मिल सके। इस अनुबंध के तहत, एलटीटीएस अपनी इंजीनियरिंग क्षमताओं का उपयोग नोकिया की दूरसंचार प्रौद्योगिकी संबंधी परियोजनाओं में करेगा। एलटीटीएस नोकिया के लिए उत्पाद इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन और उत्पाद सहायता सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग करेगा। इसमें अनुसंधान एवं विकास, नए उत्पादों का विकास और एम्बेडेड सिस्टम भी शामिल हैं। कंपनी भारत में एक समर्पित ऑफशोर डेवलपमेंट सेंटर (ओडीसी) स्थापित करेगी, जो नोकिया की इंजीनियरिंग और आरएंडडी पहलों में निरंतर सहयोग प्रदान करेगा। हालांकि, अनुबंध के वित्तीय विवरणों का खुलासा नहीं किया गया है। नोकिया के इंजीनियरिंग के एक वरिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि भारत नोकिया के लिए नवाचार का एक महत्वपूर्ण केंद्र है और एलटीटीएस की इंजीनियरिंग विशेषज्ञता इस रणनीतिक क्षेत्र में हमारी आरएंडडी गतिविधियों का विस्तार करने में मदद करेगी। एलटीटीएस में रणनीतिक पहल के कार्यकारी निदेशक और अध्यक्ष अलिंद सक्सेना ने इस रणनीतिक सहयोग को एलटीटीएस और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में खुलेंगे तीन एनएफओ

पावर, रियल्टी और डेट सेक्टर में निवेश का मौका

नई दिल्ली ।

अक्टूबर का आखिरी सप्ताह निवेशकों के लिए कई नए विकल्प लेकर आ रहा है। इस दौरान आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, कोटक और यूटीआई म्यूचुअल फंड अपनी तीन नई स्कीमें (न्यू फंड ऑफर - एनएफओ) लॉन्च करेंगे। ये एनएफओ पावर, रियल एस्टेट और फाइनेंशियल सर्विसेज जैसे महत्वपूर्ण सेक्टर्स पर केंद्रित हैं, जो निवेशकों को अलग-अलग जोखिम प्रोफाइल और रिटर्न की संभावनाओं के साथ निवेश का मौका देंगे। न्यूनतम 500 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है, लेकिन हर स्कीम की अपनी अनूठी रणनीति और जोखिम स्तर है, जिसे समझना जरूरी है।

1. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बीएसई पावर ईटीएफ- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बीएसई पावर ईटीएफ 26 से 30 अक्टूबर, 2026 तक खुला रहेगा। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी थीमैटिक एनर्जी स्कीम है, जो बीएसई पावर टीआरआई के कुल रिटर्न के अनुरूप प्रदर्शन करने का लक्ष्य रखती है। न्यूनतम 1,000 रुपये के निवेश से शुरू होने वाली इस स्कीम में कोई लॉक-इन या एग्जिट लोड नहीं है, लेकिन रिस्कोमीटर पर इसे बहुत ज्यादा जोखिम की श्रेणी में रखा गया है। ट्रैकिंग एरर के कारण स्कीम का रिटर्न बेंचमार्क से अलग हो सकता है।

2. कोटक निफ्टी रियल्टी इंडेक्स फंड- इसी कड़ी में, कोटक म्युचुअल फंड का कोटक निफ्टी रियल्टी इंडेक्स फंड भी 26 अक्टूबर को खुलेगा और 9 नवंबर, 2026 तक उपलब्ध रहेगा। यह ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम निफ्टी रियल्टी टीआरआई को ट्रैक करेगी और रियल एस्टेट



सेक्टर की कंपनियों में निवेश करेगी। इसमें न्यूनतम 1,000 रुपये का निवेश किया जा सकता है और यह भी बहुत ज्यादा जोखिम वाली श्रेणी में आता है, जिसमें ग्रोथ और इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विदड्रॉल (आईडीसीडब्ल्यू) विकल्प उपलब्ध हैं।

3. यूटीआई फाइनेंशियल सर्विसेज डेट फंड- तीसरी पेशकश, यूटीआई म्युचुअल फंड की यूटीआई फाइनेंशियल सर्विसेज डेट फंड, 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2026 तक निवेशकों के लिए उपलब्ध होगी। यह एक ओपन-एंडेड डेट स्कीम है, जिसका उद्देश्य फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर से जुड़ी संस्थाओं की डेट और मनी मार्केट सिक्योरिटीज में निवेश कर बेहतर रिटर्न देना है। न्यूनतम 500 रुपये से निवेश योग्य यह स्कीम मध्यम जोखिम की कैटेगरी में है, जो कम अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त हो सकती है।

सरकार चार सरकारी बैंकों में घटाएगी हिस्सेदारी

सरकार ओएफएस के माध्यम से अपनी अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक में अपनी हिस्सेदारी घटाकर 75 फीसदी करने की योजना बना रही है। यह पहल बाजार नियामक सेबी के उस अनिवार्य नियम का पालन करने के लिए की जा रही है, जिसके तहत शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम 25 फीसदी हिस्सेदारी आम जनता के पास होना आवश्यक है। वर्तमान में इन चारों सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी 75 फीसदी से काफी अधिक है। नियामक के दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए, सरकार ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के माध्यम से अपनी अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचेगी। इसके अतिरिक्त, बैंक खुद भी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट जैसे तरीकों का उपयोग करके बाजार से फंड जुटा सकते हैं, जो मुख्य रूप से संस्थागत खरीदारों के लिए होगा। बैंक-वार हिस्सेदारी घटाने का विवरण इस प्रकार है-

1. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- सरकार की मौजूदा 81.19 फीसदी हिस्सेदारी को 75 फीसदी पर लाने के लिए लगभग 6.2 फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी।

2. यूको बैंक- इसमें सरकार की 90.95 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसे 75 फीसदी के स्तर पर लाने के लिए करीब 16 फीसदी हिस्सेदारी कम करनी होगी। यह ओएफएस और क्यूआईपी दोनों तरीकों से हो सकता है।

3. पंजाब एंड सिंध बैंक- यहां सरकार की हिस्सेदारी 93.85 फीसदी है, जिसके कारण लगभग 19 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की आवश्यकता होगी।

4. इंडियन ओवरसीज बैंक- बैंक में सरकार की 92.44 फीसदी हिस्सेदारी है, जिससे उसे अपनी हिस्सेदारी में लगभग 17.44 फीसदी की कटौती करनी होगी ताकि सेबी के न्यूनतम पब्लिक शेयरहोल्डिंग नियमों का पालन किया जा सके।



रुपया पांच पैसे टूटकर 94.98 प्रति डॉलर पर

- रुपया शुक्रवार को 94.93 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था



मुंबई।

पश्चिम एशिया में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और भू-राजनीतिक तनाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे टूटकर 94.98 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बीच वैश्विक बाजारों में जोखिम लेने से बचने की प्रवृत्ति के कारण रुपये की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। हालांकि, अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी कोष बॉन्ड के प्रतिफल में नरमी से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.92 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह और कमजोर होकर 94.98 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे कम है। रुपया शुक्रवार को 12 पैसे टूटकर 94.93 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत फिसलकर 101.49 पर रहा।

वॉकी-टॉकी बिक्री में बड़ी लापरवाही, 12 कंपनियों पर 58 लाख का जुर्माना

ग्राहकों को गुमराह करने पर सीसीपीए की ताबड़तोड़ कार्रवाई

नई दिल्ली ।

उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने वॉकी-टॉकी की ऑनलाइन बिक्री में ग्राहकों को गुमराह करने और आवश्यक जानकारी न देने के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने होगार टेक्नोलॉजीज सहित कुल 12 कंपनियों पर 58 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसमें अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे दिग्गज भी शामिल हैं।

सीसीपीए ने वॉकी-टॉकी बेचने वाली कंपनी होगार टेक्नोलॉजीज पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

कंपनी पर आरोप है कि उसने अपनी वेबसाइट पर उत्पाद लिस्टिंग में डिवाइस की रेडियो फ्रीक्वेंसी, लाइसेंस की आवश्यकता और आवश्यक अनुमोदनों की जानकारी स्पष्ट रूप से नहीं दी, जिससे उपभोक्ता यह मान सकते थे कि बिना अनुमति उपयोग कर सकते हैं, जबकि कुछ को लाइसेंस अनिवार्य है। होगार की दलीलें सीसीपीए ने खारिज कर दीं।

यह कार्रवाई केवल होगार तक सीमित नहीं है। सीसीपीए ने ऑनलाइन वॉकी-टॉकी बिक्री में जानकारी की कमी पर व्यापक जांच शुरू की। जांच में 16,970 से अधिक ऐसी लिस्टिंग मिलीं, जिनमें जरूरी जानकारी का अभाव था। अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो, मेटा सहित 13 ई-कॉमर्स को नोटिस जारी हुए, और अब तक 12 कंपनियों पर कुल 58 लाख रुपये का जुर्माना लगा। अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो और मेटा जैसे दिग्गजों पर 10-10 लाख रुपये, जबकि जियोमार्ट और होगार पर 1-1 लाख रुपये का जुर्माना लगा है।

नवंबर में महंगा हो सकता है रसोई गैस सिलेंडर

एचपीसीएल को प्रति सिलेंडर 245 रुपए का नुकसान

नई दिल्ली।

दीवाली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों से पहले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) को घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है, जिसके चलते नवंबर में कीमतों में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार एचपीसीएल को वर्तमान में प्रति घरेलू सिलेंडर लगभग 245 रुपये का भारी नुकसान हो रहा है, जो नवंबर तक बढ़कर 327 रुपये तक पहुंच सकता है। इस संभावित घाटे की भरपाई के लिए कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। घरेलू एलपीजी की कीमतों में आखिरी बदलाव जून में 29 रुपये की बढ़ोतरी के साथ हुआ था, जबकि वाणिज्यिक सिलेंडरों की कीमतें इसी अक्टूबर में 62.50 रुपये बढ़ी थीं। हालांकि सोमवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव न होने से परिवारों को अस्थायी राहत मिली है। इसके बावजूद, होटलों और रेस्तरां जैसे व्यवसायों के लिए वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतें काफी ऊंची बनी हुई हैं। त्योहारों के दौरान रसोई गैस की खपत में भारी वृद्धि होती है, जिससे यह परिवारों और व्यवसायों दोनों के बजट का एक अहम हिस्सा बन जाता है। वर्तमान में दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू सिलेंडर 942 रुपये में उपलब्ध है, जबकि 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक सिलेंडर 2,810 रुपये में मिल रहा है। हालांकि, कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन एचपीसीएल के बढ़ते घाटे को देखते हुए नवंबर में उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

सोने का भाव 1,42,450 रुपए, चांदी 1,96,350 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह जोरदार बिकवाली के दबाव में सोने चांदी की कीमतें काफी गिर गई थी। जिससे इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को निचले स्तर पर खरीद से इनकी शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि अभी भी सोना तीन के माह के निचले स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी 2 लाख रुपये से नीचे कारोबार कर रही है। सोमवार को ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव 4,025 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 54.30 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही थी। घरेलू मार्केट एमसीएक्स पर खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 1,42,450 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,96,350 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे।सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई।

एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 277 रुपये की तेजी के साथ 1,42,301 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,42,024 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 416 रुपये की तेजी के साथ 1,42,440 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 538 रुपये की तेजी के साथ 1,96,257 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,95,719 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 656 रुपये की तेजी के साथ 1,96,375 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 4,012.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 4,007.90 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 18 डॉलर की तेजी के साथ 4,025.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 54.29 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला क्लोजिंग प्राइस 53.94 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.36 डॉलर की तेजी के साथ 54.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

म्युचुअल फंड में नए निवेशकों की रफ्तार सुस्त

एनएफओ से जुटाई रकम पांच साल के निचले स्तर पर



नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड उद्योग में नए निवेशकों के जुड़ने की रफ्तार लगातार दूसरे साल भी धीमी बनी हुई है। वित्तीय वर्ष 2026 में सितंबर तक, शेयर बाजारों में कमजोरी और नए फंड शुरू होने की गति में धीमेपन के बावजूद, इस उद्योग से केवल 44 लाख नए निवेशक जुड़े हैं। यह कोविड से प्रभावित वर्ष 2020 के बाद से सबसे धीमी रफ्तार है, जब उद्योग में केवल 10 लाख नए निवेशक जुड़े थे। सितंबर 2026 के अंत में, उद्योग में पंजीकृत यू निक फंड निवेशकों (पैन) की कुल संख्या 6.33 करोड़ थी। आमतौर पर फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि, साथ ही फोलियो और प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) जैसे आंकड़े शेयर बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करते हैं। 2021 और 2024 में जब शेयर बाजार में जोरदार तेजी आई थी, तब म्युचुअल फंड कंपनियों ने लगभग एक-एक करोड़ नए निवेशक जोड़े थे।

कोविड के बाद के बाकी वर्षों में यह संख्या लगभग 50-60 लाख रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में बढ़ोतरी भले ही कम लग रही हो, लेकिन यह उद्योग की औसत वृद्धि दर के काफी करीब है। बाजार का प्रदर्शन अहम पैमाना है, लेकिन नए निवेशकों का जुड़ना म्युचुअल फंड कंपनियों द्वारा लॉन्च किए जाने वाले नए फंडों पर भी निर्भर करता है। पिछले दो वर्षों में नए फंड लॉन्च करने की संख्या और उनमें निवेशकों की रुचि दोनों में कमी आई है। अप्रैल-जून 2026 की तिमाही में नए फंड ऑफरिंग (एनएफओ) से मिलने वाली रकम गिरकर पांच साल के निचले स्तर, लगभग 1,759 करोड़ रुपये पर आ गई है। कड़े नियमों के कारण थीमैटिक फंड लॉन्च कम हो गए हैं, जो पहले बड़ी संख्या में नए पैन निवेशकों को आकर्षित करते थे। इस प्रकार, नए फंड लॉन्च करना जो पहले निवेशकों को जोड़ने का सबसे प्रभावी जरिया रहा है, अब काफी सुस्त पड़ गया है।

दफ्तर में खान-पान का रखें विशेष ध्यान

आज के इस बदलते परिवेश में जहां हर महिला, पुरूषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। वहीं दूसरी ओर इस वजह से वह कई बीमारियों के चपेट में भी लगातार आती जा रही है।आज हर महिला और पुरूष को जीवन ज्यादातर दफ्तर में ही बीतता है। शायद यही कारण है कि दफ्तर का व्यस्त शेडयूल, शिफ्ट डयूटी और काम का बहुत ज्यादा दबाव आपके मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है। ऐसे में दफ्तर के दौरान खान-पान का सही ख्याल आपको स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है,आइए जानते हैं दफ्तर में क्या खाएं और क्या ना खाएं।

कैसा हो आहार

दफ्तर में आपकी प्राथमिकता काम है न की आपका आहार, इसलिए आपका आहार ऐसा होना चाहिए, जो आपको ताकत दे, न कि ऐसा, जिसे खाकर आपको नींद आए। दफ्तर में लंच के दौरान अपनी प्लेट को न भरें। सही मात्रा में संपूर्ण आहार लें। साथ ही दफ्तर में लंच कभी भी छोड़ें नहीं। ऐसा करने से आपका ध्यान काम पर नहीं, बल्कि खाने पर ही लगा रहेगा।

अपने आहार में इन बातों का ध्यान रखें:

भोजन में सलाद जरूर लें, शरीर में ऑक्सीजन की कमी की समस्या से बचने के लिए भोजन में ज्यादा से ज्यादा सलाद का प्रयोग करें। सलाद और अंकुरित अनाज हल्का आहार होता है, जिसका सेवन आपको नींद से दूर रखता है और दफ्तर में काम के दौरान आपको सक्रिय भी रखता है।

शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है दही

दही के रोजाना सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। दही के बैक्टीरिया तथा पोषक तत्व शरीर के लिए एंटीबायोटिक का कार्य करते हैं और रोगाणुओं से लड़ने की क्षमता भी बढ़ाते हैं। इससे आप बीमारियों से दूर रहते हैं।

ताजे फल रखेंगे आपको तराताजा

ताजे फल न केवल आपको तरोताजा रखते हैं, बल्कि आपकी सेहत को फिट भी रखते हैं। ताजे फलों का सेवन आपके दिन को बेहतर बनाता है। दफ्तर में छोटे से ब्रेक के दौरान एक फल का सेवन आपको स्वस्थ रखता है और काम को ऊर्जा से भर देता है।

नाइट शिफ्ट में रखें इन बातों का ध्यान

रात के वक्त बिना मिर्च-मसाले के आहार का सेवन करें, इससे अल्सर, कब्ज, एसीडिटी जैसी समस्याओं से दूर रहेंगे।

नाइट शिफ्ट के दौरान एल्कोहल और सिगरेट का सेवन न करें।

रात में काम के दौरान खुद को रिलेक्स करने के लिए संगीत सुनें और मेडीटेशन करें।

नियंत्रित रखती है ग्रीन टी

इसके सेवन से कई बीमारियों पर नियंत्रण किया जा सकता है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। ग्रीन टी में एमीनो एसिड होता है, जो एंग्जाइटी और स्ट्रेस से छुटकारा दिलाने में सहायक होता है। दफ्तर में जब भी मौका मिले ग्रीन टी ज़रूर पिएं।

कार्बोहाइड्रेट कम फाइबर ज्यादा

फाइबरयुक्त आहार जैसे साबुत अनाज ब्रेन न्यूरोट्रांसमीटर सेरोटोटिन के उत्पाद को बढ़ाता है, जो आपके सोचने-समझने की शक्ति को बढ़ाता है और तनाव को कम करने में मदद करता है। हरी, पीली और नारंगी रंग की सब्जियों में मिनरल्स, विटामिस और फाइटोकैमिकल्स होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। जबकि कार्बोहाइड्रेट के सेवन से आपको नींद आती है, इसलिए दफ्तर में ज्यादा रोटी और चावल का सेवन न करें।

स्मोकिंग के बाद सौंफ जरूर खांए

स्मोकिग आपके स्वास्थ्य और काम, दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, इसलिए काम के दौरान स्मोकिग से बचने के लिए मुंह में इलायची या सौंफ रखें। इससे आपकी स्मोकिग भी कम होगी और ये चीजें आपको नुकसान भी नहीं देंगी।

पानी ज्यादा पीएं

दिन भर में जितना हो सके उतना पानी पिएं, क्योंकि आप अंदर से हाइड्रेट रहेंगे तो ताजगी भरा महसूस करेंगे और आपको तनाव के कारण सिरदर्द जैसी परेशानियां भी नहीं होंगी। भरपूर मात्रा में पानी पीने से आपका सिस्टम साफ रहता है और आप तनाव से कोसों दूर रहते हैं। नींबू पानी, नारियल पानी और ताजे फलों के रस का भी सेवन कर सकते हैं।





काजल से बनाएं आंखों को खूबसूरत

अक्सर लोग किसी महिला की खूबसूरती बयां करते वक्त उसकी गमगीन आंखे जरूर देखते हैं और हर खूबसूरत आंखें लोगों को विशेष तौर पर आकर्षित करती है। तो यह ज़रूरी है कि आप अपनी त्वचा के साथ-साथ अपनी आंखों पर भी विशेष तौर पर ध्यान दें। आखों की खूबसूरती के लिए काजल और आईलाइनर आज मेकअप का अहम हिस्सा बन गए हैं। लेकिन इस पर भी वक्त की मार पड़ी है। जिसके साथ-साथ काजल के रूप भी बदल गए हैं। आपकीआंखें खूबसूरत हैं और उनकी खूबसूरती में और इजाफा आप काजल और आईलाइनर से कर सकती है। कैसे चुनें अपना आई मेकअप और इस्तेमाल के दौरान किन बातों का ध्यान रखें, आइए जातने हैं।,

पेंसिल और रैक्ट्रेबल आईलाइनर: ये सबसे कॉमन और ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाले आईलाइनर और काजल हैं। इन्हें प्रयोग करना भी बेहद आसान है, इसलिए युवतियों को ये ज्यादा पसंद आते हैं। आसानी से इन्हें आंखों के अंदर से बाहर की तरफ लगाया जा सकता है। पेंसिल की मदद से आप किसी भी तरह का आकर्षक मेकअप कर सकती हैं।

जेल: अगर काजल की कोई भी स्टाइल ढूंढ़ रही हैं तो जेल सबसे बढिया विकल्प हो सकता है। यह बेहद स्मूद व हल्का होता है। काजल लगाते समय आपसे गड़बड़ी भी हो गई तो इस काजल के साथ आसानी से उसे मैनेज कर सकती हैं। जेल काजल की मदद से आई मेकअप में तमाम तरह के प्रयोग कर सकती हैं।

लिक्विडः मेकअप के कुछ बेहतरीन तरीके बीसवीं-चालीसवीं सदी से प्रेरित होकर अभी तक चलन में हैं। बाकी सभी काजलों की तुलना में यह बहुत साधारण है। इसे लगाने में बहुत कम समय लगता है, इसलिए महिलाओं में इसे ज्यादा पसंद किया जाता है।

क्रीमः क्रीमी काजल और आईलाइनर का कोई जवाब ही नहीं है। यह काजल आंखों की प्राकृतिक खूबसूरती को और निखारता है। आंखों पर लगाने के साथ ही यह काजल सूख जाता है और आंखों की खूबसूरती बढ़ा देता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह काजल ढेरो रंग व वेरायटी के साथ बाजार में मौजूद है।

काजलः आंखों को सजाने का यह सबसे पुराना और सस्ता साधन है। यह केवल आंखों को ही नहीं सजाता, बल्कि आपकी आंखों को कई तरह के इंफेक्शन से भी बचाता है।

कोलः यह काजल पेंसिल व रैक्ट्रेबल आईलाइनर के समान ही है। इन दोनों के मुकाबले यह थोड़ा ज्यादा गाढ़ा व क्रीमी है। गाढ़ा होने के कारण आंखों का सबसे सुंदर मेकअप इसी काजल से निखर कर आता है। कोल काजल आंखों की दोनों वॉटरलाइनों पर आउटलाइन करने के लिए भी सबसे अच्छा माना जाता है।

सावधानी जरूर बरतें

बाजार में इन दिनों काजल व आईलाइनर्स की ढेरों वेराइटी और ब्रांड मौजूद हैं, लेकिन आपको अपने ऊपर फबने वाला एक बेहतरीन क्वालिटी का आईलाइनर और काजल पसंद करना है। इन दिनों ब्रांड के नाम पर घटिया व नकली काजलों की भरमार है। ज्यादा पुराना काजल कतई इस्तेमाल न करें।



अच्छी सेहत के लिए जरूरी है पौष्टिक आहार

अक्सर यह देखा जाता है कि कई लोग कितना भी खा लें उनकी सेहत पर जरा भी असर नही पड़ता और कई लोग अपनी सेहत में अंतर लाने के लिए तरह-तरह के उपाय करते रहते है। लेकिन हम कभी भी यह नहीं सोचते कि जिसका हम प्रतिदिन सेवन करते है, उसमें पौष्टिकता कितनी है। आइए कुछ रोचक तथ्यों पर नजर डालें जो हमारे भोजन की पौष्टिकता और स्वाद दोनों को ही सम्पूर्ण मात्रा में बढ़ा सकते है। सेहत और सुंदरता दोनों के लिए यह जानकारियां उपयोगी हैं-

क्या आप जानते हैं, खाने-पीने की चीजों में शुगर की कितनी मात्रा होनी चाहिए। आप यह जान लें कि 200 मिली कोला में लगभग 22 ग्राम शकर होती है, जबकि इतनी ही चॉकलेट सोया मिल्क में 10 ग्राम शकर होती है। मार्केट में मौजूद स्पोर्ट्स ड्रिक के 200 मिली कप में 21 ग्राम शकर होती है। इंस्टेंट शुगर से मीठी चाय की 200 मिली मात्रा में 21 ग्राम शकर होती है।

महिलाएं अकसर घर के कामकाज में अपना सुबह का नाश्ता भूल जाती हैं। ऐसा करना ठीक नहीं है। जो लोग सुबह का नाश्ता नहीं करने की रूटीन बना लेते हैं, उनमें टाइप-2 डाइबिटीज की आशंका अधिक हो जाती है।

खाना बनाते समय कुछ बातों का ख्याल रखें। मीट को धीमे-धीमे और कम आंच पर पकाएं। कोशिश करें कि स्टीम करके पकाई जाने वाली चीजों को फ्राई या ग्रिल नहीं करें। डाइट संबंधित ऐसे टिप्स आपको जवां रखने में मददगार होंगे।

नाश्ते में साबुत अनाज को जरूर शामिल करें। इसमें पोलीफिनॉल नामक एंटी ऑक्सीडेंट काफी मात्रा में होता है। पॉपकॉर्न को इस मामले में काफी स्मार्ट माना जा सकता है। इसमें दूसरे प्रोसेस्ड स्नैक्स जैसे चिप्स की तुलना में 5 गुना अधिक एंटी ऑक्सीडेंट पाया जाता है।

अलसी में घुलनशील और अघुलनशील 2 तरह के फाइबर होते हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड भी होता है। इसे खाने में कई तरह से प्रयोग करें। इसे फलों के स्मूदी में मिक्स करके पिएं या पकी सब्जियों में डालकर बनाएं। आटे में मिलाकर इसकी रोटियां भी बना सकती हैं।

शहर के अच्छे-अच्छे स्टोर्स में सोया मिल्क आसानी से मिल जाता है। यह फ्लेवर वाला और बिना फ्लेवर के भी मिलता है। अगर आप प्रिजर्वेटिवरहित सोया मिल्क को अपने खाने में शामिल करना चाहती हैं, तो सोया को रातभर के लिए पानी में भिगोएं।दूसरे दिन इसे ग्राइंड करके इसका दूध निकाल लें। एक गिलास सोया मिल्क में प्रोटीन की मात्रा लगभग उतनी ही होती है, जितनी कि एक गिलास गाय के दूध में होती है। 200 मिली सोया मिल्क में 80 कैलोरी और लगभग 6.6 ग्राम प्रोटीन होता है।

पहला सेट हारने के बाद मेदवेदेव की दमदार वापसी

अल्माटी ओपन का खिताब जीतकर रचा इतिहास

कजाकिस्तान, एजेंसी। रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने शानदार वापसी करते हुए अल्माटी ओपन 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। शीर्ष वरीयता प्राप्त मेदवेदेव ने फाइनल में जॉर्जिया के निकोलोज बासिलाशविली को 6-7 (6), 6-1, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ मेदवेदेव ने पहली बार अपने करियर में किसी ञ्जक्क टूर टूर्नामेंट का खिताब सफलतापूर्वक बचाने का कारनामा किया।

पहला सेट गंवाने के बाद मेदवेदेव की शानदार वापसी – अल्माटी ओपन के फाइनल में बासिलाशविली ने आक्रामक शुरुआत करते हुए मेदवेदेव को कड़ी चुनौती दी। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले सेट में मुकाबला बराबरी का रहा और फैसला टाईब्रेक में पहुंचा। मेदवेदेव के पास सेट प्वाइंट का मौका भी आया, लेकिन वह उसे भुना नहीं सके और बासिलाशविली ने पहला सेट 7-6 (6) से जीत लिया।



दूसरे सेट में मेदवेदेव ने पलट दिया मैच – पहला सेट गंवाने के बाद मेदवेदेव ने अपने खेल में जबरदस्त सुधार किया। उनकी निरंतरता, मजबूत डिफेंस और सटीक शॉट्स के सामने बासिलाशविली की चुनौती कमजोर पड़ने लगी। मेदवेदेव ने दूसरे सेट में पूरी तरह दबदबा बनाते हुए इसे 6-1 से जीत लिया और मुकाबले में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली।

निर्णायक सेट जीतकर बचाया अल्माटी ओपन का खिताब – तीसरे सेट में भी मेदवेदेव ने अपनी लय बरकरार रखी और बासिलाशविली को वापसी का मौका नहीं दिया। उन्होंने निर्णायक सेट 6-3 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। एक घंटे 53 मिनट तक चले इस फाइनल में मेदवेदेव की सर्विस भी बेहद प्रभावी रही। वह पूरे मुकाबले में एक बार भी अपनी सर्विस नहीं गंवाने में सफल रहे और पहली सर्विस पर 78 प्रतिशत अंक हासिल किए।

करियर का 25वां और सीजन का चौथा खिताब – अल्माटी ओपन की जीत मेदवेदेव के करियर का 25वां ञ्जक्क टूर खिताब है, जबकि 2026 सीजन में यह उनकी चौथी ट्रॉफी रही। इससे पहले वह ब्रिस्बेन, दुबई और चेंगदू में भी खिताब जीत चुके हैं। इस सीजन में उनसे ज्यादा ATP टूर खिताब केवल इटली के यानिक सिनर ने जीते हैं, जिनके नाम छह ट्रॉफियां हैं।

अब वियना टूर्नामेंट में खेलेंगे मेदवेदेव – अल्माटी में खिताब जीतने के बाद मेदवेदेव अब वियना में होने वाले ञ्जक्क 500 टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। उन्होंने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी अलेक्जेंडर बुब्लिक के चोट के कारण मुकाबले से हटने के बाद फाइनल में जगह बनाई थी। बुब्लिक पहला सेट 3-6 से हारने के बाद मैच से हट गए थे।

रणजी ट्रॉफी

सारांश जैन ने झटके 7 विकेट, मध्य प्रदेश के खिलाफ बिहार 99 रन पर आउट



नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2026-27 के तीसरे चरण में मध्य प्रदेश के खिलाफ बिहार की टीम पहले दिन सोमवार (26 अक्टूबर) को पहले ही सत्र में ऑलआउट हो गई। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में बिहार की टीम सिर्फ 99 रन बना पाई। मध्य प्रदेश के लिए ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने 7 विकेट झटके। बिहार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और उसका यह फैसला गलत साबित हुआ। टीम के केवल दो बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। बिहार के लिए सबसे ज्यादा रन ओपनर मंगल महरौर ने बनाए। उन्होंने 87 गेंद पर 5 चौके की मदद से 42 रन बनाए।

साबिकबुल गनी भी फेल – मंगल के साथी ओपनर नमन गौरव बगैर खाता खोले पवेलियन लौट गए। श्रमण निग्रोध भी खाता नहीं खोल पाए। आयुष लोहारुका 1, कप्तान साबिकबुल गनी 2, आकाश राज बगैर खाता खोले, राघवेंद्र प्रताप सिंह 8, आदित्य राज 4, सूरज कश्यप 15 और हिमांशु 3 रन बनाकर आउट हुए। अमोद यादव 2 रन बनाकर नाबाद रहे। मध्य प्रदेश के लिए सारांश जैन ने 13 ओवर में 40 रन देकर 7 विकेट लिए। आवेश खान ने 2 और कुमार कार्तिकेय ने 1 विकेट लिए।

अनौपचारिक टेस्ट

पडिक्कल-सुदर्शन और यश की दमदार पारियों ने कराई वापसी

● भारत ए के नाम रहा तीसरा दिन



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच खेले जा रहे अनौपचारिक टेस्ट मैच का तीसरा दिन भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा। बर्ट सटक्लिफ ओवल के मैदान पर दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने शानदार वापसी करते हुए दूसरी पारी में 8 विकेट खोकर 488 रन बना लिए हैं। टेस्ट के तीसरे दिन की शुरुआत भारतीय टीम के लिए अच्छी रही। देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन ने अपनी 96 रनों की साझेदारी को आगे बढ़ाया और भारतीय टीम को 200 रनों का आंकड़ा पार कराया। सुदर्शन अपने शतक से चूक गए और 184 गेंदों में 91 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 12 चौके लगाए। हालांकि, ध्रुव जुरेल बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह महज 2 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पडिक्कल और यश राठौड़ ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 142 रनों की अहम साझेदारी निभाई। पडिक्कल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 248 गेंदों में 199 रनों की यादगार पारी खेली। हालांकि, वह अपने दोहरे शतक से सिर्फ एक रन से चूक गए। पडिक्कल जैक गिब्सन की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए। मगर वह अंपायर के फैसले से नाखुश दिखाई दिए। भारतीय बल्लेबाज ने अपनी इस पारी में 24 चौके और 3 छक्के लगाए। यश ने 72 गेंदों का सामना करते हुए 66 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। यश ने अपनी पारी में कुल 8 चौके लगाए। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर और अंशुल कंबोज ने भी मिलकर 41 रनों की अहम पार्टनरशिप की। अंशुल 36 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। कंबोज के आउट होने के बाद वॉशिंगटन को आकिब नबी के रूप में एक और जोड़ीदार मिला और दोनों ने मिलकर 106 गेंदों में 69 रन जोड़े। आकिब ने 63 गेंदों में 38 रन बनाए। वहीं, सुंदर दिन का खेल खत्म होने तक अपना अर्धशतक पूरा कर 51 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। वह अपनी इस पारी में अब तक 6 चौके लगा चुके हैं। सुंदर का साथ आकाशदीप बिना खाता खोले निभा रहे हैं। भारत की कुल बढ़त 284 रनों की हो चुकी है और टीम के अभी 2 विकेट शेष हैं। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में जैक गिब्सन और क्रिस्टियन क्लार्क ने दो-दो विकेट चटकाए। वहीं, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने एक विकेट झटका।

100 गोल पूरे करने पर बोले एमबाप्पे

यह उपलब्धि उतनी अहम नहीं

इस मैच के असली हीरो पूरी टीम और सभी खिलाड़ी हैं, क्योंकि हमें पता था कि हमें एक मजबूत खेल दिखाना है, और वह भी एक टीम के रूप में। हमने पिछले कुछ मैचों में अच्छी तैयारी की थी, जिसका नतीजा यह रहा कि हम जीते और अच्छा खेले। हम एक सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरे और अपना पूरा जोर लगा दिया।

एमबाप्पे ने सफलता का श्रेय टीमवर्क को दिया

उन्होंने आगे कहा, 'इस मैच के असली हीरो पूरी टीम और सभी खिलाड़ी हैं, क्योंकि हमें पता था कि हमें एक मजबूत खेल दिखाना है, और वह भी एक टीम के रूप में। हमने पिछले कुछ मैचों में अच्छी तैयारी की थी, जिसका नतीजा यह रहा कि हम जीते और अच्छा खेले। हम एक सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरे और अपना पूरा जोर लगा दिया। '2024/25 सीजन में अटलांटा के खिलाफ यूईएफए सुपर कप फाइनल में रियल मैड्रिड के लिए अपना पहला गोल करने के बाद से एमबाप्पे ने 2024/25 का 'गोल्डन बूट' और दो 'पिचिची ट्रॉफियां' (2024/25 और 2025/26) जीती हैं। इसके अलावा, वह पिछली चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी (टॉप स्कोरर) भी रहे थे।



बार्सिलोना, एजेंसी। रियल मैड्रिड के लिए 100 गोल पूरे करने के बाद स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी किलियन एमबाप्पे ने कहा कि यह उपलब्धि उतनी अहम नहीं है, क्योंकि अभी और भी कई गोल आने बाकी हैं। एमबाप्पे ने 'एल क्लासिको' के दौरान रियल मैड्रिड के लिए अपने 100 गोल पूरे किए। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए, जिससे कैंप नोउ में टीम की जीत पक्की हो गई। उन्होंने अपने 116वें मैच में यह मुकाम हासिल किया। रियल मैड्रिड के लिए उनके 100 गोल इस प्रकार हैं: ला लीगा में 67, चैंपियंस लीग में 25, कोपा डेल रे में 4, क्लब वर्ल्ड कप में 2, यूईएफए सुपर कप में 1 और स्पेनिश सुपर कप में 1 गोल। एमबाप्पे ने क्लब के साथ अपने पहले सीजन में 44 गोल किए, पिछले सीजन में 42 गोल किए, और इस सीजन में अब तक 14 गोल कर चुके हैं। एमबाप्पे ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। सभी जानते हैं कि मुझे गोल करना और इस तरह टीम की मदद करना पसंद है। हालांकि, मुझे लगता है कि यह बस एक छोटी सी बात है, क्योंकि सबसे अहम चीज टीम की जीत और पूरी टीम की मेहनत है। इस जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा, और आगे भी कई गोल होंगे, इसलिए यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।' 2025 में उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में रियल मैड्रिड के लिए सबसे अधिक गोल करने के मामले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के रिकॉर्ड की बराबरी की।

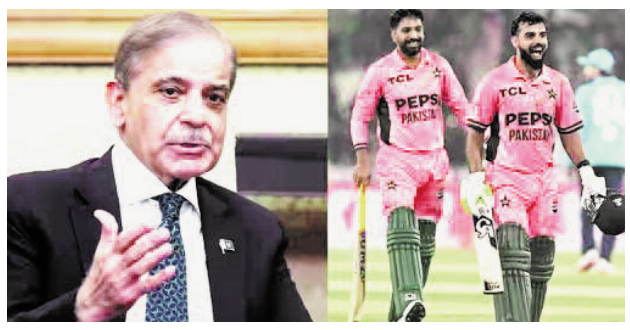


उन्होंने 59 गोल किए। इसके अलावा, पिछले विश्व कप के दौरान फ्रांस का प्रतिनिधित्व करते हुए एमबाप्पे 22 गोल के साथ इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने।

एक मैच क्या जीत गए पूरा देश होश खो बैठा

शहबाज शरीफ ने किया लंबा-चौड़ा पोस्ट, फैंस बोले- वर्ल्ड कप नहीं जीते हो शर्म करो

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्राई सीरीज के चौथे वनडे मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान की 1 विकेट से मिली रोमांचक और अकल्पनीय जीत के बाद देशभर में जश्न का माहौल है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 154 रन पर 9 विकेट गंवाने के बाद ऑलराउंडर शादाब खान (113) और हारिस रऊफ की रिकॉर्ड 89 रनों की साझेदारी ने पाकिस्तान को हार के मुंह से निकालकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।



शहबाज शरीफ ने की तारीफ

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खिलाड़ियों के साथ-साथ पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी की तारीफ करते हुए लिखा, 'बहुत बढ़िया, टीम पाकिस्तान! शाबाश! लाहौर में इंग्लैंड पर शानदार जीत के लिए हमारे लड़कों को हार्दिक बधाई। हर रन, हर विकेट और हर कैच ने उस धैर्य, अनुशासन और जुझारूपन को दर्शाया जो पाकिस्तान की पहचान है। शादाब और हारिस के बीच आखिरी विकेट की साझेदारी ने मैच का रुख पलट दिया।'

कहा- वेल डन बॉयज

उन्होंने आगे लिखा, 'शादाब का शतक शानदार था। वेल डन बॉयज! आज रात लाहौर की जनता की गर्जना पूरे देश की आवाज थी। आपने करोड़ों दिलों को गर्व और खुशी से भर दिया है। मैं पाकिस्तान क्रिकेट को मजबूत करने और हमारे घरेलू मैदान को विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का गौरवशाली मेजबान बनाने के उनके अथक प्रयासों के लिए पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और उनकी पूरी टीम की भी सराहना करता हूं।'

कड़वाहट के साथ 25 साल का रिश्ता खत्म



नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ट क्रिकेट इतिहास के महानतम तेज गेंदबाजों में शामिल जेम्स एंडरसन का लंकाशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के साथ सफर समाप्त हो गया है। क्लब ने 2027 सीजन के लिए उनका कॉन्ट्रैक्ट आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। एंडरसन 2002 में क्लब का हिस्सा बने थे।

जेम्स एंडरसन अलग होने से खुश नहीं

44 साल के जेम्स एंडरसन ने 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उसके बाद काउंटी में लंकाशायर के लिए खेलना जारी रखा। इस दौरान उन्होंने टीम की कप्तानी भी की। जेम्स एंडरसन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैं बचपन से लंकाशायर का सपोर्टर करता आया हूं। इसलिए 25 साल तक इस टीम के लिए खेलना एक सपना सच होने जैसा था। ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलने के लिए मैदान पर उतरना मेरे लिए हमेशा से ही बहुत खास रहा है।

चोटिल ईशान किशन तीसरे टी20 मैच से हुए बाहर

● भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीतने की उम्मीद कर रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से बाहर हो गए हैं क्योंकि वे दाहिनी मांसपेशी में खिंचाव से उबर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को पुष्टि की कि किशन तेजी से ठीक हो रहे हैं, लेकिन 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में होने वाले मैच से पहले उन्हें अभी भी मैच फिटनेस हासिल करनी बाकी है। किशन को पिछले सप्ताह पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच के दौरान



मामूली मोच आ गई थी । वह दूसरा मैच भी नहीं खेल पाए, और उनकी अनुपस्थिति में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, 'बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान की प्रगति पर नजर रख रही है,' और साथ ही यह भी कहा कि अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्रा तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए टीम का हिस्सा बने रहेंगे। किशन की अनुपस्थिति का मतलब है कि भारत को इस बाएं हाथ के बल्लेबाज के पूरी तरह फिट होने का इंतजार करना होगा, क्योंकि टीम प्रबंधन ने उन्हें जल्दबाजी में मैदान में उतारने का फैसला नहीं किया है। दाहिनी जांघ की अंदरूनी मांसपेशियों में खिंचाव से खिलाड़ी की गति और विकेटों के बीच दौड़ने में बाधा आ सकती है।

ईशान की सेहत में सुधार?

भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा कि एहतियात के तौर पर किशन तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई के अपडेट में यह भी बताया गया कि विकेटकीपर-बल्लेबाज की हालत में सुधार हो रहा है, हालांकि अभी तक वह मैच के लिए आवश्यक फिटनेस स्तर तक नहीं पहुंचे हैं।
किशन के चोटिल होने के बाद कुशाग्रा को बैकअप के तौर पर टीम में शामिल किया गया था और वह मंगलवार के मैच में भी टीम के साथ रहेंगे। वहीं, दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सूर्यवंशी ने किशन की जगह ली। भारत वेलिंगटन में सीरीज अपने नाम करने की कोशिश करेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में भारत 2-0 की बढ़त के साथ उतरेगा। वेलिंगटन में जीत से मेहमान टीम को अजेय बढ़त मिल जाएगी और दो मैच शेष रहते ही सीरीज अपने नाम कर लेगी। किशन की अनुपलब्धता को देखते हुए, संजू सैमसन से विकेटकीपिंग की भूमिका जारी रखने की उम्मीद है, जबकि वैभव सूर्यवंशी को शीर्ष क्रम में एक और मौका मिलने की संभावना है।



'रामायण' की कहानियां सुनकर बड़े हुए, अब उसी का हिस्सा

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में आदिनाथ कोठारे भरत की भूमिका निभा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने शुरुआत में लक्ष्मण के किरदार के लिए ऑडिशन दिया था। करीब छह महीने बाद उन्हें फोन आया कि उन्हें भरत के रोल के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। फिल्म की शूटिंग के दौरान रणबीर कपूर के साथ उनका एक पुराना स्कूल कनेक्शन भी सामने आया। आदिनाथ ने बताया कि कैसे रणबीर ने पहले सीन के दौरान उन्हें एक खास सुझाव दिया।

पटकथा से वीएफएक्स तक, एक दशक से चल रहा है काम

आदिनाथ बताते हैं कि फिल्म की तैयारी कई साल पहले शुरू हो गई थी। वह कहते हैं, 'फिल्म की पटकथा पर 2016-17 से काम चल रहा है। वीएफएक्स पर 2018-19 से काम हो रहा है। दर्शक पर्दे पर जो देखने वाले हैं, उसके पीछे करीब एक दशक की मेहनत है। इसके लिए बहुत धैर्य, लगातार काम और शोध की जरूरत पड़ी है। पूरी टीम ने इस फिल्म के लिए बहुत मेहनत की है।' आदिनाथ का कहना है कि रामायण से उनका जुड़ाव बचपन से रहा है। ऐसे में इस कहानी का हिस्सा बनना उनके लिए खास है। वह कहते हैं, 'रामायण की कहानियां सुनकर हम बड़े हुए हैं। यह हमारे दिल और आत्मा में बसी हुई है। इससे जुड़ी भावनाएं हमारे भीतर हैं। ऐसे में इस कहानी का हिस्सा बनना कैसा अनुभव है, इसे शब्दों में समझाना मुश्किल है।' भरत के किरदार की तैयारी के बारे में वह बताते हैं, 'जब मैं 'रामायण' के सेट पर जाता था, तो वहां एक दैवीय ऊर्जा महसूस होती थी। मैंने अपनी तरफ से तैयारी की, पढ़ाई की और रामायण से जुड़ी जितनी सामग्री मिल सकी, उसे पढ़ने की कोशिश की।

भरत के किरदार के लिए हुआ चयन

आदिनाथ ने बताया कि उन्होंने सबसे पहले लक्ष्मण की भूमिका के लिए ऑडिशन दिया था। इसके बाद उन्हें भरत के किरदार के लिए चुने जाने की जानकारी मिली। वह कहते हैं, 'मैंने सबसे पहले लक्ष्मण के किरदार के लिए ऑडिशन दिया था। यह करीब तीन-चार साल पहले की बात है। उसके लगभग छह महीने बाद मुझे फोन आया कि मुझे भरत के किरदार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।'

नकारात्मक प्रतिक्रियाएं एल्गोरिदम की वजह से ज्यादा दिखती हैं

'रामायण' को लेकर सोशल मीडिया पर आ रही नकारात्मक प्रतिक्रियाओं के बारे में आदिनाथ का कहना है कि वहां फिल्म को लेकर सकारात्मक उम्मीदें और उत्साह भी है। वह कहते हैं, 'सोशल मीडिया पर नकारात्मक प्रतिक्रियाएं एल्गोरिदम की वजह से भी ज्यादा दिखाई देती हैं। वहां सकारात्मक उम्मीदें और उत्साह भी है। मुझे फिल्म के निर्माताओं की मेहनत और ईमानदारी पर भरोसा है।' फिल्म की कुछ पंक्तियों की डबिंग करते समय आदिनाथ को फिल्म की दुनिया की एक झलक देखने को मिली। इसे देखकर वह इतने भावुक हो गए कि उनकी आवाज भर्रा गई।वह कहते हैं, 'कुछ समय पहले मुझे फिल्म की कुछ पंक्तियों की डबिंग करनी थी। उस दौरान मुझे नितेश सर और नमित सर की बनाई दुनिया की एक झलक देखने को मिली। मैं भावुक होकर रो पड़ा। स्क्रीन और माइक के सामने खड़े-खड़े मेरी आवाज भर्रा गई। यह अहसास बहुत भावुक कर देने वाला था कि मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं।' आदिनाथ इस फिल्म से अपने जुड़ाव को दैवीय अनुभव मानते हैं। वह कहते हैं, 'रामायण मेरे लिए दैवीय हस्तक्षेप जैसी है। कभी-कभी मुझे लगता है कि मैंने अपनी जिंदगी में या पिछले जन्म में कुछ अच्छा किया होगा, जिसकी वजह से मुझे इस पवित्र प्रक्रिया का हिस्सा बनने का मौका मिला।'

'रामायण' के सेट पर फिर याद आए पुराने दिन



रणबीर कपूर और आदिनाथ कोठारे मुंबई के बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल में पढ़ चुके हैं। रणबीर उनसे सीनियर थे। 'रामायण' के सेट पर मुलाकात हुई, तो आदिनाथ ने उन्हें स्कूल के दिनों की बात याद दिलाई। वह बताते हैं, 'रणबीर कपूर और मैं एक ही स्कूल, बॉम्बे स्कॉटिश में पढ़ते थे। वह मुझसे सीनियर थे। जब मैं छठी या सातवीं कक्षा में था, तब हमारे एक साझा दोस्त बिनॉय गांधी ने उनसे मेरा परिचय कराया था। 'रामायण' के सेट पर उनसे मिला, तो मैंने उन्हें यह बात याद दिलाई।' फिल्म में दोनों का पहला सीन स्वयंवर के प्रसंग का था। उस दृश्य में रणबीर राम, रवि दुबे लक्ष्मण और आदिनाथ भरत की भूमिका में थे। पहले दिन रणबीर ने आदिनाथ को एक सुझाव दिया, जो उनके काम आया।



राम पोथिनेनी की फिल्म से तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार हैं रितेश देशमुख

बॉलीवुड में अपनी दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाले अभिनेता रितेश देशमुख अब तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रहे हैं। एक्टर एनर्जेटिक स्टार राम पोथिनेनी की फिल्म के साथ रितेश अपने तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने फिल्म में उनकी एंट्री का ऐलान कर दिया है। खास बात यह है कि इन दिनों हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग चल रही है और वहां रितेश भी टीम के साथ जुड़ गए हैं। अब फिल्म के सेट से एक बिहाइंड द सीन्स वीडियो सामने आया है, जिसमें राम पोथिनेनी अभिनेता रितेश का गर्मजोशी से स्वागत करते और उन्हें गले लगाते नजर आ रहे हैं।

कौन करेगा फिल्म का निर्देशन

फिल्ममें राम पोथिनेनी सिर्फ एक्टिंग ही नहीं कर रहे, बल्कि बतौर डायरेक्टर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं। कृष्णा पोथिनेनी के प्रोडक्शन हाउस रापो सिनेमैटिक्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है। फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है, लकिन यह इसी साल दिसंबर में आएगी।

क्या होगी फिल्म की कहानी

फिल्म की कहानी नियो-नोयर दुनिया में सेट है, जो इसके रहस्य और रोमांच को एक अलग अंदाज देने वाली है। अब 'एक विलेन', 'रेड 2' और 'राजा शिवाजी' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का दम दिखा चुके रितेश देशमुख साउथ सिनेमा में भी अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म की स्क्रिप्ट और अपने किरदार से प्रभावित होकर रितेश ने इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भरी। फिल्म में उनका किरदार कहानी के लिहाज से बेहद अहम होने वाला है।



मुझे सपोर्टिंग एक्टर या कैरेक्टर एक्टर जैसे ठप्पे बिल्कुल नापसंद हैं

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मनोज बाजपेयी अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। यह शुक्रवार, 23 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। इसमें उनके साथ दिव्या दत्ता और श्रद्धा दास भी हैं। यह वही फिल्मो है, जो इसी साल फरवरी में अपने टाइटल 'घूसखोर पंडत' को लेकर विवादों में रही थी। अब नए नाम के साथ फिल्म आई है। इंटरव्यू में दिव्या दत्ता ने फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों के साथ होने वाले भेदभाव, उन्हें एक तय छवि में बांधने और लीड और को-एक्टर के बीच फर्क करने की सोच पर खुलकर बात की। दिव्या ने कहा कि हर कलाकार को उसकी प्रतिभा के आधार पर पहचान मिलनी चाहिए। दोनों कलाकारों का मानना है कि ओटीटी के आने से इंडस्ट्री में बदलाव हो रहा है और दर्शक भी अब कहानियों व किरदारों को ज्यादा बारीकी से समझने लगे हैं।

दिव्या दत्ता को पसंद नहीं 'सपोर्टिंग एक्टर' का टैग

कलाकारों को एक ही तरह की छवि में बांधने के मुद्दे पर दिव्या दत्ता ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि उन्हें 'सपोर्टिंग एक्टर' और 'कैरेक्टर एक्टर' जैसे टैग बिल्कुल पसंद नहीं हैं। दिव्या ने कहा, 'मुझे सपोर्टिंग एक्टर या कैरेक्टर एक्टर जैसे ठप्पे बिल्कुल नापसंद हैं। क्योंकि जब आपको समझ नहीं आता कि किसी कलाकार को किस श्रेणी में रखा जाए, तो आप बस उसे एक आम और सीमित नजरिए से देखने लगते हैं।' उनका मानना है कि किसी कलाकार को एक तय श्रेणी में रखने से उसकी प्रतिभा को समझने का नजरिया सीमित हो जाता है।

हर कलाकार को एक ही कैटेगरी में क्यों बांधना?

दिव्या दत्ता ने कलाकारों को एक ही कैटेगरी में बांधने की सोच पर अपनी बात रखते हुए कहा, 'लेकिन आप बस एक एक्टर क्यों नहीं हो सकते? मैं एक फिल्म में विलेन का रोल कर सकता हूं, तो दूसरी में लीड रोल भी कर सकता हूं। मेरा एक शो (चिरैया) था, जो पूरी तरह से मेरे कंधों पर टिका था और उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप मुझे बस एक ही कैटेगरी में बांध दें।'

हम जिन सीन्स में होते हैं, हम उन सीन्स के हीरो होते हैं

दिव्या ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि लोगों के बीच एक ऐसी सोच बन गई है कि अगर हमें कोई और टैग नहीं मिल रहा है, तो शायद हम बहुत आलसी हैं, इसलिए चलो इन्हें बस सपोर्टिंग एक्टर ही कह देते हैं। हमें यह पसंद नहीं है, कृपया हमें ऐसा न कहें। हम खुद को एक पूर्ण एक्टर मानते हैं; जिन सीन्स में हम होते हैं, हम उन सीन्स के हीरो होते हैं।' दिव्या की इस बात से मनोज बाजपेयी भी सहमत नजर आए। दोनों का मानना है कि कलाकार को किसी एक टैग तक सीमित करने के बजाय उसके काम और एक्टिंग के आधार पर पहचान मिलनी चाहिए।

ओटीटी के आने से कलाकारों को मिल रहे बेहतर मौके

दिव्या दत्ता का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आने से फिल्म इंडस्ट्री में धीरे-धीरे बदलाव हो रहा है। अब छोटे या सहायक किरदार निभाने वाले कलाकारों को भी अपना टैलेंट दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं। मनोज ने कहा, 'पहले, छोटे या सपोर्टिंग रोल करने वाले कई एक्टर्स के साथ काफी नाइंसाफी होती थी, लेकिन अब हालात काफी बेहतर हैं। कई प्रड्यूसर्स अब इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि सभी को एक जैसा सम्मान और मौके मिलें। खासकर ओटीटी के आने के बाद से चीजें पूरी तरह बदल गई हैं। हमें अपने देश में ओटीटी के आने का शुक्रगुजार होना चाहिए।'



दिसंबर में दूल्हा बनेंगे तेजा सज्जा

तेजा सज्जा फिलहाल शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट कर रहे हैं। इस बीच खबरें सामने आ रही हैं कि एक्टर जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। एक्टर ने खुद इस बात की जानकारी शेयर की है।

तेजा सज्जा ने अपनी शादी के बारे में बात करते हुए कहा कि ये एक अरेंज मैरिज है, जो मेरे माता-पिता ने फिक्स की है। अपनी होने वाली दुल्हन के बारे में कुछ बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि उनकी होने वाली पत्नी की परवरिश अमेरिका में हुई है। वह फिल्मी दुनिया की चकाचौंध से पूरी तरह दूर हैं। तेजा ने कहा, 'उनकी परवरिश अमेरिका में हुई है और उन्हें इस चमक-दमक के बारे में बिल्कुल जानकारी नहीं है। मुझे उनकी यही बात सबसे ज्यादा पसंद आई और मैं चाहता हूं कि आगे भी ऐसा ही रहे। उनके परिवार का फिल्मों से कोई संबंध नहीं है। वे टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम करते हैं और वह अपने पिता के साथ काम करती हैं।'

खबरों के मुताबिक, तेजा सज्जा अपनी शादी को बेहद निजी रखना चाहते हैं। वह किसी बड़े समारोह के बजाय परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी करने का प्लान बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि उनकी सगाई नवंबर में हो सकती है, जबकि शादी दिसंबर में उदयपुर में होने की चर्चा है। तेजा ने अपनी निजी जिंदगी को हमेशा लाइमलाइट से दूर रखा है। शादी को लेकर भी वह इसी तरीके को अपनाना चाहते हैं। अभिनेता ने कहा, 'मैंने हमेशा अपनी निजी जिंदगी को पूरी तरह निजी रखा है और शादी के मामले में भी ऐसा ही करूंगा। यह एक छोटा समारोह होगा, जिसमें सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त शामिल होंगे।'

राजस्थान के उदयपुर में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी करने के बाद तेजा सज्जा हैदराबाद में रिसेप्शन दे सकते हैं। इस समारोह में तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के कई कलाकारों और अन्य हस्तियों के शामिल होने की संभावना है।

शादी की खबरों के अलावा तेजा सज्जा अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चा में हैं। अभिनेता फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी एनएक्सटी एलवीएल' में मुख्य भूमिका में वापसी करेंगे। यह साल 2019 में आई फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' का सीक्वल है और इसका निर्देशन सुपर्ण एस वर्मा कर रहे हैं। इसके अलावा तेजा फिल्म 'जय हनुमान' में भी नजर आएंगे। इस फिल्म में वह एक बार फिर हनुमंथु का किरदार निभाएंगे, जबकि ऋषभ शेट्टी भगवान हनुमान की भूमिका में दिखाई देंगे।

जान्हवी कपूर के 'पेद्दी' विवाद पर बोलीं रश्मिका

शो 'कॉफी विद करण' के नौवें सीजन में रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा पहुंचे। इस जोड़ी ने अपनी निजी जिंदगी से लेकर सिनेमा तक कई दिलचस्प मुद्दों पर बात की। इसी दौरान रश्मिका-विजय ने इंडस्ट्री में कॉस्ट्यूम की सीमाओं पर चर्चा की। उनका रिएक्शन 'पेड्डी' विवाद के बीच अभिनेत्रियों पर होने वाले दबाव का संकेत देता है।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने काम के दौरान कुछ पर्सनल बाउंड्री बनाने के महत्व पर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि वे हमेशा स्किन दिखाने में कम्फर्टेबल नहीं होतीं। रश्मिका ने कहा कि कुछ किरदारों के लिए खास लुक्स की जरूरत हो सकती है। मगर, वे ज्यादा स्किन शो के साथ सहज नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ चीजें हैं, जहां मैं सहज नहीं हूं। मुझे पता है कि कुछ कैरेक्टर्स को बिकिनी जैसी किसी चीज की जरूरत होती है, लेकिन मैं उसमें भी कहूंगी कि मैं एक्सपोजिंग और स्किन शो के साथ बहुत सहज नहीं हूं। मैं उस तरह की इंसान नहीं हूं'।

रश्मिका ने माना कि कमर्शियल फिल्मों में कभी-कभी ऐसे कॉस्ट्यूम की जरूरत होती है, जिन्हें पहनकर परफॉर्मर पूरी तरह से सहज महसूस न करें। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक्टर्स को बिना डरे अपनी परेशानियां बतानी चाहिए। बाउंड्री बनानी चाहिए। एक्ट्रेस ने कहा, 'जब आप कमर्शियल फिल्में करते हैं, तो ऐसे कॉस्ट्यूम होंगे, जिनमें आप पूरी तरह से कम्फर्टेबल नहीं होंगे। लेकिन साथ ही, कुछ लाइनें होती हैं, जो मैं अपने लिए बनाती हूं'। एक्ट्रेस ने कहा, 'ज्यादातर फिल्मों में डायरेक्टर इससे सहमत होते हैं और मैं ऐसे लोगों के साथ ही काम करना पसंद करती हूं'।

क्या है जान्हवी कपूर से जुड़ा विवाद

फिल्म 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर के किरदार की सोशल मीडिया पर आलोचना हुई। दर्शकों ने इसे हद से ज्यादा बोल्ड बताया। कैमरा वर्क, रोमांटिक सीन और उनके फिजिकल अपीयरेंस पर फोकस करना भी विरोध का हिस्सा बन गया। बाद में जिन सीन को लेकर आलोचना हुई, उन्हें फिल्म से हटा दिया गया। फिल्म के निर्देशक ने माफी भी मांगी थी।



व्यापारी संगठनों ने दिवाली के दौरान 10 हजार करोड़ रुपये के कारोबार पर असर पड़ने की जताई आशंका, रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली की तैयारियां जारी

दिल्ली में 1 नवंबर की महारैली पर सियासी घमासान, राहुल गांधी बोले—रैली नहीं होगी स्थगित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस की ओर से 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली को लेकर सियासी और कारोबारी हलकों में हलचल तेज हो गई है। व्यापारी संगठनों ने दिवाली के त्योहार के बीच रैली आयोजित करने पर आपत्ति जताते हुए इसे बाद में कराने की मांग की है। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रैली स्थगित करने से इनकार करते हुए कहा कि पार्टी दिल्ली के व्यापारियों की बात सुन रही है। इस मुद्दे पर अब राजनीतिक मांगों और व्यापारिक हितों को लेकर बहस तेज हो गई है। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि दिल्ली के हर व्यापारी से उन्हें प्यार है और उनकी बात सुनी जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग करते हुए कहा कि ऐसा होने पर 30 सेकंड में आंदोलन रुक जाएगा। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब व्यापारी संगठन रैली के कारण बाजारों में कारोबार प्रभावित होने की आशंका जता रहे हैं। सोमवार को दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में व्यापारियों ने प्रदर्शन कर कांग्रेस से महारैली को दिवाली के बाद आयोजित करने की मांग की। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने कहा कि इस मुद्दे पर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सभी दलों को पत्र लिखा जाएगा। संगठन ने चेतावनी दी है कि त्योहारों के दौरान रैली और उससे जुड़े यातायात प्रतिबंधों के कारण व्यापार को करीब 10 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। व्यापारी संगठनों का कहना है कि दिवाली का समय दिल्ली के बाजारों के लिए साल के सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी अवसरों में से एक है। इस दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में खरीदार थोक बाजारों में पहुंचते हैं। ऐसे में बड़े आयोजन के कारण यातायात बाधित होने या बाजारों तक पहुंचने में परेशानी आने से कारोबार पर असर पड़ सकता है। व्यापारियों के अनुसार, रामलीला मैदान के आसपास पांच किलोमीटर के दायरे में स्थित 20 से अधिक प्रमुख थोक बाजार प्रभावित हो सकते हैं। इनमें चांदनी चौक, सदर बाजार, खारी बावली, नया बाजार, चावड़ी बाजार, दरियागंज और कश्मीरी गेट जैसे कारोबारी इलाके शामिल हैं। व्यापारियों ने आशंका जताई है कि बैरिकेडिंग, सड़क बंद होने और यातायात प्रतिबंधों के कारण दिल्ली के बाहर से आने वाले खरीदारों को बाजारों तक पहुंचने में परेशानी हो सकती है। संगठन का दावा है कि दिल्ली के बाहर से रोजाना आने वाले तीन से चार लाख खरीदारों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, यातायात की स्थिति को देखते हुए स्थानीय ग्राहक भी बाजारों में आने से बच सकते हैं। हालांकि, रैली के दौरान वास्तविक यातायात व्यवस्था और बाजारों पर पड़ने वाले प्रभाव की स्थिति प्रशासन की ओर से किए जाने वाले इंतजामों पर निर्भर करेगी। व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के मुताबिक, वर्ष 2025 में दिल्ली के



प्रमुख बाजारों में दिवाली के दौरान त्योहारी बिक्री करीब 75 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी। व्यापारियों का कहना है कि इस साल भी त्योहार के दौरान कारोबार के लिहाज से महत्वपूर्ण समय है। ऐसे में बड़े आयोजन के कारण ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित होने पर दुकानदारों, थोक व्यापारियों और छोटे कारोबारियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

भारत में जल्द दौड़ेंगी 100% एथेनॉल से चलने वाली कारें, सरकार ने दी मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूर

नई दिल्ली। भारत में अब 100 प्रतिशत एथेनॉल ईंधन से चलने वाली कारों के इस्तेमाल का रास्ता साफ हो गया है। केंद्र सरकार ने ई100 ईंधन के उपयोग को मंजूरी दे दी है। इसके तहत ऐसी गाड़ियों की टेस्टिंग और उन्हें चलाने की अनुमति मिल सकेगी, जिन्हें वाहन निर्माता कंपनियां विशेष रूप से इस ईंधन के लिए तैयार करेंगी। इस



कदम को पेट्रोल के विकल्प के रूप में एथेनॉल आधारित ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में अहम माना जा रहा है। ई100 का अर्थ 100 प्रतिशत एथेनॉल ईंधन है। एथेनॉल एक जैव ईंधन है, जिसे मुख्य रूप से गन्ने और मक्के जैसे कृषि उत्पादों से तैयार किया जाता है। इसमें पेट्रोल की मिलावट नहीं होती। हालांकि, इसका इस्तेमाल सामान्य पेट्रोल कारों में नहीं किया जा सकेगा। इसके लिए इंजन और ईंधन प्रणाली को विशेष रूप से तैयार करना जरूरी होगा। ई व्यवस्था का असर सामान्य पेट्रोल या ई20 पेट्रोल पर चलने वाली मौजूदा गाड़ियों पर नहीं पड़ेगा। ऐसी कारों में ई85 या ई100 ईंधन का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, जब तक वे इसके लिए विशेष रूप से डिजाइन और प्रमाणित न हों। मौजूदा कार मालिकों को अपनी गाड़ियों में बदलाव कराने या उन्हें नए ईंधन पर चलाने की जरूरत नहीं है। पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियां भी पहले की तरह विकल्प बनी रहेंगी। फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक वाली गाड़ियों को अलग-अलग अनुपात में पेट्रोल और एथेनॉल के मिश्रण पर चलाने के लिए तैयार किया जाता है। इन वाहनों में ईंधन के मिश्रण के अनुसार इंजन की कार्यप्रणाली को अनुकूल बनाने की तकनीक होती है।

एक डॉलर की टिप भेजने के लिए एक्स पर आएगा नया फीचर, लाइक बटन दबाते ही होगा भुगतान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सोशल मीडिया मंच एक्स के मालिक इलॉन मस्क ने उपयोगकर्ताओं के लिए एक नए फीचर की घोषणा की है। इसके तहत उपयोगकर्ता लाइक बटन को कुछ देर तक दबाकर किसी भी उपयोगकर्ता या सामग्री निर्माता को एक डॉलर की टिप भेज सकेंगे। यह भुगतान एक्स के पेमेंट प्लेटफॉर्म 'एक्स मनी' के जरिए किया जाएगा। फिलहाल यह सुविधा केवल अमेरिका के उपयोगकर्ताओं के लिए



उपलब्ध कराने की योजना है। इलॉन मस्क ने एक्स पर पोस्ट कर इस नए फीचर की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लाइक बटन को कुछ देर तक दबाने का विकल्प जोड़ा जा रहा है, जिससे उपयोगकर्ता एक्स मनी के जरिए किसी को भी एक डॉलर भेज सकेंगे। इस व्यवस्था के तहत किसी पोस्ट के निर्माता को आर्थिक सहयोग देने के लिए अलग से लंबी भुगतान प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। इस फीचर का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं के लिए सामग्री निर्माताओं को सीधे आर्थिक सहयोग देना आसान बनाना है। भुगतान एक्स मनी के माध्यम से पूरा होगा और राशि उपयोगकर्ता के खाते से भेजी जाएगी। इससे मंच पर सामग्री बनाने वाले लोगों को उनके काम के लिए सीधे टिप मिलने का विकल्प मिल सकता है। हालांकि, कंपनी ने अभी तक इस सुविधा को शुरू करने की तारीख और पात्रता से जुड़ी शर्तों का खुलासा नहीं किया है। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि उपयोगकर्ता एक डॉलर की निर्धारित राशि को बदल सकेंगे या भविष्य में भुगतान की अन्य रकम चुनने का विकल्प भी मिलेगा। फिलहाल इस सुविधा को लेकर विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

तमलुक में भाजपा कार्यालय के भूमि पूजन के बाद दिया बयान, दो दिन में दूसरी बार 'कॉकरोच पार्टी' पर साधा निशाना

सुवेंदु अधिकारी का विपक्ष पर निशाना, बोले– 'दिमागी नक्सल' और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' को पनपने न दें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए लोगों से 'दिमागी नक्सल', 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' और कॉकरोचों को पनपने नहीं देने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े रहने की बात कही। सुवेंदु अधिकारी ने यह बयान तमलुक में भाजपा के पार्टी कार्यालय के भूमि पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया सुवेंदु अधिकारी ने दो दिनों में दूसरी बार 'कॉकरोच पार्टी' को लेकर बयान दिया है। रविवार को रामनगर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कॉकरोच और खटमल जैसी बुराइयों की तुलना कोरोना वायरस से करते हुए कहा था कि इन्हें कीटनाशक स्प्रे 'हिट' से ही खत्म किया जा सकता है। उनके इस बयान को विपक्षी दल पर निशाने के रूप में देखा जा रहा है।



एसआईआर के विरोध को लेकर भी राजनीतिक टकराव

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी दलों की ओर से अक्टूबर में कई विरोध कार्यक्रम आयोजित करने और उनका आह्वान करने की जानकारी सामने आई थी। 2 अक्टूबर को मुंबई से देशव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की गई थी। इसके बाद 3 अक्टूबर को मुंबई के शिवाजी पार्क और दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन हुए। 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर भी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया गया था। नीट मामले में भी किया था लंबा प्रदर्शन इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी ने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए 20 जून से 25 जुलाई तक जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। दिए गए विवरण के अनुसार, यह प्रदर्शन 36 दिनों तक चला और इसमें कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी भूख हड़ताल पर बैठे थे। 20 जुलाई को संसद तक मार्च निकालने की बात भी कही गई थी। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन समाप्त होने का दावा किया गया है। सुवेंदु अधिकारी के ताजा बयान के बाद पश्चिम बंगाल में विपक्ष को लेकर राजनीतिक बयानबाजी फिर चर्चा में आ गई है।

दलेर मेहंदी से मंत्री सुबोध उनियाल ने मांगी माफी, मीका सिंह की टीम ने किया स्वागत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में गायक दलेर मेहंदी की प्रस्तुति के दौरान हुए विवाद के बाद कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने उनसे फोन पर बात कर घटना पर अफसोस जताया और माफी मांगी। गायक मीका सिंह की टीम ने मंत्री के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि कलाकारों के सम्मान और गरिमा की रक्षा करना जरूरी है। मीका सिंह की टीम की ओर से जारी बयान के अनुसार, सुबोध उनियाल ने दलेर मेहंदी से फोन पर बातचीत कर दुर्भाग्यपूर्ण



घटना के लिए माफी मांगी। टीम ने कहा कि दलेर मेहंदी संगीत जगत के वरिष्ठ कलाकार हैं और उन्होंने संगीत उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हर कलाकार के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए। टीम ने यह भी कहा कि अब इस मामले को पीछे छोड़कर आपसी समझ और सम्मान के साथ आगे बढ़ना चाहिए। यह विवाद 18 अक्टूबर को टिहरी में आयोजित सिद्धपीठ मां कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले के दौरान हुआ था। दलेर मेहंदी की प्रस्तुति के बीच मंत्री सुबोध उनियाल मंच पर पहुंचे और उनके गायन को लेकर नाराजगी जताई। मंत्री ने आरोप लगाया कि गायक शराब पीकर लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं और ठीक से गाना नहीं गा रहे हैं। उन्होंने मंच से एक अन्य गायक के साथ पहले हुई मारपीट का भी जिक्र किया था। इस घटना के बाद मामला चर्चा में आ गया। इससे पहले मीका सिंह ने बातचीत में बताया था कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मामले में पहल करते हुए उनसे और दलेर मेहंदी से फोन पर बात की थी।

फिल्म 'फौजी' पर भड़के नेताजी के पोते, ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ का लगाया आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नई दिल्ली। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्र कुमार बोस ने आगामी फिल्म 'फौजी' की आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि इसमें नेताजी और जर्मन तानाशाह एडॉल्फ हिटलर की ऐतिहासिक मुलाकात को गलत और सनसनीखेज तरीके से प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने फिल्म के निर्देशक से स्वतंत्रता संग्राम और नेताजी का सम्मान करने वाले देशवासियों से फिल्म



'फौजी' पर भड़के नेताजी के पोते, ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ का लगाया आरोपसार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। चंद्र कुमार बोस ने कहा कि फिल्मकारों को स्वतंत्रता संग्राम और देशभक्तों पर फिल्म बनाने की पूरी आजादी है, लेकिन कल्पना के नाम पर ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करना उचित नहीं है। उनके अनुसार, राष्ट्रीय प्रतीकों से जुड़े इतिहास को गलत तरीके से दिखाना गंभीर विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्म में नेताजी और हिटलर की मुलाकात का चित्रण नेताजी की गरिमा को कमतर करता है। चंद्र कुमार बोस ने नेताजी और हिटलर की मुलाकात का ऐतिहासिक संदर्भ बताते हुए कहा कि नेताजी भारत की आजादी के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के उद्देश्य से जर्मनी गए थे। उनका मानना था कि उस दौर में जर्मनी और जापान से भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को मदद मिल सकती थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नेताजी ने हिटलर से अधीनस्थ के रूप में नहीं, बल्कि बराबरी के स्तर पर बातचीत की थी। चंद्र कुमार बोस के मुताबिक, फिल्मकारों को ऐतिहासिक घटनाओं को पर्दे पर दिखाते समय उनके वास्तविक संदर्भ और स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान का ध्यान रखना चाहिए।

अभिषेक बच्चन भी पिता के साथ आए नजर; तबीयत खराब होने के बावजूद फैंस से मिले बिग बी

मुंबई में बम धमकी के बीच अमिताभ बच्चन ने निभाई 'संडे दर्शन' की परंपरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इसके बावजूद अमिताभ बच्चन ने रविवार, 25 अक्टूबर को अपनी वर्षों पुरानी परंपरा निभाते हुए बंगले के बाहर मौजूद प्रशंसकों का अभिवादन किया। इस दौरान उनके बेटे अभिषेक बच्चन भी साथ नजर आए। पुलिस की मौजूदगी और बैरिकेडिंग के बीच हुई इस मुलाकात ने लोगों का ध्यान खींचा।



साथ उनकी मौजूदगी चर्चा का विषय बनी रही।

धमकी के बाद 'जलसा' के बाहर कड़ा पहरा

अमिताभ बच्चन हर रविवार अपने बंगले के बाहर आकर प्रशंसकों का अभिवादन करते हैं। उनके इस सिलसिले को 'संडे दर्शन' कहा जाता है। इस रविवार भी बड़ी संख्या में प्रशंसक उनकी एक झलक पाने के लिए पहुंचे। धमकी के मद्देनजर पुलिसकर्मी बैरिकेड्स के पास तैनात रहे और भीड़ पर नजर रखते दिखाई दिए। आमतौर पर अमिताभ बच्चन इस दौरान अकेले प्रशंसकों के सामने आते हैं, लेकिन इस बार अभिषेक बच्चन भी उनके पीछे खड़े नजर आए। पिता के

तबीयत ठीक नहीं, डॉक्टरों ने दी थी आराम की सलाह

अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने ब्लॉग पर बताया था कि उन्हें आराम की जरूरत है। उन्होंने लिखा था कि डॉक्टरों ने उन्हें कुछ दिनों तक आराम करने और अपनी सेहत पर ध्यान देने की सलाह दी है। इससे पहले भी उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी सेहत को लेकर जानकारी साझा की थी और शरीर को स्वस्थ होने के लिए और समय देने की बात कही थी। इसके बावजूद उन्होंने प्रशंसकों से मिलने की परंपरा जारी रखी। रिपोर्ट्स के अनुसार, 23 अक्टूबर को मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े के कार्यालय को धमकी भरा ईमेल मिला था। इसमें अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' के अलावा गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ के मुंबई कार्यक्रम और कुछ स्कूलों को निशाना बनाने की धमकी दी गई थी। ईमेल में जुहू स्थित 'जलसा' को 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच निशाना बनाने की बात कही गई थी। इसके बाद पुलिस ने संबंधित स्थानों की सुरक्षा जांच की। शुरुआती जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ईमेल भेजने वाले की पहचान करने और धमकी की गंभीरता का पता लगाने में जुटी है।

बम धमकी के बीच बिग बी का संडे दर्शन

मुंबई स्थित अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' को बम से उड़ाने की धमकी के बाद सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इसके बावजूद अमिताभ बच्चन ने रविवार को प्रशंसकों का अभिवादन किया। इस दौरान बेटे अभिषेक बच्चन भी उनके साथ नजर आए। मेयर ऋतु तावड़े के कार्यालय को मिले धमकी भरे ईमेल में 'जलसा', दिलजीत दोसांझ के मुंबई कार्यक्रम और कुछ स्कूलों को निशाना बनाने की बात कही गई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है

सीबीएफसी के पोर्टल से 500 से अधिक फिल्मों के दस्तावेज लीक होने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के ऑनलाइन पोर्टल से 500 से अधिक फिल्मों के प्रमाणन से जुड़े दस्तावेज लीक होने का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन दस्तावेजों में शूटिंग स्क्रिप्ट, सेंसर बोर्ड के कट ऑर्डर, वितरण समझौते और कुछ फिल्मों की लाइसेंसिंग फीस व कारोबारी शर्तों से संबंधित जानकारियां शामिल हैं। हालांकि, फिल्मों के लीक होने की बात



सामने नहीं आई है। सीबीएफसी फिल्मों को सिनेमाघरों में रिलीज करने से पहले प्रमाणपत्र जारी करता है। इसके लिए फिल्म निर्माता और प्रोडक्शन हाउस 'ई-सिनेप्रमाण' पोर्टल के माध्यम से आवेदन करते हैं और जरूरी दस्तावेज जमा कराते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसी पोर्टल से जुड़े कई दस्तावेज कथित तौर पर ऑनलाइन उपलब्ध हो गए थे। बताया गया है कि कुछ दस्तावेज कई दिनों तक इंटरनेट पर मौजूद रहे और उन्हें इंटरनेट आर्काइव के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकता था। मामला सामने आने के बाद संबंधित सामग्री हटा दी गई। लीक होने का दावा किए गए दस्तावेजों में फिल्मों के प्रमाणन से जुड़ी जानकारियों के साथ वितरण समझौते, लाइसेंसिंग फीस और कारोबारी शर्तों से संबंधित रिकॉर्ड भी शामिल बताए गए हैं। ऐसी जानकारियां फिल्म निर्माताओं और प्रोडक्शन कंपनियों के लिए संवेदनशील मानी जाती हैं। मामले के बाद सीबीएफसी ने जांच कराने और ऑनलाइन पोर्टल की सुरक्षा का ऑडिट करने की बात कही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कितने दस्तावेज प्रभावित हुए और जानकारी सार्वजनिक होने के पीछे क्या कारण था।

टाइगर श्रॉफ की कार पर हमले के पीछे आमिर खान थे निशाने पर, पुलिस जांच मं नया खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुए हमले की जांच में पुलिस को अहम सुराग मिलने की बात सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 20 सितंबर को हरियाणा से मुंबई पहुंचे शूटरों का असली निशाना अभिनेता आमिर खान थे। पुलिस सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि शूटरों ने आमिर खान के घर की तीन बार रेकी भी की थी, लेकिन वहां तक पहुंचना



मुश्किल होने के कारण उन्होंने टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाया। रपोर्ट के अनुसार, शूटर कथित तौर पर लॉरेंस गैंग के इशारे पर मुंबई पहुंचे थे। उन्होंने आमिर खान के घर के आसपास तीन बार रेकी की। बताया गया है कि आमिर खान की शूटिंग और सुरक्षा व्यवस्था के चलते उन तक पहुंचना आसान नहीं था। इसके बाद शूटरों ने टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाने का फैसला किया। टाइगर अक्सर जुहू के एक पार्क में फुटबॉल खेलने आते थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जुलाई में लॉरेंस गैंग की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो क्लिप के जरिए आमिर खान को धमकी दी गई थी। धमकी में आमिर खान और गौरी स्प्रैट की शादी को सनातन धर्म के खिलाफ बताते हुए उन्हें सबक सिखाने की बात कही गई थी। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि अभिनेता सलमान खान की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण उन तक पहुंचना मुश्किल था।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोसिराम सिरम ने सीमा में 40-50 किलोमीटर तक चीनी सैनिकों के आने का आरोप लगाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले में चीनी सैनिकों की कथित घुसपैठ को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोसिराम सिरम ने दावा किया है कि चीनी सैनिक भारतीय सीमा के 40 से 50 किलोमीटर अंदर तक आ गए हैं। उन्होंने सीमा के कई स्थानों पर भारतीय और चीनी सैनिकों के आमने-सामने होने की बात भी कही। दूसरी ओर, भारतीय सेना ने अरुणाचल में चीनी कब्जे का दावा करने वाले एक वायरल वीडियो को फर्जी बताया है। सेना के अनुसार, वीडियो अक्टूबर 2023 में जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के फुटेज से छेड़छाड़ कर तैयार किया गया है।

सीमावर्ती इलाकों का दौरा कर लगाए आरोप

बोसिराम सिरम के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने 26 से 29 अगस्त तक अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा किया था। प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व गृह मंत्री तांगा बयालिंग तथा अपर सुबनसिरी के सांसद जारोडुम क्री भी शामिल थे। दल ईटानगर से नाचो होते हुए लाइमकिंग और तख्सिंग तक पहुंचा और वहां स्थानीय लोगों से बातचीत की। दौरे के बाद सिरम ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में चीनी सैनिकों की गतिविधियों की जांच की जानी चाहिए। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी का हवाला देते हुए उन्होंने जुलाई के आखिरी सप्ताह में सैनिकों के बीच हाथापाई और लाठियां चलने की घटनाएं होने का दावा भी किया। सिरम के अनुसार, सीमा पर तनाव के कारण स्थानीय लोगों की आवाजाही और सैनिकों की गश्त प्रभावित हो रही है। उन्होंने दावा किया कि ग्रामीण अब उन इलाकों में पहले की तरह नहीं जा पा रहे हैं, जहां वे याक चराने, जंगलों से जरूरी चीजें जुटाने और शिकार के लिए जाते थे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की कमी के कारण तैनात सैनिकों को अपने परिवारों से संपर्क करने में परेशानी होती है। उन्होंने खाने-पीने और अन्य जरूरी सामान की आपूर्ति में भी दिक्कतें होने का दावा किया। सिरम ने घुसपैठ के आरोपों को खारिज करने वाले राज्य के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और केंद्रीय रक्षा मंत्री के बयानों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की शिकायतों को अफवाह बताकर खारिज करने के बजाय उनकी जांच की जानी चाहिए।



सिरम के मुताबिक, कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात का समय मांगा था, ताकि उन्हें सीमावर्ती क्षेत्रों की स्थिति से अवगत कराया जा सके, लेकिन अनुमति नहीं मिली।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.